जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 46 संख्याः 215 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 25 फरवरी, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

जबलपुर : सड़क हादसे में महाकुम्भ से लौट रहे 6 तीर्थ यात्री मरे

जबलपुर, 24 फरवरी। जिले के सिहोरा तहसील के पहेरवा में भीषण सड़क हादसे में छः लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हैं। जानकारी के मुताबिक, सोमवार की सुबह ये भीषण सड़क हादसा, खितौला थाने के पहरेवा गांव के नजदीक हुआ। यात्री बस और एक एसयूवी कार के बीच हुई जोरदार टक्कर में एसयूवी कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार छः लोगों ने मोके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल जबलपुर रेफर किया गया है।

- कर्नाटक के तीर्थ यात्रियों की एसयूवी एक बस से टकरा गई जिससे एसयूवी में सवार सभी 6 यात्री मारे गए।

प्रयागराज के महाकुंभ में स्नान और दर्शन कर श्रद्धालु गाड़ी से लौट रहे थे कि सोमवार की तड़के 4:30 उनकी गाड़ी भीषण सड़क हादसे की शिकार हो गई। ये सभी श्रद्धालु कर्नाटक के रहने वाले थे और अपने घर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही सिहोरा-खितौला की पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे के कारणों की पड़ताल कर रही है।

मृतकों की पहचान विरुपक्सि गुमती, बस्वराज कुरति, बालाचंद्र और राजू के रूप में हुई है। वहीं, घायलों की पहचान सदाशिव और मुस्ताफ के रूप में हुई है। बता दें कि 11 फरवरी को इसी रूट पर एक ट्रैवलर गाड़ी ट्रक से टकरा गई, थी जिसमें आंध्र प्रदेश के आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।

इंदिरा गांधी पर की गई विवादित टिप्पणी व छः विधायकों के निलम्बन के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस विधायकों ने सदन की कार्यवाही का बायकॉट कर दिया। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कांग्रेसियों ने सदन से बाहर आकर विधानसभा की सीढ़ि यों पर नारेबाजी की।

गतिरोध नहीं टूटा, कांग्रेस ने बायकॉट किया, मार्शलों के घेरे में विधानसभा चली

स्पीकर और मुख्यमंत्री की पहल असफल रही, डोटासरा द्वारा ''अपशब्दों'' पर माफी नहीं माँगने से मामला अटका

- धरने के दौरान डोटासरा द्वारा स्पीकर के लिये प्रयोग किये गये अपशब्दों की रिकॉर्डिंग किसी विधायक ने स्पीकर को सुना दी। इससे बात और ज्यादा बिगड़ गई।
- विधानसभा के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन को रोकने के लिये पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया तथा वॉटर कैनन का प्रयोग किया।

जयपुर, 24 फरवरी। विधानसभा की कार्यवाही प्रश्नकाल में हंगामे के साथ शुरू हुई। बाद में गतिरोध समाप्त करने पर चर्चा हुई और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरफ से भी पहल की गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सदन में अपने कक्ष में बैठकर संसदीय कार्य मंत्री एवं अन्य नेताओं से गतिरोध तोड़ने के लिए कहा।

विधानसभा में चार दिनों से चल रहा कांग्रेस विधायकों का धरना सोमवार को बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया। इंदिरा गांधी पर की गई विवादित टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस विधायक बायकॉट की घोषणा कर सदन से बाहर निकल आए। कांग्रेस विधायक जब बाहर निकले तो निलंबित विधायक भी बाहर आए। कुछ देर बाद निलंबित विधायक हाकम अली, जाकिर हुसैन गैसावत, संजय जाटव जब दोबारा विधानसभा के अंदर जाना चाह रहे थे, तो सुरक्षा कर्मियों ने नियमों का हवाला देकर उनको अंदर जाने से रोक दिया। इस समय उनकी सुरक्षाकर्मियों से तीखी नोंक-झोंक हुई। स्थिति को बिगड़ता देख वरिष्ठ कांग्रेस विधायक राजेन्द्र पारीक ने समझा बुझाकर मामला शांत करवाया।

इससे पहले, बजट पर बहस के दौरान मार्शलों की घेराबंदी में सदन की कार्यवाही चली, इस बीच कांग्रेस विधायक वैल में नारेबाजी करते रहे। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने एक सदस्य पर सदन को हाईजैक करने का आरोप लगाया, जिसके बाद नेता प्रतिपक्ष जूली ने बायकॉट की घोषणा की।

सोमवार को अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित, 6 विधायकों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'करतारपुरा नाले से अतिक्रमण हटाने पर अब तक क्या कार्यवाही हुई'

जयपुर, 24 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने करतारपुरा नाले में हुए अतिक्रमण को लेकर राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि 26 मार्च तक मामले में की गई कार्रवाई की जानकारी पेश की जाए। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश राजेन्द्र प्रसाद शर्मा की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता (एएजी) विज्ञान शाह ने अतिरिक्त शपथ पत्र पेश कर नाले की चौड़ाई के संबंध में जानकारी दी। एएजी ने तीन साल पहले हुई बैठक का हवाला देते हुए अदालत को बताया कि 13 जनवरी, 2022 को जेडीए अधिकारियों की बैठक हुई थी, जिसमें तय किया गया कि करतारपुरा नाले की चौड़ाई तीस मीटर रहेगी और नाले के दोनों ओर दस-दस मीटर की जमीन सुरक्षा कॉरिडोर के लिए

- राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को इस मामले में प्रगति रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

आरक्षित रखी जाएगी। इस निर्णय के बाद नाले का पीटी सर्वे किया गया, जिसमें सामने आया कि नाले में करीब पांच सौ लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है। इनमें से 403 अतिक्रमणों को लेकर रिपोर्ट तैयार की गई है। वहीं, 17 अतिक्रमियों को कब्जा हटाने का नोटिस दिया गया है। अन्य अतिक्रमियों को नोटिस जारी करने के साथ ही शेष कार्रवाई की जा रही हैं। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विमल चौधरी और अधिवक्ता योगेश टेलर ने अदालत को बताया कि करतारपुरा नाला बारिश में ओवरफ्लो हो जाता है। नाले के पक्का नहीं होने और फैंसिंग नहीं लगाने के चलते यहां अतिक्रमण और हादसे हो जाते हैं। इसके अलावा, अभी तक नाले की सीमा भी तय नहीं की है, जिसके कारण नए अतिक्रमण भी नहीं रुक रहे हैं। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फड़नवीस व शिंदे के रिश्ते बिगड़ते ही जा रहे हैं

ऐसा लगने लगा है कि जैसे मु.मंत्री फड़नवीस की पहली प्राथमिकता पूर्व मु.मंत्री एकनाथ शिंदे के निर्णयों की कमी निकालना व और उनके पुराने आदेशों को पलटना ही है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। महाराष्ट्र की देवेन्द्र फड़नवीस सरकार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार के खिलाफ एक के बाद एक दूसरा ऑर्डर निकाला है। यह आदेश महाराष्ट्र में मिनिमम सपोर्ट प्राइज़ की योजनाओं के संचालन के लिए नोडल एजेंसियों के चयन में हुई गड़बड़ियों की जाँच के बारे में है। फड़नवीस सरकार ने इससे पहले शिंदे द्वारा घोषित हाउसिंग योजना में हुए 900 करोड़ रूपए के घोटाले की जाँच का आदेश भी दिया है।

फड़नवीस और शिंदे दोनों ही एक दूसरे के उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं और दोनों के रिश्ते बेहद तनावपूर्ण हैं। गत सप्ताहों के घटनाक्रम से संभवतया तनाव और बढ़ सकता है।

फड़नवीस ने हालिया सप्ताहों में जो फैसले लिए हैं, उनसे शिंदे खासतौर पर ज्यादा नाराज़ है। भाजपा नीत सरकार ने फरवरी में शिंदे सरकार का 1,400 करोड़ रूपए का टैंडर कैंसिल कर दिया। शिंदे सरकार ने शौचालयों, सड़कों व झुग्गी की सफाई के लिए यह टैंडर बी.एम.सी. को दिया था। शिवसेना नेता इस बात पर भी नाराज़ हैं कि फड़नवीस सरकार ने उनके क्षेत्र के जिलों नासिक व रायगढ़ में उनकी पार्टी के मंत्रियों को कोऑर्डिनेशन मंत्री घोषित करने की उनकी माँग नहीं मानी। यह भी खबर है कि सरकार ने शिवसेना के कई विधायकों की सुरक्षा घटा दी है।

तनाव के कई अन्य संकेत भी मिल रहे हैं। शिंदे ने मुख्यमंत्री राहत कोष की तर्ज पर उपमुख्यमंत्री हैल्थ रिलीफ फंड बनाया है। उपमुख्यमंत्री ने एक पैरेल समानान्तर वॉर रूम भी बनाया है। गत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- फड़नवीस के इस एक सूत्री कार्यक्रम के जवाब में शिंदे ने अप्रत्यक्ष धमकी देते हुए कहा, ''मुझे हल्का समझने की गलती न करे कोई। 2022 में भी मुझे हल्का समझा गया और मुझे राज्य सरकार को गिराना ही पड़ा और एक ''डबल इंजन'' की सरकार बनवानी पड़ी। मैं एक साधारण कार्यकर्ता जरूर हूँ। पर, बाला साहब ठाकरे का अनुयायी हूँ, यह भी लोगों को नहीं भूलना चाहिए।''
- हाल ही में मु.मंत्री फड़नवीस ने, पूर्व मु.मंत्री शिंदे पर जाँच भी शुरु करवा दी, जैसे, 900 करोड़ रूपए की लागत की शिंदे सरकार की हाउसिंग स्कीम्स पर जाँच बिठा दी है।
- इसी प्रकार मु.मंत्री फड़नवीस ने शिंदे सरकार द्वारा बीएमसी (बृहत् मुम्बई कॉरपोरेशन) के रख रखाव व साफ-सफाई आदि का, 1,400 करोड़ रूपये की लागत का ठेका भी निरस्त कर दिया है।

'आप के 32 विधायक मेरे संपर्क में हैं, पाला बदलने के लिए'

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता, कांग्रेस पार्टी के प्रताप सिंह बाजवा ने यह दंभ भरा दावा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। दिमागी खेल की राजनीति के अन्तर्गत, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रतापसिंह बाजवा ने आज दावा किया कि आम आदमी पार्टी के 32 विधायक, दलबदल की मंशा से, ''मेरे संपर्क'' में हैं। पंजाब विधानसभा सत्र से पहले, बाजवा ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार 1,000 रूपये के मानदेय के मामले में विलम्ब कर रही है, जिसका वादा चुनावों से पहले किया गया था।

कांग्रेस विधायक परगट सिंह ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि राज्य सरकार लम्बे सत्र चलाने की इच्छा ही नहीं रखती है। उन्होंने कहा कि आप पार्टी शीघ्र ही मुख्यमंत्री भगवंत मान को बदल देगी।

- कांग्रेस विधायक परगत सिंह ने भी इस लय में आगे कहा कि आप पार्टी स्वयम् ही, शीघ्र ही मु.मंत्री भगवंत सिंह मान को बदलने वाली है।
- आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने, दिल्ली में पंजाब सरकार के गेस्ट हाउस, कपूरथला हाउस में मु.मंत्री मान व विधायकों की बैठक बुलाई है, जिसके बारे में चर्चा है कि यह बैठक, पंजाब के मु.मंत्री को बदलने की कवायद का हिस्सा है।
- पर, यह भी कहा जा रहा है कि कांग्रेस राजनीतिक शतरंज का यह मनोवैज्ञानिक खेल, खेल रही है, आप के दिल्ली की हार के बाद निराश व कुंठित विधायकों में विभाजन करवाने के लिए।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में हुये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संभल : सार्वजनिक सम्पत्ति पर है कुआं

नई दिल्ली, 24 फरवरी। यूपी सरकार ने संभल हिंसा मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल की। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस कुएं की बात हो रही है, वह मस्जिद के बाहर है और सार्वजनिक भूमि पर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि

- यूपी सरकार ने संभल की शाही मस्जिद के बाहर स्थित विवादित कुएं पर सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट दी।

याचिकाकर्ता (शाही जामा मस्जिद समिति) ने भ्रामक तस्वीरों का उपयोग करके स्थान को गलत तरीके से पेश किया, ताकि यह दिखाया जा सके कि विवादित कुआं मस्जिद के अंदर है।

इससे पहले, शाही जामा मस्जिद समिति ने एक आवेदन दायर किया था, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्टालिन ने मोदी से सीख ली: अभी से 2026 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटे

तैयारी के तहत, पूरा प्रचार करने में जुट गये हैं कि केन्द्रीय सरकार नई शिक्षा नीति के तहत तमिलनाडु पर हिन्दी थोपने को तत्पर है

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 फरवरी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन भाषा के मुद्दे पर तो इमोशनल छक्के लगा ही रहे हैं, इसके साथ-साथ अब उन्होंने 2026 में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को लुभाने के लिए ''गवर्नैंस डिलिवरी'' का रास्ता भी अपनाया है। अर्थात् वो यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सरकारी योजनाओं व नीतियों की क्रियान्विति हो।

पूर्व के विपरीत, सन् 2021 में विधानसभा चुनाव जीतकर राज्य की सत्ता संभालते ही स्टालिन, भाजपा नेताओं और प्रधानमंत्री मोदी की तरह चुनाव अभियान मोड में आ गए थे। अभी तक अपने पूरे कार्यकाल में उन्होंने

- भाषा के भावात्मक मुद्दे के बाद, स्टालिन अब 2026 के चुनाव की दृष्टि से शिक्षा और हैल्थकेयर स्कीम्स पर फोकस कर रहे हैं तथा लाइलाज बीमारियों, जैसे डायबिटीज़ व ब्लडप्रेशर की दवाई को सस्ते न्यूनतम दामों पर उपलब्ध कराने के लिये ''मुदालवर मरुनधगम्'' (मु.मंत्री की फार्मेसी) की व्यापक योजना बनाई है। इन फार्मेसी की दुकानों को चलाने वालों को सरकार की तरफ से ''सब्सिडी'' भी दी जायेगी। इन क्रॉनिक बीमारियों की दवाई 75 प्रतिशत डिस्काउंट पर उपलब्ध कराई जायेंगी।
- इन दवा की दुकानों के जरिए स्टालिन दो मैसेज़ देना चाहते हैं, विशेषकर तमिलनाडु के मध्यम वर्ग को, कि सस्ती दवाइयाँ मिलना बहुत राहत देगा तथा केन्द्रीय सरकार चाहे जितने भी रोड़े अटकाये, स्टालिन की सरकार अपनी जनता को, राहत पहुँचाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी।

''गवर्नैंस डिलिवरी'' मॉडल पर खास ध्यान दिया है और साथ ही साथ ग्रोथ व डवलपमैंट पर फोकस कर रहे हैं, तथा अक्सर डेटा के माध्यम से उपलब्धि की बात करते हैं। चाहे वो ग्रोथ हो या सामाजिक संकेतक अथवा अन्य आर्थिक मापदंड, वे अपने भाषणों में इनका उल्लेख करते थकते नहीं हैं। अभी तक वे भाग्यशाली रहे हैं कि विपक्ष में एकता नहीं है और फिल्म स्टार विजय की राजनीति में एन्ट्री उन्हें फायदा अधिक देगी, नुकसान नहीं।

लेकिन वर्तमान में उनका फोकस रेवड़ियों के वितरण तथा नए और पुराने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विजेन्द्र गुप्ता दिल्ली के स्पीकर बने

नयी दिल्ली, 24 फ़रवरी। विजेंद्र गुप्ता सोमवार को सर्वसम्मति से दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष चुने गये। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधानसभा

- मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता तथा प्रोटैम स्पीकर अरविंदर लवली ने स्पीकर पद के लिए गुप्ता के नाम का प्रस्ताव रखा।

अध्यक्ष के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक विजेंद्र गुप्ता के नाम का प्रस्ताव किया, जिसका कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने समर्थन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कुल 400 करोड़ रूपए की पैनल्टी से राहत मिल सकती है, करदाताओं को

हाई कोर्ट ने इस मामले से जुड़े कुछ याचिकाकर्ताओं को राहत दी

- यादवेन्द्र शर्मा -

जयपुर, 24 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट में सुनील अग्रवाल समेत 9 याचिकाकर्ताओं द्वारा ''सेन्ट्रल सर्कल'' असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स के द्वारा इनकम टैक्स एक्ट के तहत गलत तरीके से ''पैनल्टी'' लगाए जाने के खिलाफ रिट याचिका दायर की गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश अवनीश जिन्गम और न्यायाधीश शुभा मेहता ने याचिककर्ताओं को राहत दी है, और इनकम टैक्स विभाग द्वारा भविष्य में टैक्सदाता के खिलाफ अवांछित कार्यवाही करने के खिलाफ मौखिक टिप्पणी भी की है। इस मामले में याचिकाकर्ता की तरफ से अधिवक्ता सिद्धार्थ रांका पैरवी के लिए पेश हुए थे।

दरअसल सुनील अग्रवाल के साथ कई अन्य टैक्सदाता थे, जिनको इनकम टैक्स के अधिकारियों ने इनकम टैक्स एक्ट की धारा 69-सी व 69-ए के तहत नोटिस भेजा था, जिसके तहत टैक्सदाता के द्वारा किसी भी सम्पत्ति जेवर, गहना, सोना या अन्य मूल्यवान वस्तु की खरीद के सम्बन्ध में उपयुक्त दस्तावेज या रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं करा पाने या उस वस्तु को खरीदने के लिए आय का स्त्रोत नहीं दर्शा पाने पर नोटिस भेजा जाता है।

हैरानी की बात है कि 1 अक्टूबर 2024 को 'एडिशनल कमिश्नर इनकम टैक्स' द्वारा इनकम टैक्स की धारा 271-ई के तहत इन सभी टैक्स दाताओं पर पैनल्टी लगाने का

- अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अगर इन्कम टैक्स एक्ट के तहत निर्धारण अधिकारी (असैसिंग ऑफिसर) की रिपोर्ट में कोई निष्कर्ष या तथ्य पैनल्टी लगाने के प्रावधानों को आकर्षित नहीं करता तो विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, जैसे कमिश्नर व अदालतें करदाताओं पर पैनल्टी लगाने की कार्यवाही नहीं कर सकतीं।
- अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेशों का हवाला देते हुए यह आदेश दिए।

नोटिस जारी कर किया गया। उल्लेखनीय है कि 271-ई के तहत उन टैक्सदाताओं पर पैनल्टी लगाई जाती है, जिन्होंने 20,000/- से अधिक की रकम का कर्ज नगद में चुकाया हो चाहे वह लोन उसके नाम पर हो या संस्था के नाम। इनकम टैक्स एक्ट के तहत 20,000/- से अधिक का लोन चैक या अन्य ऑनलाइन बैंकिंग माध्यमों से ही चुकाया जा सकता है, ताकि इसका रिकॉर्ड अधिकारियों को उपलब्ध हो सके।

हैरानी की बात है कि इन सभी टैक्सदाताओं के खिलाफ निर्धारण अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में ऐसी कोई भी टिप्पणी या निष्कर्ष नहीं लिखा था, जिसके आधार पर इन टैक्सदाताओं के खिलाफ धारा 271-ई के तहत कार्यवाही हो सकती थी।

अदालत ने सुप्रीम कोर्ट और 13 हाईकोर्ट और 13 'एपिलेट ट्रिब्यूनल' में दिए गए निर्णयों को आधार बनाते हुए कहा कि अगर निर्धारिण अधिकारी की रिपोर्ट में ऐसा कोई तथ्य या निष्कर्ष रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया है, जिससे टैक्सदाता पर कोई पैनल्टी लगाई जाए तो इनकम टैक्स कमिश्नर या अन्य अपीलेट अदालतें टैक्सदाता पर पैनल्टी लगाने की कार्यवाही नहीं कर सकते। उल्लेखनीय है कि सेन्ट्रल सर्कल के इनकम टैक्स असिस्टैन्ट व जॉइन्ट कमिश्नर ने कई और मामलों में कार्यवाही का यही तरीका अपनाया है। इस पर अदालत ने कठोर टिप्पणी की है।

उल्लेखनीय है कि इन मामलों में कुछ मामले अभी हाईकोर्ट नहीं पहुंचे है, परन्तु जल्द ही दायर कर दिए जाएंगे। बताया जा रहा है कि सेन्ट्रल सर्कल के अफसरों की ऐसी कार्यवाहियों में करीब 400 करोड़ रू. की कुल पैनल्टी लगाई गई थी।

विचार बिन्दु

चापलूस आपको हानि पहुंचा कर अपना स्वार्थ सिद्ध करना चाहता है। –हरिऔध

संवैधानिक एवं वैधानिक संस्थाओं की गिरती साख

भारत में कई ऐसी संस्थाएं और ऐसे पद हैं जिन्हें संवैधानिक अथवा वैधानिक कहा जाता है। इन पदों पर बैठे हुए व्यक्तियों को कार्यपालिका अपनी इच्छा अनुसार हटा नहीं सकती है। इन पदों पर आसीन व्यक्तियों से अपेक्षा होती है कि वे व्यक्तिगत स्वार्थ, दल, जाति, धर्म, संप्रदाय, प्रांत और भाषा से ऊपर उठकर संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार अपने निर्णय देंगे ताकि नागरिकों के संविधान प्रदत्त अधिकारों की रक्षा हो सके। इसी प्रकार कई वैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को भी सेवा सुरक्षा प्रदान की गई है। उन्हें निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना नहीं हटाया जा सकता है। यह सुरक्षा इसीलिए प्रदान की गई कि वे किसी राजनीतिज्ञ अथवा अन्य वर्ग के दबाव में आकर कोई काम न करें एवं सारे निर्णय कानून तथा संविधान के अनुसार लें।

ऐसी संस्थाओं में सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, निर्वाचन आयोग, सेबी, लोकपाल आदि शामिल हैं। इनमें से कई पदों पर नियुक्तियां हालांकि कार्यपालिका द्वारा की जाती हैं, किंतु उन्हें हटाने के लिए एक विशेष प्रकार की प्रक्रिया संविधान में निर्धारित की गई है, जिसका पालन किए बिना मनमाने तौर पर कार्यपालिका, किसी को अपने पद से नहीं हटा सकती है। इसी संवैधानिक/वैधानिक सुरक्षा का प्रयोग करते हुए टी एन शेषन जैसे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता को स्थापित किया। उन्होंने सत्ताधारी नेताओं के विरुद्ध कार्यवाही करने में संकोच नहीं किया। उन्होंने उन लोगों के विरुद्ध भी निर्णय दिए जिनके द्वारा उन्हें नियुक्त किया गया था।

संविधान में यह प्रावधान किया गया था कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के चयन के लिए एक समिति सरकार द्वारा कानून के माध्यम से बनाई जाएगी। लगभग 70 सालों तक भी सरकार ने इससे संबंधित कानून नहीं बनाया और सरकारों के द्वारा मनमाने तौर पर चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति होती रही। जब इस प्रकार नियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्तों द्वारा सत्ताधारी दल के पक्ष में कार्यवाही होनी प्रारंभ हुई तो यह प्रकरण सर्वोच्च न्यायालय में गया ।सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्णय के द्वारा यह व्यवस्था दी कि जब तक सरकार इस बारे में कोई कानून न बनाए, तब तक प्रधानमंत्री, भारत के मुख्य न्यायाधीश एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता की एक समिति मुख्य निर्वाचन आयुक्त और चुनाव आयुक्त के लिए चयन करेगी। जैसे ही सर्वोच्च न्यायालय ने यह निर्णय पारित किया, तत्काल, सरकार ने संसद में एक विधेयक प्रस्तुत कर, पारित करा लिया जिसके अंतर्गत प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय मंत्री तथा विपक्ष के नेता की एक समिति बना दी गई । इस समिति में दो सदस्य सरकार के थे, अत: निर्णय प्रधानमंत्री की इच्छा अनुसार ही होना था और ऐसा ही होने भी लगा। विपक्ष के नेता द्वारा इस बारे में आपत्तियां भी की गईं किंतु इन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया । अब इस कानून को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है, जिस पर सुनवाई लंबित है। इसी बीच , सरकार ने अपनी समिति के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति भी कर दी है।

सरकार द्वारा नियुक्त किए जाने की व्यवस्था तब तक तो ठीक चलती रही जब तक कार्यपालिका ने अनावश्यक रूप से चुनाव आयोग के काम में दखल नहीं दिया और चुनाव आयोग, स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से सत्ताधारी दल और अन्य राजनीतिक दलों में कोई भेदभाव किए बिना निर्वाचन संबंधी कानून की पालना करवाते रहे। गत कुछ वर्षों से यह देखा गया कि आदर्श आचार संहिता का पालन करवाते समय चुनाव आयोग के द्वारा सरकार के नेताओं के प्रति एवं विपक्ष के नेताओं के प्रति अलग-अलग प्रकार का दृष्टिकोण अपनाया गया। जहां एक ओर आदर्श आचार संहिता के छोटे मोटे उल्लंघन पर विपक्ष के नेताओं पर कड़ी कार्यवाही की गई, वहीं सत्ता पक्ष के नेताओं द्वारा बार-बार इसका गंभीर उल्लंघन होने पर भी उनके विरुद्ध कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई। इसी तरह की प्रवृत्ति को देखते हुए ही सर्वोच्च न्यायालय ने, मुख्य न्यायाधीश को चयन समिति का सदस्य बनाया था।

पर्याप्त सेवा सुरक्षा प्राप्त होने के बावजूद इन पदों पर नियुक्त व्यक्ति, सरकार के दबाव में काम करने लगे हैं। इसका बड़ा उदाहरण हाल ही में सामने आया जब सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच ने सरकार के दबाव में कार्य किया और बदले में सरकार ने भी उन्हें बचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सेबी अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कई आरोप लगे जिनके प्रथमद्रष्टया सही होने के बावजूद न तो माधवी बुच ने इस्तीफा दिया न ही सरकार ने उन्हें पद से हटाया। इससे, इस महत्वपूर्ण पद की साख को गिराने का ही काम हुआ।

संवैधानिक और महत्वपूर्ण पदों पर बैठे कई अधिकारी और व्यक्ति जिस प्रकार का कार्य कर रहे हैं, उसको देखकर तो यही कहावत लागू होती है ''जब बाड़ ही खेत को खाए, तो उसे कौन बचाए?''

इसी प्रकार नोट बंदी जैसा दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय भी बिना रिज़र्व बैंक की पूर्व सहमति से लिया गया। राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी अपनी पसंद के लोगों को बिठाकर केंद्र सरकार ने उनके माध्यम से विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को गिराने का काम किया।

संस्थाओं का दुरुपयोग अपने पक्ष में करने के लिए एवं विपक्ष के नेताओं को विभिन्न कानूनी प्रकरणों में उलझाने के दृष्टि से सी बी आई, ई डी जैसी संस्थाओं का दुरुपयोग बहुत बढ़ा है। यू पी ए शासन काल में सर्वोच्च न्यायालय ने सी बी आई को 'पिंजरे में बंद तोते' की संज्ञा दी और कहा कि यह सरकार की ही भाषा बोलता है। एक बार न्यायिक प्रक्रिया में उलझने के बाद सालों तक मामला लंबित रहता है, जिसके कारण सत्ताधारी दल के नेताओं को, विपक्षी नेताओं पर आरोप लगाने और उसका चुनावी लाभ उठाने का अवसर प्राप्त हो जाता है। विभिन्न महत्वपूर्ण संवैधानिक और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां, सत्ता पक्ष की हां में हां मिलाने वाले व्यक्तियों की होने लगीं। संदिग्ध सत्य निष्ठा वाले व्यक्ति भी इनमें नियुक्त होने लगे। इसके दुष्परिणाम भी देखने को मिले। एन टी ए का उदाहरण हमारे सामने है जिसके अध्यक्ष के कारण सरकार को नीट पेपर लीक प्रकरण में बहुत बदनामी झेलनी पड़ी थी।

यह समझ से परे हैं कि संवैधानिक पदों पर बैठने के बाद कोई भी व्यक्ति क्यों नहीं निष्पक्ष और निर्भीक रूप से अपने कर्तव्य का निर्वहन कर सकता है? उन्हें किस बात का डर है? संभवतया, संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्तियों को सेवानिवृत्ति के बाद कोई महत्वपूर्ण पद प्राप्त करने की लालसा बनी रहती है। यही कारण है कि वे सरकार की इच्छा अनुसार कार्य करने का रास्ता अपना लेते हैं। इस प्रकार के प्रलोभन से कोई नहीं बच पाया है, चाहे वे न्यायाधीश हों अथवा संवैधानिक पदों पर बैठे हुए अन्य व्यक्ति। पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एम एस गिल, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण मिश्रा, आदि ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिन्हें अपने संवैधानिक पदों से निवृत होते ही उन्हें राज्यपाल, राज्यसभा सदस्य अथवा किसी आयोग के अध्यक्ष पद पर बिठा दिया गया। यह मांग कई बार उठती रही है कि महत्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों को सेवानिवृत्ति के बाद कम से कम 2 वर्ष तक किसी भी ऐसे पद पर नहीं नियुक्त किया जाए जहां पर नियुक्तियां कार्यपालिका के द्वारा की जाती हैं।

एक समय था जब सरकारी पदों पर कार्यरत अधिकारी भी मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, यहां तक कि मुख्यमंत्रियों की अनुचित बात को मानने से इनकार करने का साहस रखते थे। उनसे यही अपेक्षा भी होती थी। उनके द्वारा दी गई विधि और संविधान सम्मत जनहित कारी सलाह का सम्मान भी जनप्रतिनिधि करते थे। उस समय, राजनीति में 'राजनीतिज्ञ' कम और 'राजनेता' अधिक होते थे। आजकल तो कोई भी अनुचित आदेश मानने से मना करने पर तत्काल उच्च अधिकारियों तक का तबादला कर दिया जाता है। अधिकारी भी अपने मेरु दंड को सीधा रखने के स्थान पर उल्टे-सीधे कार्यों को करने में ही अपनी भलाई समझने लगे हैं।

राजनीतिज्ञों की तो अपने राजनीतिक स्वार्थ और चुनाव जीतने के लिए कई बार गलत निर्णय लेने हेतु अधिकारियों को कहने की मजबूरी हो सकती है, किंतु अधिकारियों से तो यही अपेक्षा रहती ही है कि वे विधि सम्मत कार्य ही करेंगे। कुछ दशक पूर्व तक ऐसे अधिकारी पसंद किए जाते थे जो अपनी बात सही और स्पष्ट रूप से मंत्रियों के समक्ष रख सकें । जनप्रतिनिधि भी उनकी स्वतंत्रता और निष्पक्षता का आदर करते थे। आजकल, ऐसे मंत्री और अधिकारी विरले ही हैं। जैसा कि इसी स्तंभ में मैंने पहले भी एकाधिक बार लिखा है, संविधान के अनुसार, देश में सर्वोच्च सत्ता तो नागरिक की है और उसी के हित की पूर्ति के लिए कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका का प्रावधान किया गया है, किंतु आजकल देखने में यह आ रहा है कि सबसे पहले उसी के अधिकार और हित की बलि चढ़ाई जा रही है ।

अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों की योग्यता में कोई कमी नहीं है । वे लाखों व्यक्तियों में से कठिन परीक्षा के माध्यम से चुनकर आते हैं, किंतु उन्हें मिली सेवा सुरक्षा के बावजूद, यदि वे सभी प्रकार के अनुचित आदेशों की पालना करके अपने पद की साख को कम ही करते हैं। संवैधानिक और महत्वपूर्ण पदों पर बैठे कई अधिकारी और व्यक्ति जिस प्रकार का कार्य कर रहे हैं, उसको देखकर तो यही कहावत लागू होती है ''जब बाड़ ही खेत को खाए, तो उसे कौन बचाए?''

सभी भ्रष्ट व्यक्तियों को एक ही दृष्टि से देखा जाना चाहिए चाहे फिर वे न्यायपालिका से ही क्यों न हों। कोई व्यक्ति केवल न्यायाधीश होने मात्र से अनिवार्य रूप से ईमानदार नहीं हो जाता। यदि कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार में लिप्त है तो उसे किसी भी प्रकार की सुरक्षा क्यों प्रदान की जानी चाहिए?

कुल मिलाकर, यही कह सकते हैं कि संवैधानिक और महत्वपूर्ण वैधानिक पदों की साख बनाए रखने की मुख्य जिम्मेदारी तो इन पदों पर बैठे व्यक्तियों की ही है। यह तब ही सुनिश्चित हो सकता है जब इन पर नियुक्तियां पारदर्शिता के साथ, श्रेष्ठ, योग्य और निष्पक्ष व्यक्तियों की हो। महत्वपूर्ण संस्थाओं का क्षरण लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेंद्र भाणावत,
पूर्व आई ए एस, उपाध्यक्ष, ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया, राजस्थान चैप्टर

प्रदेश में खेल सुविधाओं पर है सरकार की बारीक नजर

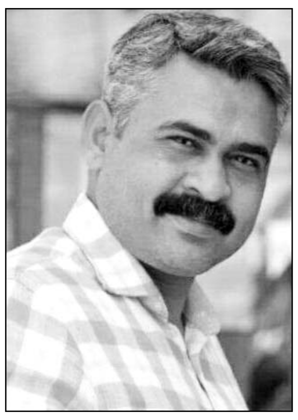

गौरीकांत शर्मा

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा उदयपुर यात्रा के दौरान एशियाई रजत पदक विजेता लेक्रोस खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए ।

उदयपुर । राज्य सरकार ने अपने बजट में उदयपुर में लेक्रोस खेल के संवर्द्धन हेतु अकादमी स्थापित करने की घोषणा की है। लेक्रोस मूलत: अमेरीकी खेल है। यूं तो अमेरीका का उदयपुर से कोई सीधा संबंध नहीं है लेकिन अमरीकी खेल लेक्रोस में उदयपुर के खिलाडियों ने लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर खेल जगत का ध्यान खींचा है। क्षेत्र विशेष में खेल विशेष की संभावनाओं को तलाशकर उसके अनुरूप योजना बनाने की राज्य सरकार गहन दृष्टि का ही परिणाम है कि सरकार ने उदयपुर को इस खेल के लिए उपजाऊ मानते हुए अकादमी की स्थापना की घोषणा हाल ही में अपने बजट में की। खेल सुविधाओं के विस्तार पर सरकार की इस बारीक नजर का जबरदस्त स्वागत हुआ है। सरकार का यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि 2028 में लॉस एंजिल्स में आयोज्य ओलम्पिक में लेक्रोस भी शामिल है।

उदयपुर में लेक्रोस अकादमी खुलने से नई पीढी को तकनीकी प्रशिक्षण के साथ उचित मानक के इक्यूपमेंट, डाइट एवं प्रतियोगिता अनुरूप सुविधाएं भी मुहैया होंगी जिससे खिलाडियों को इस खेल में अपने कौशल को सुधारते हुए उत्तरोत्तर बेहतर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। जनजाति बहुल मेवाड अंचल ने देश को लेक्रोस के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सात महिला व तीन पुरूष खिलाडी दिए हैं। स्थानीय प्रशिक्षक नीरज बत्रा द्वारा प्रशिक्षित सुनीता मीणा, डाली गमेती, मीरा दौजा, जुला कुमारी गुर्जर, विशाखा मेघवाल, हेमलता डांगी महिला वर्ग में और मोहनलाल गमेती, खुमाराम गमेती एवं प्रणय त्रिपाठी पुरूष वर्ग में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा है। महिला टीम ने उजबेकिस्तान के समरकंद में आयोजित हुई एशियाई प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। इस प्रतियोगिता में कप्तान सुनीता मीणा 22 गोल करते हुए सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रही। तीनों पुरुष खिलाडी इन दिनों जापान में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उदयपुर में हाल ही में राष्ट्रीय प्रतियोगिता की सफल मेजबानी की। इसमें भी उदयपुर के खिलाडियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर राजस्थान ने सीनियर वर्ग की महिला व पुरुष दोनों वर्गों के स्वर्ण पदक अपने नाम किए। सब जूनियर वर्ग में बालक व बालिका दोनों ही टीम ने रजत पदक जीता। इससे पूर्व फेडरेशन कप में भी राजस्थान की पुरुष व महिला दोनों टीम ने स्वर्ण पदक जीत वर्चस्व स्थापित किया। अन्य प्रतियोगिताओं में प्रथम राष्ट्रीय जुनियर प्रतियोगिता की बालक व बालिका टीम ने स्वर्ण एवं दूसरी राष्ट्रीय जूनियर प्रतियोगिता में बालिका टीम ने स्वर्ण तथा बालकों ने कांस्य पदक जीता था। राजस्थान ने विभिन्न वर्गों की अब तक हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 14 स्पर्धाओं में से आठ में स्वर्ण, दो में रजत तथा एक कांस्य पदक जीत कर देशभर में इस खेल में अपना झंडा बुलंद किया है। राजस्थान टीम में अधिकांशत: खिलाडी उदयपुर के जनजाति क्षेत्र के खिलाडी हैं । राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने अपनी मानगढ यात्रा के दौरान भारतीय लेक्रोस टीम की महिला खिलाडियों की उपलब्धियां को सराहा एवं कप्तान सुनीता मीणा को प्रथम आदि गौरव खेल रत्न से नवाजा। राज्यपाल ने भी राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में सुनीता को सम्मानित किया। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर में सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में एशियाई रजत पदक विजेता लेक्रोस खिलाडयों से मुलाकात कर उनकी उपलब्धियां को सराहते हुए प्रोत्साहित किया। साथ ही बांसवाडा में लेक्रोस के जनजाति खिलाडी डाली गमेती व मोहनलाल गमेती को सम्मानित किया। बजट में अकादमी की घोषणा से लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 को लेकर स्थानीय प्रतिभाओं में एक उम्मीद की किरण के साथ नये उत्साह का संचार हुआ है। राज्य सरकार की इस बजट घोषणा का लेक्रोस एसोसिएशन ऑफ इंडिया, राजस्थान लेक्रोस संघ, उदयपुर लेक्रोस संघ के पदाधिकारियों, अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाडियों, प्रशिक्षक सहित खेलप्रेमियों ने स्वागत किया है। सभी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, वित्त मंत्री दिया कुमारी, खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड, जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराडी, मेवाड क्षेत्र के सांसद, विधायकों, जनप्रतिनिधियों, वनवासी कल्याण परिषद व संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी का आभार व्यक्त किया है।

–गौरीकांत शर्मा
उप निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उदयपुर

कोटा मंडल होकर संचालित 10 जोड़ी गाड़ियों में अतिरिक्त कोच की सुविधा

कोटा, (निसं)। रेलवे द्वारा आगामी त्यौहारों को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु कोटा मंडल होकर जाने वाली 10 जोड़ी गाड़ियों में विभिन्न श्रेणी के अस्थाई कोच की बढ़ोत्तरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 19608/19607, मदार-कोलकाता-मदार एक्सप्रेस में मदार से दिनांक 03.03.25 से 31.03.25 तक एवं कोलकाता से दिनांक 06.03.25 से 03.04.25 तक 01 सैकण्ड एसी श्रेणी कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है।

गाड़ी संख्या 12465/12466, इंदौर-भगत की कोठी-इंदौर एक्सप्रेस में इंदौर से दिनांक 02.03.25 से 01.04.25 तक एवं भगत की कोठी से दिनांक 03.03.25 से 02.04.25 तक 03 द्वितीय शयनयान कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 14854/14853, जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेस में जोधपुर से दिनांक 01.03.25 से 31.03.25 तक तथा वाराणसी सिटी से दिनांक 02.03.25 से 01.04.25 तक 01 थर्ड एसी श्रेणी कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 14864/14863, जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेस में जोधपुर से दिनांक 01.03.25 से 31.03.25 तक तथा वाराणसी सिटी से दिनांक 02.03.25 से 01.04.25 तक 01 थर्ड एसी श्रेणी कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 14866/14865, जोधपुर-वाराणसी सिटी-जोधपुर एक्सप्रेस में जोधपुर से दिनांक 01.03.25 से 31.03.25 तक तथा वाराणसी सिटी से दिनांक 02.03.25 से 01.04.25 तक 01 थर्ड एसी श्रेणी कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 12988/12987, अजमेर-सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस में अजमेर से दिनांक 01.03.25 से 15.03.25 तक सियालदह से दिनांक 02.03.25 से 16.03.25 तक 01 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 09621/09622, अजमेर-बान्द्रा टर्मिनस-अजमेर स्पेशल में अजमेर से दिनांक 02.03.25 से 30.03.25 तक एवं बान्द्रा टर्मिनस से दिनांक 03.03.25 से 31.03.25 तक 01 द्वितीय शयनयान श्रेणी कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 09627/09628, अजमेर-सोलापुर-अजमेर स्पेशल में अजमेर से दिनांक 05.03.25 से 26.03.25 तक एवं सोलापुर से दिनांक 06.03.25 से 27.03.25 तक 01 द्वितीय शयनयान श्रेणी कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 20481/20482, भगत की कोठी-तिरूच्चिराप्पल्लि-भगत की कोठी एक्सप्रेस एक्सप्रेस में भगत की कोठी से दिनांक 05.03.25 से 26.03.25 तक एवं तिरूच्चिराप्पल्लि से दिनांक 08.03.25 से 29.03.25 तक 01 द्वितीय शयनयान श्रेणी कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। गाड़ी संख्या 19715/19716, जयपुर-गोमतीनगर (लखनऊ)-जयपुर एक्सप्रेस में जयपुर से दिनांक 02.03.25 से 18.03.25 तक एवं गोमतीनगर से दिनांक 03.03.25 से 19.03.25 तक 01 थर्ड एसी इकोनोमी श्रेणी कोच की अस्थाई बढ़ोत्तरी की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अस्थाई रूप से अतिरिक्त कोचों को लगाया जा रहा है। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन में अतिरिक्त कोच की जानकारी स्टेशनों, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

स्काउट गाइड समारोह में मेहमानों को तिलक लगा स्वागत किया

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय पाली के तत्वावधान में आयोजित हो रही पांच दिवसीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली के चतुर्थ दिवस के आयोजन में पाली के पूर्व जिला कलेक्टर नमित मेहता ने कहा कि पाली की रोहट जम्बूरी के कारण मै स्काउट गाइड के नजदीक आ गया और इसको समझ पाया। उन्होंने कहा कि करीब एक साल तक जम्बूरी के निमित्त कार्य करने के दौरान जिला मुख्यालय का और जिला प्रशासन का अच्छा तालमेल रहा जिसके लिए आज भी प्रशंसा की जा रही है।

सी ओ स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि इस अवसर पर नमित मेहता के जन्म दिवस पर सभी स्काउट गाइड की तरफ से केक काट कर शुभकामनाएं दी। सी ओ गाइड डिम्पल दवे ने बताया कि आज प्रात: काल ध्वजारोहण कार्यकम में मुख्य अतिथि बसंत परिहार प्रधानाचार्य प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर पाली स्थानीय संघ एवं विशिष्ट अतिथि भावना शेखावत प्रधानाचार्य मां आशापुरा माध्यमिक विद्यालय,नारायण सिंह राजपुरोहित डायरेक्टर सूरज शिक्षण संस्थान, धीरज भार्गव प्रधानाचार्य महोदय एम एस कवाड़ इंटरनेशनल स्कूल पाली, कल्याण सिंह राठौड़ डायरेक्टर कात्यायनी उच्च माध्यमिक विद्यालय पाली विद्यालय पाली, श्रीमती ममता शर्मा प्रधानाचार्य सेंट जेवियर स्कूल बतौर उपस्थित रहे, मेहमानों को तिलक लगाकर स्वागत एवं गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा सम्मान दिया गया इसके पश्चात ध्वजारोहण कार्यक्रम में मार्च पास्ट की टुकड़ी ने सलामी दी। जिला रैली में भाग ले रहे बालचरों द्वारा एडवेंचर एवं फन बेस में विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। एडवेंचर बेस में मंकी ब्रिज, टायर वाल, कमांडो ब्रिज, टायर टनल, आर्चरी, टायर चिमनी, गन शूटिन, हॉरिजॉन्टल झूला, रोप क्लाइंबिंग, मंकी ब्रिज, तिलक लगाना, टचिंग प्वाइंट, बाल्टी में सिक्का डालना, डिब्बे गिराना, फन बेस, , रिंग फसाना, , टच पॉइंट एवं क्लाइम्ब वॉल आदि का आनन्द लिया। स्काउट गाइड के लिए क्लाइंबिंग वॉल सबसे आकर्षण का केंद्र रहा, दिन भर क्लाइंबिंग वॉल की गतिविधि करने के लिए स्काउट गाइड लाइन लगाकर अपनी बारी का इंतजार उत्सुकता से करते नजर आए। दोपहर को हुए झांकी प्रदर्शन कार्यक्रम में सहायक राज्य संगठन आयुक्त बाबुसिंह राजपुरोहित, उप निदेशक शिक्षा विभाग प्रकाश चंद सिंघाड़िया, सोजत सिटी स्थानीय संघ प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर भगवान सिंह सिंगाड़िया, रानी एडीसी कानाराम, डां नरेंद्र वैष्णव, मोहन लाल भाटी एवं मनोज बोराणा, सूजाराम चौधरी आदि के सानिध्य में स्थानीय संघवार झांकी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें पाली के विभिन्न अंचलों की संस्कृति से सम्बन्धित झांकिया देखने को मिली। इस प्रतियोगिता में पुरषोत्तम पुरी, रमेश सोलंकी, प्रभु प्रजापत एवं वजाराम राणा ने सहयोग किया। इसके बाद क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्काउट गाइड से सम्बन्धित प्रश्नो के उत्तर पूछे गए एवं विजेताओं को पुरस्कार भी दिए गए, इस प्रतियोगिता हर राउंड में रोचकता देखने योग्य थी। प्रतियोगिता में मनोज बोराणा, बलवीर पारगी, जयपाल सिंह, यजुवेंद्र खेमलानी, मुकेश गग्गड़ एवं रमेश कुमार भाटी ने सहयोग किया गया।

जेईई-मेन 2025 : कैटेगरी में हो सकेगा बदलाव

- **27-28 फरवरी के मध्य होंगे करेक्शन**
- **इतिहास में सर्वाधिक अब तक 16 लाख से अधिक आवेदन**

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन में अब तक 16 लाख से अधिक विद्यार्थी आवेदन कर चुके हैं, जो कि इतिहास में आवेदन करने वालों में सर्वाधिक है। जेईई-मेन जनवरी में 13 लाख 78 हजार विद्यार्थियों ने आवेदन किया एवं 2 लाख 30 हजार से अधिक नए यूनीक कैंडिडेट अब तक अप्रैल परीक्षा के लिए आवेदन कर चुके हैं।

अप्रैल परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या लगभग 12 लाख से अधिक होगी। आवेदन प्रक्रिया की अंतिम तिथि 25 फरवरी है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि स्टूडेंट्स की डिमांड पर एनटीए द्वारा स्टूडेंट के हित में अंतिम करेक्शन का विकल्प देने की घोषणा की है। इसके लिए जारी पब्लिक नोटिस के अनुसार स्टूडेंट्स करेक्शन के दौरान कोर्स, मीडिया ऑफ क्वेश्चन पेपर, स्टेट कोड ऑफ इलेजिब्लिटी, परीक्षा शहर, दसवीं व 12वीं की क्वालीफिकेशन डिटेल, जेंडर, कैटेगरी में बदलाव कर सकते हैं। करेक्शन का अवसर 27 व 28 फरवरी को मिलेगा। एनटीए के इस करेक्शन विकल्प से देश के उन लाखों स्टूडेंट्स को राहत मिलेगी, जिन्होंने जनवरी जेईई-मेन के दौरान कैटेगरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने के कारण ओपन कैटेगरी से आवेदन कर दिया था और अब कैटेगरी दस्तावेज उपलब्ध होने पर कैटेगरी बदलना चाहते हैं।

साथ ही बड़ी संख्या में ऐसे स्टूडेंट्स भी हैं, जिन्होंने पूर्व में कैटेगरी से आवेदन कर दिया और अब ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस का सर्टिफिकेट 1 अप्रैल 2025 के बाद का नहीं होने पर ओपन कैटेगरी से आवेदन करना चाहते हैं। ऐसे में देश के इन लाखों विद्यार्थियों को अंतिम कैटेगरी बदलने का विकल्प मिलेगा। क्योंकि आवेदन के दौरान भरी गई कैटेगरी के आधार पर ही जेईई-एडवांस्ड परीक्षा की योग्यता एवं आईआईटी, एनआईटी में आगे की काउंसलिंग प्रक्रिया संपन्न होगी। इसलिए स्टूडेंट्स को कैटेगरी बदलने से पूर्व पूर्णत: सोच-विचार करना चाहिए।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 25 फरवरी, 2025

फाल्गुन मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र सायं 6:31 तक, व्यतिपात योग प्रात: 8:15 तक, तैतिल करण दिन 12:48 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मिथुन, बुध-कुम्भ, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग सूर्योदय से दिन 12:48 तक है। आज बुध उदय पश्चिम दिन 1:57 पर होगा। आज व्यतिपात पुण्यं, सोम प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:49 से 11:15 तक, लाभ-अमृत 11:15 से 2:05 तक, शुभ 3:31 से 4:56 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:59, सूर्यास्त 6:21

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

सिंह
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आव्हान

-राज्यपाल ने पेमासर में किसानों से किया संवाद, कहा कि किसान खेती के साथ पशुपालन, डेयरी और उद्यानिकी आधारित उद्योगों को अपनाए

बीकानेर,(कासं)।राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि किसान खेती के साथ पशुपालन, डेयरी और उद्यानिकी आधारित उद्योगों को अपनाएं। बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ें, ग्रामीण क्षेत्रों में युवा और महिलाओं के कौशल का विकास करें।

राज्यपाल ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव पेमासर में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में किसानों से संवाद करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए। बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत पेमासर गांव गोद लिया है। ग्रामवासी इस अवसर का पूरा लाभ लें।

राज्यपाल ने खेती में रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग पर चिंता जताई और कहा कि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हुई है। यह मानव स्वास्थ्य के लिए भी बेहद हानिकारक है। इससे कैंसर जैसे मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इसके मद्देनजर उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती की ओर लौटने का आव्हान किया। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गांव के विकास में हरसंभव मदद की जाए। किसानों को तकनीकी ज्ञान दें। इसमें प्रशासनिक विभागों का सहयोग भी लिया जाए।

खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि आज राजस्थान विकास की नई राह पर बढ़ रहा है। इसमें किसानों का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के सहयोग से पेमासर में सरसों और मोठ की नई किस्मों पर प्रशिक्षण किया जा रहा है। सहकारी समिति के माध्यम से यहां भंडारण केन्द्र प्रारम्भ किया गया है। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने आगंतुकों का स्वागत किया और कहा कि यह गांव के लिए गौरव का विषय है कि राज्यपाल यहां पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा गांव के युवाओं, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला प्रशासन के सहयोग से बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ सहित अन्य गतिविधियां आयोजित की जा रही है। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि पेमासर आदर्श कृषि गांव के रूप में विकसित हों।

सरपंच तोलाराम कूंकणा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व कुलपति प्रो. एन. एस. राठौड़, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर, विश्वविद्यालय रजिस्ट्रार निकया गोएन, वित्त नियंत्रक पवन कस्वां सहित अन्य ग्रामीण, बड़ी संख्या में किसान तथा महिलाएं मौजूद थे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सड़कों पर बढ़ते वाहनों के अत्यधिक दवाब के कारण सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। यह बेहद चिंताजनक है। इस पर प्रभावी नियंत्रण के लिए वाहन चालकों को स्वप्रेरित होकर यातायात नियमों की पालना करनी चाहिए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने सोमवार को बीकानेर के राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सभागार में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, पुलिस प्रशासन, परिवहन विभाग और ट्रोमा सेंटर द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा कार्यशाला के दौरान यह उद्गार व्यक्त किए।

राज्यपाल बागडे ने कहा कि सड़क सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर यह पहल महत्वपूर्ण है। ऐसे कार्यक्रमों के जरिए आमजन को यातायात नियमों की पालना के मार्गदर्शन के साथ सड़क पर सुरक्षित यात्रा के लिए निरंतर जागरूक किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आगामी एक माह को 'नो एक्सीडेंट मंथ' के रूप में मनाया जाए। इसके लिए प्रचार-प्रसार का विशेष अभियान चलाया जाए। इसके लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं, जिससे बीकानेर इस क्षेत्र में नजीर बने। राज्यपाल ने कहा कि सुरक्षित परिवहन आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ज्यादातर मामलों में दुर्घटनाएं या तो लापरवाही के कारण होती हैं या सड़क उपयोगकर्ता की सड़क सुरक्षा जागरूकता की कमी के कारण होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण नशा करके वाहन चलाना और इस दौरान मोबाइल का उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि वाहन मालिक भी चालकों को नियमित रूप से सुरक्षित परिवहन के लिए प्रेरित करें।

इससे पहले राज्यपाल ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के स्टेट वाइस चेयरमैन विजय खत्री ने स्वागत उद्बोधन दिया और सोसायटी के कार्यों के बारे में बताया।

बीकानेर में अधिकतम पारा 30 डिग्री पहुंचा

बीकानेर, (कासं)। आमतौर पर फरवरी में सर्दी बनी रहती है लेकिन इस बार तापमान तीस डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया है। न सिर्फ दिन में बल्कि रात में भी पारे का ग्राफ लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। बीते चौबीस घंटे में बीकानेर में अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं न्यूनतम पारा 16 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक बीकानेर में अधिकतम और न्यूनतम दोनों ही तापमन सामान्य से ज्यादा है। दिन में जहां 2.1 डिग्री सेल्सियस पारा ज्यादा है, वहीं रात के समय 3.2 डिग्री सेल्सियस की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो गई है। आम दिनों से अधिक तापमान रहने के कारण समय से पहले लोगों के घर में पंखे दिन-रात चलने लगे हैं। मौसम विभाग की मानें तो अगले एक सप्ताह तक मौसम शुष्क रहने वाला है। ऐसे में तापमान में भी कुछ बढ़ सकता है। फरवरी के अंतिम दिन तक तापमान 32 या 33 डिग्री सेल्सियस तक भी पहुंच सकता है।

बीकानेर में कुछ दिन पहले बारिश होने के बाद भी मौसम में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। माना जा रहा था कि तापमान में कमी आएगी लेकिन इसके उलट पारा बढ़ गया है। आने वाले दिनों में फिर से कोई पश्चिमी विक्षोभ बनने पर बारिश हो सकती है।

अश्व रोग निदान एवं प्रबंध पर प्रशिक्षण प्रारंभ

पशुओं में कोई भी दवाई आदि काम में लें तो वह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अन्य पशुओं या पक्षियों के लिए घातक न हो, यह सुनिश्चित करना चाहिए

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केन्द्र बीकानेर पर आज अश्व रोग निदान, निगरानी एवं प्रबंध पर छः दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केन्द्र के प्रभागाध्यक्ष डॉ. एस. सी. मेहता ने कहा कि यह कार्यक्रम उत्तराखंड के पशुचिकित्सकों के लिए विशेष रूप से आयोजित किया गया है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पशु चिकित्सा का कार्य बहुत ही कठिन कार्य है जहां मानव को छोड़कर हर कोई पशु उस चिकित्सक के सामने आ जाता है एवं उससे उसके उपचार, रोग निदान एवं प्रबंध की सटीक जानकारी अपेक्षित की जाती है। कभी शेर, तो कभी मोर, कभी कबूतर, तो कभी तोता, कभी हिरण, कभी बतख आदि एवं पालतू पशु जैसे गाय, भैंस, भेड़, बकरी, घोड़ा, गधा एवं ऊंट है। एक पशु चिकित्सक सभी प्राणियों में दक्ष नहीं हो सकता है।

इसलिए यह महसूस किया गया कि अश्व चिकित्सा एवं प्रबंध में पशु चिकित्सकों को प्रशिक्षित करें ताकि वह अच्छी तरह से अपने कार्यक्षेत्र में उनका उपचार एवं प्रबंधन का कार्य कर सकें। उन्होंने केन्द्र की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ जगदीश राणे, निदेशक, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान ने कहा कि जैव विविधता का अभिन्न अंग है ये पशु। कैसे यह बिना कार्बन उत्सर्जित किए आपको ऐसे दुर्गम क्षेत्रों में सेवा देता है, हमें इसको समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम अपने पशुओं में कोई भी दवाई आदि काम में लें तो वह प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अन्य पशुओं या पक्षियों के लिए घातक न हो, यह सुनिश्चित करना चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम के आयोजन सचिव एवं प्रधान वैज्ञानिक डॉ राजेन्द्र गोयल ने कहा की अश्वों की उपयोगिता आज भी उत्तराखंड में बहुत अधिक है। इसलिए हमने इस राज्य का इस परियोजना के तहत चयन किया। उन्होंने यह भी बताया कि इस तरह के इस वर्ष कुल चार प्रशिक्षण कार्यक्रम एससीएसपी योजना के अंतर्गत आयोजित किए जाने थे उनमें से आज दूसरा एवं तीसरा कार्यक्रम एक साथ बीकानेर एवं हिसार में प्रारंभ किया जा रहा है। बीकानेर में इस कार्यक्रम का संचालन डॉ टी. राव.ताल्लरी ने किया।

दो युवकों को 400 ग्राम अफीम के साथ पकड़ा

बीकानेर, (कासं)। यहां अवैध तरीके से मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के प्रयास चल रहे हैं। कालू पुलिस थाने ने एक शख्स से चार सौ दस ग्राम अफीम बरामद की। इस अफीम के साथ पुलिस ने एक स्विफ्ट कार भी जब्त की है।

रेंज आईजी ओमप्रकाश पासवान की स्पेशल टीम की सूचना पर कालू पुलिस थाना ने कार्रवाई की है। पुलिस ने यहां 410 ग्राम अफीम और स्विफ कार बरामद की। भारत माला रोड़ के कालू क्षेत्र में कालू पुलिस ने नाकाबंदी की। इस दौरान कमलेश बिश्नोई पुत्र मदनलाल बिश्नोई उम्र 22 वर्ष गांव घमडिया पुलिस थाना सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर और नितेश कुमार पुत्र सत्यनारायण बिश्नोई उम्र 20 निवासी ढ़ाबा पुलिस थाना सुरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर को रोककर पूछताछ की। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से अफीम बरामद की गई।

तस्करी में काम ली जा रही कार को भी पुलिस ने सीज कर दिया। इन दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने पता लगाया है कि इससे पूर्व भी इन युवकों ने पांच बार अवैध मादक पदार्थ की खेप ले गए थे। अब ये पता लगाया जा रहा है कि पहले कहां और कब ये खेप ले गए थे। आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड लेकर पूछताछ की जा रही है।

हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में विशेष अभियान के तहत पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में एक कार्रवाई की है। चूनावढ़ थाना पुलिस ने एक तस्कर को 6.20 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान सोनू मिश्रा (34) के रूप में हुई है। वह श्रीगंगानगर के लालचंद की ढाणी में मकान नंबर 237 का निवासी है। पुलिस ने मादक पदार्थ के परिवहन में इस्तेमाल किए गए वाहन को भी जब्त कर लिया है। प्रशिक्षु आईपीएस अजेय सिंह राठौड़ के नेतृत्व में उनि. मलकीयत सिंह और थाना स्टाफ ने रोही 10 एलएल में यह कार्रवाई की। मामले में धारा 8/21, 25 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। अनुसंधान मटीलीराठान थाना प्रभारी सुभाष को सौंपा गया है। डीआईजी सह एसपी गौरव यादव ने बताया कि श्रीगंगानगर को नशा मुक्त बनाने के लिए ऑपरेशन सीमा संकल्प चलाया जा रहा है। इसके तहत जिला प्रशासन और पुलिस संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रहे हैं।

खाजूवाला में नई ग्राम पंचायत बनाने के मुद्दे पर आंदोलन

खाजूवाला के 6 एमडब्लूएम को ग्राम पंचायत बनाने की मांग

बीकानेर, (कासं)। खाजूवाला में 6 एमडब्लूएम (मुस्लिम जोहड़ी) राजस्व गांव को ग्राम पंचायत बनाने के लिए आंदोलन शुरू कर दिया है।

ग्रामीण 6 एमडब्लूएम (मुस्लिम जोहड़ी) और इसके साथ जुड़े दो अन्य राजस्व गांवों 8 केएलडी और 39 केजेडी की कुल जनसंख्या दो हजार से अधिक है। इन तीनों गांवों में कुल 28 चक आते हैं, जो वर्तमान में ग्राम पंचायत आनंदगढ़ में आते हैं। ऐसे में नई ग्राम पंचायत बनाने की मांग की जा रही है। इस संबंध में एक ज्ञापन एसडीएम के नाम तहसीलदार को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि तीनों राजस्व गांवों और उनके चकों की औसतन दूरी ग्राम पंचायत मुख्यालय आनंदगढ़ से लगभग 10-12 किलोमीटर है, जिससे ग्रामीणों को पंचायत मुख्यालय तक पहुंचने में काफी कठिनाई और आर्थिक नुकसान होता है। कई बार परिवहन की सुविधा न होने के कारण किसानों को अपनी ज़रूरत पूरी करने के लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा और अन्य जरूरी सेवाओं में भी कमी आ रही है। ग्रामीणों ने प्रस्ताव दिया कि 6 एमडब्लूएम (मुस्लिम जोहड़ी) को ग्राम पंचायत बनाना आम जनता के लिए सुविधाजनक रहेगा। इस गांव के केन्द्र में स्थित होने के कारण आसपास के चकों तक आने-जाने की औसत दूरी लगभग 3-4 किलोमीटर रह जायेगी, जो वर्तमान में 10-12 किलोमीटर से बहुत कम है। साथ ही 6 एमडब्लूएम तक पक्की सड़क और परिवहन की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, जो इसे ग्राम पंचायत का मुख्यालय बनाने के लिए उपयुक्त स्थान बनाती हैं। उनकी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों ने 6 एमडब्लूएम को ग्राम पंचायत बनाने की मांग की है।

11 किलो डोडा-पोस्त सहित दबोचा

श्रीगंगानगर, (कासं)। नशा मुक्त बनाने के लिए चलाये जा रहे ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। रायसिंहनगर पुलिस ने गांव 11 टीके से एक व्यक्ति को डोडा पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी सत्यनारायण गोदारा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गश्त के दौरान कार्रवाई की। आरोपी विनोद कुमार (37) के कब्जे से 11 किलो 800 ग्राम डोडा-पोस्त डंठल बरामद किया गया। आरोपी गांव 11 टीके का रहने वाला है। डीआईजी सह एसपी गौरव यादव ने बताया कि जिला प्रशासन और पुलिस की संयुक्त पहल पर युवाओं को नशे से बचाने का अभियान चल रहा है।

रील बना रहे युवक का किडनैप कर 35 किमी. दूर छोड़कर फरार

- **नोखा में से युवक को बदमाश ब्लैक कलर की कैम्पर में डालकर ले गए**
- **सीसीटीवी कैमरों और इनपुट के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं**

नोखा, (कासं)। जिले के नोखा में रील बना रहे एक युवक के किडनैप का मामला सामने आया है। युवक को बदमाश ब्लैक कलर की कैम्पर में डालकर ले गए। घटनास्थल से 35 किलोमीटर दूर छोड़कर फरार हो गए। युवक अपने दो दोस्तों के साथ आया था। घटना रविवार रात को जैन चौक में हुई।

थानाधिकारी अमित कुमार स्वामी ने बताया कि सुरपुरा निवासी धीरज सारस्वत अपने दो दोस्तों के साथ जैन चौक में रील शूट करने आया था। जैसे ही वे रील बनाना शुरू किए, एक काले कांच वाली कैम्पर गाड़ी वहां रूकी। गाड़ी में बैठे लोगों ने आधा कांच नीचे करके धीरज से बात की। धीरज जब गाड़ी के पास गया तो कैम्पर में सवार अज्ञात युवकों ने उसे अंदर खींचने की कोशिश की। धीरज ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पांचों युवक कैम्पर से उतरे और उसे जबरन गाड़ी में डाल लिया।

एसएचओ ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही नोखा पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं आसपास के थानों में सूचना देकर नाकाबंदी की गई। इस दौरान किडनैपर्स युवक धीरज को 35 किलोमीटर दूर ढिंगसरी के पास छोड़कर फरार हो गए। पुलिस युवक से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। फिलहाल किडनैप के कारण स्पष्ट नहीं हो पाये हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और इनपुट के आधार पर आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

ऐतिहासिक अभिलेखों का अवलोकन किया

महाराणा प्रताप कालीन ताम्रपत्र देखकर इनके संरक्षण कार्य की सराहना की

बीकानेर, (कासं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राजस्थान राज्य अभिलेखागार के अभिलेखागार संग्रहालय में संरक्षित दस्तावेज हमारे इतिहास, संस्कृति और परम्पराओं के जीवंत प्रमाण हैं। यह हमें हमारे स्वर्णिम इतिहास से साक्षात करवाते हैं। राज्यपाल ने सोमवार को अभिलेखागार के संग्रहालय के अवलोकन के दौरान यह उद्गार व्यक्त किए।

राज्यपाल ने यहां संरक्षित पुरंदर की संधि का अवलोकन किया और कहा कि पुरंदर की संधि के माध्यम से शिवाजी महाराज और राजपूताना के संबंधों की जानकारी मिलती है। उन्होंने महाराणा प्रताप दीर्घा, स्वतंत्रता सेनानी गैलेरी के अलावा ऐतिहासिक दस्तावेजों तथा महत्वपूर्ण अभिलेखों का अवलोकन किया। राज्यपाल ने संग्रहालय में राजस्थान के ऐतिहासिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक विकास से जुड़े विभिन्न अभिलेखीय दस्तावेजों का अवलोकन किया। शाही फरमान, महाराणा प्रताप कालीन ताम्रपत्र देखकर इनके संरक्षण कार्य की सराहना की।

उन्होंने कहा कि यह सभी दस्तावेज आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इससे युवाओं में इतिहास और संस्कृति के प्रति जागरूकता बढेगी। राज्यपाल ने कहा कि शोध के दृष्टिकोण से भी यह दस्तावेत महतवपूर्ण है। इने डिजिटाइजेशन से इनकी पहुंच बढ़ेगी तथा संरक्षण भी होगा। उन्होंने संरक्षण कार्य के लिए अन्य देशों और प्रदेशों के अभिलेखागार संस्थानों से समन्वय करने की बात कही।

मंद्बुद्धि आश्रम में चोरी

नोखा, (कासं)। नोखा से हिंयादेसर रोड स्थित नवज्योति आश्रम में एक पूर्व ड्राइवर ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। आश्रम संचालिका शारदा जाट ने नोखा थाने में शिकायत दर्ज कराई है।

आरोपी कृष्ण कुमार जाट श्रीगंगानगर का रहने वाला है। वह 7-8 महीने पहले तक आश्रम में ड्राइवर था। तीन-चार दिन पहले वह आश्रम में आया और रूकने की अनुमति मांगी। संचालिका ने पूर्व कर्मचारी होने के नाते उसे रूकने दिया। घटना के दिन संचालिका और वर्तमान ड्राइवर राकेश बिश्नोई सुरपुरा झाडेली गांव गए थे। संचालिका का बेटा स्कूल में था। शाम को जब हरीश स्कूल से लौटा तो कृष्ण कुमार ने उसे नशीला पदार्थ मिला खाना खिलाया। बच्चा गहरी नींद में सो गया। रात को जब संचालिका और ड्राइवर आश्रम लौटे तो गेट बंद था। काफी देर तक आवाज लगाने और हॉर्न बजाने के बाद हरीश नींद से उठकर गेट खोलने आया। कृष्ण कुमार ने आलमारी का लॉक तोड़कर बच्चों के अनुदान की राशि 6.30 लाख रूपए, सोने-चांदी के आभूषण, पेन ड्राइव, आश्रम के जरूरी कागजात गायब थे।

गिरदावरी एप से करें फसलों की गिरदावरी

फार्मर रजिस्ट्री शिविरों में पंजीकरण करवा अधिकाधिक लाभ उठाएं किसान

श्रीगंगानगर, (कासं)। राज्य सरकार द्वारा संचालित एग्री स्टेक योजनातर्गत फार्मर रजिस्ट्री अभियान 5 फरवरी से 30 मार्च तक प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों के माध्यम से आयोजन किया जा रहा है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सतीश शर्मा ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री शिविर प्रत्येक ग्राम पंचायत पर तीन दिवस के लिए आयोजित करने के दिशा-निर्देश उपखंड स्तर से जारी किए गए हैं। इस योजना के तहत आयोजित शिविरों में ग्राम स्तर के कृषि पर्यवेक्षक, पटवारी तथा ग्राम विकास अधिकारी को कैम्पों में भाग लेने के लिए निर्देशित किया गया है। उपखंड स्तर पर शिविरों के मॉनिटरिंग का उत्तरदायित्व सहायक निदेशक कृषि, विकास अधिकारी एवं तहसीलदार को दिया गया है। उन्होंने बताया कि किसान इन शिविरों में अपनी फसलों का गिरदावरी एप के माध्यम से अधिक से अधिक गिरदावरी करवाना सुनिश्चित करें। चकबंदी वाले जिलों में लोकेशन डिसेबल्ड किए जाने के कारण डिजिटल क्रॉप सर्वे की गिरदावरी संबंधित पटवारी द्वारा की जायेगी। जबकि खसरा वाले बगैर चकबंदी वाले गांवों में जिनमें खसरा है, किसान भाई स्वयं कृषि पर्यवेक्षक की मदद से अपनी फसल की गिरदावरी राज किसान गिरदावरी एप के माध्यम से करेंगे।

उन्होंने बताया कि साथ ही किसान अपने खेत की मृदा जांच उपरांत मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं इस रबी सीजन में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जारी बीमा पॉलिसीयों को संबंधित कृषि पर्यवेक्षक से फार्म रजिस्ट्री कैम्प में पहुंचकर प्राप्त करें। विभागीय योजनाओं की ऑनलाइन एप्लीकेशन के तहत सुविधाओं का फायदा उठाने के लिये किसान राज किसान सुविधा एप डाउनलोड अवश्य करें। उन्होंने बताया कि कृषकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें।

सहमति-पत्र

मनके मनीष कामरा पुत्र स्व.चुन्नी सिंह कामरा उम्र45वर्ष जाति कामरा निवासी 3-ध-5 हाऊसिंग बोर्ड पवनपुरी बीकानेर का हूं। जो कि निम्न तथ्य शपथ पूर्वक हलफन बयान करता हूं कि :-1.यह कि मुझ मुकिर के नाम से एल आई सी में पोलिसयां करवा रखी है जिसमें मुझ मुकिर का नाम भूलवंश मनीष सिंह कामरा लिखा गया है, जबकि मुझ मुकिर का वास्तव मैं नाम मनीष कामरा है।2. यह कि मुझ मुकिर के आधार कार्ड में एवं मेरे पेन नम्बर में मुझ मुकिर का नाम मनीष कामरा ही लिखा हुआ है। 3.यह कि मुझ मुकिर का नाम मनीष कामरा ही है इसे ही लिखा पढा माना व समझा जावे। यदि कोई तथ्य इसके विपरीत निकलेगा तो उसकी समस्त जिम्मेदारी मुझ मुकिर की होगी।उपरोक्त शपथ पत्र के पेरा संख्या 1 से 3तक तमाम तथ्य मैंने अपनी निजी जानकारी के अनुसार सही सही हलफन बयान किये है। इसमें कोई भी तथ्य छिपाया या घटाया बढाया नहीं है। ईश्वर मेरी मदद करे।

मनीष कामरा
शपथ ग्रहिता

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम) कॉर्पोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001(राज.), फोन नम्बर: (0294)2428763-67, 2428744, 2428738, फैक्स: (0294)2428770,2428769 E-mail: project.rsmml@rajasthan.gov.in

निविदा आमंत्रित करने की सूचना दिनांक :- 24/02/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
निविदा संख्या: RSMM/CO/PROJ/2024-25/493 दिनांक 21.02.2025 UBN No. MML2425WSOB00214	आरएसएमएमएल की जैसलमेर, गोटन, नागौर, जालोर, गंगानगर, बीकानेर, बाड़मेर, उदयपुर स्थित खदानों एवं जैसलमेर स्थित विंड फार्मो पर उपलब्ध भूमि पर सोलर प्लांट लगाने की विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने हेतु कन्सल्टेंसी सर्विस प्रदान करवाना। धरोहर राशि (रू. में) बोली सुरक्षा के एवज रूपये 12.00 हजार, निविदा दस्तावेज और प्रसंस्करण शुल्क की लागत रू. 590/- डीडी नेफ्ट/आरटीजीएस द्वारा आर.एस.एम.एम.एल., उदयपुर के पक्ष में देय, निविदा डाउनलोड करने की तिथि 21.02.2025 से 17.03.2025 अपरान्ह 3.00 बजे तक। निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 18.03.2025 अपरान्ह 3.00 बजे तक।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा समूह महाप्रबन्धक (परियोजना) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/24/12174 — उप महाप्रबन्धक (प्रशासन)

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 24.2.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना में चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 03 के किला नं. 21 में माप 30 इन्टू 65 फीट भूखण्ड संख्या बी-16, चैताली एन्कलेव, श्रीगंगानगर का पटटा संख्या 2852 दिनांक 16.07.2004 को कुमारी वन्दना शर्मा पुत्री श्री शंकर लाल शर्मा के नाम से जारी किया हुआ है। उक्त जारी पटटे का श्री नितेश मिढ्ढा पुत्र श्री रणवीर मिढ्ढा निवासी सी-07, चैताली एन्कलेव, श्रीगंगानगर द्वारा उक्त भूखण्ड में से माप 25 इन्टू 30 फीट को जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 30.06.2023 के द्वारा क्रय कर स्वामित्व के दस्तावेज एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पटटे का समर्पण कर भूखण्ड की लीज हस्तान्तरित करवाते हुए फ्री होल्ड पट्टा जारी किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः उक्त के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से 7 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं. 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 की अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पटटा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
Rajkaj Ref. No. 13749448 — सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/3460 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 7.2.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह निवासी 245, सुरजीत सिंह कॉलोनी, गली नं. 9, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्तानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 3 ए छोटी मुरब्बा नं. 04 किला नं. 12, 19 में माप 15 इंटू 50 फीट भू.सं. 245, सुरजीत सिंह कॉलोनी, श्रीगंगानगर	उक्त भूखंड का नियमन पट्टा सं. 1869 दिनांक 18.9.2002 को श्री सेवा सिंह पुत्र श्री सुंदर सिंह के नाम से जारी किया हुआ है।	श्री लक्ष्मण सिंह द्वारा उक्त भूखंड को जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 10.9.2024 को क्रय कर उक्त भूखंड के नामान्तरण बाबत न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्री लक्ष्मण सिंह पुत्र श्री बलदेव सिंह निवासी 245, सुरजीत सिंह कॉलोनी, गली नं. 9, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा।
आवेदन सं. :- SGNR/FY24-25/MUT/1316 — सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

गुजरात से 13.25 लाख का इंडस्ट्रीज ऑयल को जोधपुर में किया खुर्दबुर्द

जोधपुर, (कास)। गुजरात की एक फर्म से 13.25 लाख से ज्यादा का इंडस्ट्रीज ऑयल टैंकर में जोधपुर खुर्द-बुर्द कर दिया गया। टैंकर चालक ने यहां जोधपुर में स्थानीय लोगों से मिलीभगत कर एक बाड़े में खुर्दबुर्द करने साथ किसी अन्य को बेच दिया। बाड़े में पांच हजार किलो ऑयल स्वीफ्ट किया गया। पुलिस ने 21 फरवरी को कार्रवाई कर संदिग्ध लोगों को पकड़ा था। मालिक की तरफ से धोखाधड़ी में प्रकरण दर्ज कराए जाने पर अब टैंकर चालक सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसमें पिता पुत्र शामिल है। पंजाब के संगरूर गुरजीत कॉलोनी निवासी चेतन जैन पुत्र बिमाकुमार जैन ने मामला दर्ज करवाया था। इसमें बताया कि उसकी एक फर्म चेतन ऑयल एण्ड केमिकल कलेस्कोटला इण्डस्टरी एरिया में आई है। इस फर्म के लिए माल काण्डला पोर्ट गाधीधाम से गुजरात से मंगवाया जाता है। 18 फरवरी को राधे माधव ट्रेड गाधीधाम गुजरात से 27230 किलो ऑयल 13,25,420 रुपए जरिये मलेरकोटला सगसर को एक टैकर रवाना हुआ। 21 फरवरी को सूचना मिली कि जोधपुर के मोगडा खुर्द गांव में एक बंद बाड़े टैंकर को उसका ड्राइवर दीन मोहम्मद पुत्र हसम भाई गांव आडेसर कच्छ भुज गुजरात यहा एक बाड़े में दूसरे टैंकर में माल मारेर के जरिए 5 हजार किलो स्वीफ्ट कर चुका है।

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड के विरोध में नसीराबाद, ब्यावर, केकड़ी रहा बंद

अजमेर, 24 फरवरी (कासं)। अजमेर संभाग के ब्यावर जिले के बिजयनगर में समाज विशेष के कुछ युवको द्वारा स्कूली छात्राओं से दुष्कर्म व ब्लैकमेल मामले को लेकर सर्वसमाज का आक्रशे थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को भी ब्यावर, नसीराबाद, केकड़ी, सरवाड़, भिनाय गुलाबपुरा सहित उपखंड क्षेत्रों में पूरी तरह बंद रहा। सर्व समाज व हिंदू वादी संगठनों के पदाधिकारियों ने अलग-अलग जगह पर कलेक्टर व एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। वहीं नगर पालिका प्रशासन ने आरोपियों के परिजन को तीन दिन में मकान के कागजात प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। ब्यावर, अजमेर जिले के केकड़ी, भिनाय और भीलवाड़ा जिले का गुलाबपुरा में व्यापारिक गतिविधियां पूरी तरह ठप पड़ी हुई हैं। बंद को देखते हुए पुलिस भी अलर्ट मोड पर है।

नसीराबाद संवाददाता के अनुसार- बिजयनगर में छात्राओं से ब्लैकमेल मामले में नसीराबाद में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के बंद आव्हान पर सोमवार को नसीराबाद उपखंड पूरी तरह बंद रहा। बाजारों मे दुकानदारों व व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने पतिष्ठान बंद रख कर समर्थन दिया। हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता और नागरिक शहीद स्मारक पर एकत्रित होकर जुलूस के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने ज्ञापन सौंप कर आरोपियों को फांसी देने की मांग की। हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने बंद के दौरान बिजयनगर ब्लैकमेल कांड की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम देवीलाल यादव को ज्ञापन सौंपा गया। ब्यावर में निकाली आक्रोश रैली- ब्यावर जिले में सोमवार सुबह चांद गेट पर सर्वसमाज के लोग जुटना शुरू हुआ, दोपहर 2 बजे आक्रोश रैली शुरू हुई जो विभिन्न मार्गों से होते हुए अजमेरी गेट तक पहुंची, इसके बाद भगत चौक से होकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर महेंद्र खडगावत को राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। सर्वसमाज के बंद के चलते ब्यावर के मुख्य बाजार, श्रद्धानंद बाजार, पाली बाजार, महावीर बाजार, अग्रसेन बाजार, सब्जी मंडी और अनाज मंडी सहित शहर पूरी तरह बंद रहा। बंद के दौरान शहर के मे पुलिस बल तैनात रहा और आस-पास के क्षेत्रों जवाजा, मसूदा, ब्यावर सदर और साकेत नगर से अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया है।

विजयनगर ब्लैकमेल कांड के आरोपियों को फांसी की सजा की मांग को लेकर नसीराबाद, ब्यावर के बाजार बंद रहे ।

मंदिर के तीन दान पात्रों के ताले तोड़ चोर नकदी ले गये

दौसा। गुप्तेश्वर रोड स्थित श्रीराम मंदिर में चोरों ने रविवार रात बड़ी वारदात को अंजाम दिया।

मंदिर के तीन दान पात्रों के ताले तोड़कर चोर नकदी लेकर फरार हो गए। सोमवार सुबह जब यह घटना सामने आई तो श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश फैल गया। चोरों ने चोरी को अंजाम देने के लिए पहले मंदिर में रह रहे साधु के कमरे की बाहर से कुंदी लगा दी, ताकि वह बाहर न आ सके। इसके बाद दान पात्रों को तोड़कर करीब छह महीने की नकदी चुरा ली।

इससे पहले रविवार दोपहर को भी रामसेवक दास महाराज के कमरे से एक मोबाइल चोरी हो गया था। चोरी की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। लेकिन श्रद्धालुओं का गुस्सा इस बात को लेकर है कि मंदिर के पास ही महिला पुलिस थाना और यातायात पुलिस कार्यालय होने के बावजूद इस तरह की घटना घटी।

इससे साफ है कि चोरों में पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने एसपी से जल्द से जल्द इस चोरी का खुलासा करने और आरोपियों को पकड़ने की मांग की है।

दरा जाम ने ली मासूम की जान

- जाम में फंसने और समय पर इलाज नहीं मिलने से 15 दिन में यह हुई दूसरी मौत

रामगंजमंडी, (निसं)। रामगंजमण्डी विधानसभा क्षेत्र के दरा ट्रैफिक जाम में फंसने से 3 साल के बच्चे की मौत हो गई, बच्चा बीमार था। माता-पिता उसे कोटा में ईलाज के लिये हॉस्पिटल लेकर जा रहे थे। नेशनल हाईवे-52 पर रामगंजमंडी कोटा मार्ग के दरा नाला के सिंगल लेन पर जाम लगा था। करीब 3 घंटे तक जाम में फंसे रहने के कारण बच्चे ने दम तोड़ दिया। चेचट भटवाड़ा (रामगंजमंडी) निवासी पप्पू लाल ने बताया कि बेटे हरिओम (3) को सर्दी, जुकाम और बुखार की शिकायत थी। रविवार रात 9 बजे उसे चेचट सरकारी हॉस्पिटल लेकर गए।

लेकिन बच्चे की गंभीर हालत के कारण सोमवार सुबह 07 बजे कोटा रेफर कर दिया गया। चेचट से सुबह करीब 07.30 बजे ऑल्टो कार से रामगंजमंडी-कोटा मार्ग के दरा नाला पहुंचे। जहां रेलवे अंडरब्रिज पर जाम लगा हुआ था। अमझार पुलिया और सुंदरपुरा चौक के बीच करीब 3 घंटे तक जाम में फंसे रहे। पुलिस से भी मदद की गुहार लगाई। लेकिन कोई मदद नहीं मिली। बच्चे के शरीर में नहीं थी हलचल-बच्चे के पिता ने बताया कि जाम से निकलने के बाद कोटा ले जाने से पहले बच्चे के शरीर में हलचल नहीं होने पर बच्चे को मंडाना हॉस्पिटल में चेकअप के लिए लेकर गए। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। 15 दिन पहले एम्बुलेंस में मरीज की हुई थी मौत:- दरा नाला के सिंगल लेन पर जाम में फंसने के कारण 15 दिन में यह दूसरी मौत है। इससे पहले खैराबाद निवासी अमीन टेलर की मौत हुई थी। हार्ट अटैक के बाद अमीन को कोटा रेफर किया गया था। एम्बुलेंस दो घंटे तक जाम में फंसी रही, इस दौरान मरीज ने दम तोड़ दिया। मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व से गुजरता है रास्ता : नेशनल हाईवे-52 (दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे) मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व, दरा के बीच से होकर गुजरता है। यहां हाईवे पर सिंगल लेन रेलवे अंडरपास बना हुआ है। जिसे दरा नाला कहा जाता है। सिंगल लेन होने के कारण बार-बार ट्रैफिक रोककर दूसरी दिशा के वाहनों को निकाला जाता है।दरा नाला में सिंगल लेन पर रोजाना इतना ट्रैफिक जाम रहता है कि उसको पार करने में 3-4 घंटे का समय लगता है। ज्यादा ट्रैफिक होने पर कई बार 12-12 घंटे तक जाम लगा रहता है। लेकिन जनप्रतिनिधियों ने अभी तक इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया। कुछ दिन पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के निर्देश पर हाईवे पर दिन-रात जाम की समस्या को देखते हुए ट्रैफिक नियमों की पालना कर अस्थायी डिवाईडर लगाए गए। ताकि रोड के किनारे वाहनों का जाम नहीं लगे। वहीं 24 घंटे पुलिस की अस्थायी चौकी भी स्थापित की गई है। लेकिन इसके बावजूद जाम की समस्या बनी हुई है। पुलिस उपअधीक्षक घनश्याम मीणा ने बताया कि फोन के माध्यम से मीडिया द्वारा जानकारी मिली है कि कोई तीन वर्ष के बालक के परिजन बालक को उपचार के लिये ले जाते समय जाम में फंस गये और समय पर नहीं पहुंच पाऐं और बालक की मृत्यु हो गई, अत्यंत दुख का विषय है ऐसे हादसे नहीं होने चाहिए। उन्होंने बताया कि 30 पुलिसकर्मी ऑन ड्यूटी पर है जो 12-12 घंटे ड्यूटी कर रहे हैं इमरजेंसी एम्बुलेंस इनको प्राथमिकता के आधार पर निकालते हैं जान माल की रक्षा के लिए सदैव पुलिस तत्पर है। आवागमन सुव्यवस्थित व सुचारू चलता रहे यही हमारा प्रयास है। लेकिन वर्तमान में जो ट्रैफिक प्रेशर है महाकुंभ की जो भीड़ है करीब 9000 वाहन दरा के मौके से निकल रहे हैं, लेकिन रोड संकरा है, डिवाइड नहीं है, समस्या कई है, कोई इमरजेंसी केसेज को हम तुरंत निकालने का प्रयास करते हैं। जनता से भी विनम्र निवेदन है कि वह अपने लाईन साईड से चले सुव्यवस्थित संयम और धैर्य से काम ले ओवरटेक नहीं करें जल्दबाजी नहीं करें आवागमन सुव्यवस्थित बनाने में पुलिस का सहयोग करें और इमरजेंसी केसेज को प्राथमिकता से निकलने देवें कोई अवरोध या विरोध नहीं करें।

पिकअप की टक्कर से मरीज घायल

पाली, (नि.सं.)। पाली में हॉस्पिटल में भर्ती एक मरीज को हॉस्पिटल परिसर में पिकअप ड्राइवर ने चपेट में ले लिया। हादसे में घायल मरीज को उपचार के लिए बांगड़ हॉस्पिटल के ट्रोमा वार्ड लाया गया।

पाली जिले के गुड़ा एंदला थाना क्षेत्र के खौड गांव निवासी 45 साल का ढलाराम पुत्र रूपाराम टीबी का मरीज है। पिछले कुछ दिनों से ज्यादा तकलीफ होने के कारण सोमवार को वह अपनी बेटी रिंकू के साथ बांगड़ हॉस्पिटल जांच करवाने आया।

हालत गंभीर होने पर उसे टीबी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। दोपहर को चाय पीने के लिए वह टीबी हॉस्पिटल से निकला और चाय पीकर वापस हॉस्पिटल की ओर जा रहा था। इस दौरान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र के निकट वह नीचे गिर गया।

इस दौरान उधर से गुजर रहे पिकअप ड्राइवर ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे में मरीज ढलाराम का हाथ और चेहरे पर चोटे आई। जिसे उपचार के लिए तुरंत ट्रोमा वार्ड लाया गया। जहां उसका उपचार किया गया।

घटना के बाद पिकअप ड्राइवर मौके से फरार हो गया। इसकी जानकारी मिलते ही हॉस्पिटल पुलिस चौकी स्टॉफ ने पीछाकर पिकअप ड्राइवर को पकड़ा और पिकअप गाड़ी जब्त की।

लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की

भीलवाड़ा। अजमेर के बिजयनगर ब्लैकमेल कांड के विरोध में गुलाबपुरा शहर आज बंद रखा गया। मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। सर्व हिंदू समाज ने आक्रोश रैली निकाली। बड़ी संख्या में समाजजन इस रैली में शामिल हुए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। आक्रोश रैली महाराजा पैलेस से आरम्भ हुई जो मुख्य बाजार होते हुए उपखण्ड कार्यालय पहुंची जहाँ एसडीएम को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा । इस विरोध प्रदर्शन को गुलाबपुरा के व्यापारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का पूरा समर्थन मिला, जिसके चलते पूरा गुलाबपुरा बंद रहा। रैली के दौरान बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और आमजन ने भी अपना समर्थन जताया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। हर प्रमुख चौक-चौराहे और संवेदनशील स्थानों पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। व ड्रोन से गतिविधियों पर नजर रखी गई।

आक्रोशित लोगों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए न्याय की मांग की। रैली के दौरान अनुशासन बनाए रखा गया, और प्रशासन स्थिति पर पूरी नजर बनाए हुए था। सर्व हिंदू समाज ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

- गुलाबपुरा कस्बा बंद, लोगों ने निकाली आक्रोश रैली
- विरोध प्रदर्शन को गुलाबपुरा के व्यापारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का पूरा समर्थन मिला

अजमेर के बिजयनगर ब्लैकमेल कांड के विरोध में गुलाबपुरा शहर में लोगों ने रैली निकाल विरोध जताया।

बंकर में मिला युवक का शव

अनूपगढ़ । घडसाना मंडी के गांव तीन जीएम जनतावाली में सेना के बंकर में एक युवक का शव मिला है। मृतक की पहचान प्रवीण कुमार (22) के रूप में हुई है। घटना का पता तब चला जब एक बकरी चराने वाले व्यक्ति की नजर बंकर में पड़े शव पर पड़ी। उसने तुरंत ग्रामीणों को सूचित किया। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी।

एडिशनल एसपी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि आज कुछ ग्रामीणों से सूचना मिली थी की सेना के बंकर में एक शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया-21 फरवरी को घडसाना पुलिस थाने में एक युवक की गुमशुदगी दर्ज करवाई गई थी। बंकर में शव मिलने का बाद जब गुमशुदगी दर्ज करवाने वाले परिवार को मौके बुलाया गया तो उन्होंने शव की पुष्टि गुम हुए प्रवीण के रूप में की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर एफएसएल और एमओबी की टीम बुलाई है, इनकी जांच होने के बाद शव का घडसाना के सरकारी अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। वहीं पुलिस के द्वारा मामले में अनुसंधान किया जा रहा है । मृतक प्रवीण के भाई विकास कुमार पुत्र मोहन लाल निवासी 19 जीडी घडसाना ने मामला दर्ज करवाया है कि उसका भाई प्रवीण घडसाना के गणेश टेंट हाउस पर टेंट लगाने का काम करता था।

भारत और मिश्र के संयुक्त युद्धाभ्यास का समापन

बीकानेर । भारत-मिस्र संयुक्त विशेष बल अभ्यास साइक्लोन-थर्ड का समापन 14 दिनों की गहन जॉइंट ट्रेनिंग के साथ हुआ। जिसमें दोनों देशों ने अपनी युद्ध शक्ति और प्रभुत्व का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास ने दोनों देशों के विशेष बलों को आतंकवाद विरोधी अभियानों, युद्ध चिकित्सा कौशल, विध्वंस कौशल और विशेष हेली बोर्न ऑपरेशन (एसएचबीओ) में संयुक्त वातावरण में प्रशिक्षण लिया। अभ्यास तीन चरणों में आयोजित किया गया था। पहले चरण में सैन्य प्रदर्शन और सामरिक बातचीत शामिल थी, दूसरे चरण में आईईडी/सीआईईडी, फास्ट रोपिंग, युद्ध प्राथमिक चिकित्सा और तीसरे चरण में छापे और बंधक बचाव परिदृश्यों के संचालन पर आधारित संयुक्त सामरिक अभ्यास शामिल था। अभ्यास की पूरी अवधि के दौरान, भारतीय विशेष बलों ने पेशेवर आचरण, सामरिक कौशल और सैन्य अनुशासन के उच्चतम मानकों को प्रदर्शित किया, जिसकी मिस्र की सेना द्वारा सराहना और प्रशंसा की गई। अभ्यास के दौरान दोनों टुकडियों ने लगातार अभ्यास किया। अंतिम 48 घंटे में दोनों देशों ने संयुक्त रूप से लगातार काम किया। इस दौरान दोनों देशों के जवानों ने एक दूसरे को अपने अपने हथियारों के बारे में जानकारी दी।

दो हजार लीटर बायो डीजल जब्त

जोधपुर, (कास)। बढ़ते पेट्रोल डीजल के दामों को लेकर अब कालाबाजारी भी दिखने लगी है। लोग अवैध रूप से भंडारण कर उसे बेच रहे है। पेट्रोल डीजल में मिलावट भी की जाती है। इस कडी में पुलिस ने एक स्थान पर रेड दी और वहां से दो हजार से ज्यादा बायो डीजल को जब्त किया है। आरोपी के खिलाफ ईसी एक्ट में प्रकरण दर्ज किया गया है ।

पहली बार हुई 3 डी थॉराकोस्कोपिक सर्जरी

जोधपुर, (कास) । महात्मा गांधी अस्पताल के गेस्ट्रो सर्जरी विभाग ने पहली बार आहार नली के कैन्सर का ऑपरेशन हाइब्रिड तकनीक से करने में सफलता प्राप्त की है।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. फतेह सिंह भाटी ने बताया कि एमजीएच हॉस्पिटल में आहार नली, पेट, लिवर और पेनक्रियाज के कैन्सर के ऑपरेशन नियमित रूप से हो रहे है, इसी कडी में अस्पताल के गेस्ट्रोसर्जरी विभाग ने नवाचार करते हुए इस बार आहार नली के कैंसर का ऑपरेशन हाइब्रिड तकनीक से किया है। गेस्ट्रोसर्जरी के विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश चौधरी ने बताया कि नागौर के डेगाना निवासी श्रीपाल मंडा को खाना निगलने में परेशानी हो रही थी। मरीज़ ने जांच करवाई तो उसकी आहार नली में कैन्सर का निदान हुआ। पहले उसको रेडिएशन ओंकोलॉजी विभाग में रेडियोथेरेपी तथा कीमोथेरेपी दी गई उसके बाद महात्मा गांधी हॉस्पिटल में ऑपरेशन के लिए रेफर किया गया।आहार नली के कैन्सर के लिए एन-ब्लॉक एसोफ़ेजेक्टमी विथ टू फील्ड लिंफडीनेक्टोमी नामक ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन में अहरनाली को निकालने के लिए सामान्यतया तीन जगह गर्दन, छाती पर और पेट में चीरा लगाया जाता है।

आईफा 2025 : राजस्थान पर्यटन विभाग ने लांच की पोज लाइक ए स्टार सोशल मीडिया प्रतियोगिता

जोधपुर, (कास) । ऐतिहासिक धरोहरों और समृद्ध संस्कृति के लिए मशहूर राजस्थान अब भारतीय सिनेमा के उत्सव में नई चमक जोड़ने जा रहा है। आईफा-2025 के तहत राजस्थान पर्यटन विभाग ने रोमांचक सोशल मीडिया प्रतियोगिता पोज लाइक ए स्टार लॉन्च की है, जिसमें भाग लेकर सिनेमा प्रेमियों को आईफा 2025 का टिकट जीतने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

इस अनूठी प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को राजस्थान के किसी प्रसिद्ध किले, महल, गलियों या सांस्कृतिक स्थलों पर बॉलीवुड के किसी प्रसिद्ध दृश्य या पोज़ को रीक्रिएट करना होगा। इस तस्वीर या वीडियो को अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर पोस्ट करना आवश्यक होगा। साथ ही, कैप्शन में रीक्रिएटिंग इंडियन सिनेमा मैजिक इन राजस्थान लिखना होगा। इस प्रतियोगिता में पांच विजेताओं को आईफा 2025 का टिकट जीतने का अवसर मिलेगा। विजेताओं का चयन उनके पोज़ की उत्कृष्टता, ऐतिहासिक स्थलों के रचनात्मक उपयोग और सोशल मीडिया पर लाइक्स, कमेंट्स एवं शेयर की संख्या के आधार पर किया जाएगा।

- प्रतियोगिता में हिस्सा लेने से सिनेमा प्रेमियों को आईफा 2025 का टिकट जीतने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

राजस्थान, अपनी ऐतिहासिक विरासत और स्वर्णिम रेतीली भूमि के कारण न केवल पर्यटन के लिए बल्कि फिल्म शूटिंग के लिए भी एक आदर्श स्थल है। यहां के भव्य महल, किले और सांस्कृतिक स्थल कई प्रसिद्ध फिल्मों और वेब सीरीज का हिस्सा बन चुके हैं। यह प्रतियोगिता 'पोज लाइक ए स्टार' प्रतियोगिता राजस्थान को वैश्विक स्तर पर नई पहचान देने के साथ-साथ भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों को जश्न मनाने का अनूठा अवसर प्रदान करेगी।

कार्यालय नगरपालिका खुडाला फालना स्टेशन जिला-पाली

टेलि न./फैक्स न. – (02938) 236170/236883, ई-मेल – eombfalna@gmail.com

Notice Inviting Bid

Bids for Development Work Of Subject matter(s) of Procurement are invited from interested bidders From 11.00 AM Date 20.02.2025 to 5.00 PM Date 02.03.2025 Other particulars of the bid may be Visited on the procurement portal (http://Sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and Muncipal Board Khudala-Falna Office,

UBN :- DLB2425WSOB17820, 821

Raj.Samwad/C/24/12147 Executive Officer

कार्यालय नगर परिषद, केकड़ी जिला-अजमेर

Email ID – npkekri2011@gmail.com (O) : 01467-220002, 220019 web site : www.urban.rajasthan.gov.in/ulbkekri

क्रमांक : न.प.के./विकास/2024-25/4363 दिनांक : 19.02.2025

-: ई निविदा सूचना (18/2024-25) (NIB NUMBER - DLB2425A5759) :-

एतद्द्वारा यह है कि राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में अधोलिखित 22 कार्यों के लिए ई प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है। निविदा के कुल कार्य – 22 (बाईस)

UBN NO. – 1.

1. DLB2425WSOB17762, 2. DLB2425WSOB17763, 3. DLB2425WSOB17765, 4. DLB2425WSOB17766, 5. DLB2425WSOB17768, 6. DLB2425WSOB17769, 7. DLB2425WSOB17770, 8. DLB2425WSOB17763, 9. DLB2425WSOB17774, 10. DLB2425WSOB17775, 11. DLB2425WSOB17776, 12. DLB2425WSOB17776, 13. DLB2425WSOB17778, 14. DLB2425WSOB17779, 15. DLB2425WSOB17780, 16. DLB2425WSOB17781,17 DLB2425WSOB17782, 18. DLB2425WSOB1783, 19. DLB2425WSOB1784, 20. DLB2425WSOB1784, 21. DLB2425WSOB1785, 22. DLB2425WSOB1786

सभापति नगर परिषद केकड़ी | आयुक्त नगर परिषद केकड़ी

राज.संवाद/सी/24/12202

कार्यालय नगरपरिषद, सांचौर जिला-जालौर (राज.)

(टेलिफोन नम्बर-02979-283280 व ई-मेल आई.डी. eosanchore.lsg@rajasthan.gov.in & eosanchore2010@gmail.com)

क्रमांक/न.प.सां./विकास/ई-निविदा/2025/7308 दिनांक :- 21.02.2025

-:: निविदा सूचना संख्या / 2024-25 ::-

नगर परिषद सांचौर निविदा क्रमांक 7297 दिनांक 20.02.2025 के द्वारा विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निविदा आमंत्रित की जाती है। है। निविदा से संबंधित विवरण जरीये यूबीएन नं. से वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

निविदा में कुल कार्य	6 कार्य
निविदा प्रपत्र भरने की अंतिम तिथि	दिनांक 06.03.2025 दोपहर 4.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करवाने की तिथि	दिनांक 06.03.2025 सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 07.03.2025 दोपहर 11.00 बजे से
UBN NO.	
DLB2425WSRC17795	
DLB2425WSRC17796	
DLB2425WSRC17797	
DLB2425WSRC17798	
DLB2425WSRC17799	
DLB2425WSRC17800	

अधिशाषी अधिकारी नगर परिषद सांचौर

राज.संवाद/सी/24/12195

खेती और पशुपालन ही राष्ट्र के विकास का आधार : राज्यपाल बागडे

बीकानेर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जनसंख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन कृषि योग्य भूमि सीमित है। इसे ध्यान रखते हुए इनका समुचित उपयोग किया जाना जरूरी है। राज्यपाल बागडे सोमवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल ने कहा कि देश की आजादी के समय हमारे देश की जनसंख्या और उत्पादन कम था। आज जनसंख्या बढ़ी है और उत्पादन बढ़ा है, लेकिन अब जमीन और पानी सीमित है। इसके मद्देनजर अब इनके समुचित उपयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे प्रदेश में पानी की बहुत कमी है। ऐसे में पानी को रोकना बहुत जरूरी है। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। राज्यपाल ने कहा कि कृषि और पशुपालन हमारी आजीविका का आधार रहा है। खेती और पशुपालन का विकास ही राष्ट्र के विकास की धुरी है। राज्यपाल ने कहा कि 'हर खेत को पानी, हर हाथ को काम' की अवधारणा को साकार करना आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

राज्यपाल ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने वाले कृषि विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि कृषि विश्वविद्यालय कृषि की नई तकनीकें इजाद करें और किसानों तक इन्हें पहुंचाएं। उन्होंने स्वामी केशवानंद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे नवाचारों की सराहना की। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा 40 उन्नत किस्मों, 15 से अधिक नवीनतम कृषि तकनीकों का विकास किया गया है।

दीक्षांत अतिथि डॉ मंगला राय ने कहा कि चने की नई किस्मों पर शोध, बीज उपलब्धता सहित विभिन्न शोध कार्यों के लिए स्वामी केशवानंद विश्विद्यालय के वैज्ञानिक बधाई का पात्र है। कृषि विश्वविद्यालयों को नये शोध और अनुसंधान कार्य करने का आव्हान करते हुए श्री मंगला राय ने कहा कि वैश्विक जनसंख्या की बढ़ती आहार आवश्यकता, घटती खेती योग्य जमीन, उर्वरा शक्ति का क्षरण, पानी की कमी, कृषि लागतों में बढ़ोतरी जैसे विषय भविष्य की गंभीर चुनौतियां होंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कुलपति डॉ. एन. एस. राठौड़ ने विद्यार्थियों से अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए सदैव तत्पर रहने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं तथा जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों को देखते हुए उच्च कृषि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने तथा शिक्षण, अनुसंधान के लिए कृषि विश्वविद्यालयों में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। दीक्षांत समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय और आईएबीएम के कुल 1480 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। जिसमें कृषि संकाय के अंतर्गत स्नातक (यूजी) के 1346, स्नातकोत्तर (पीजी) के 114 और विद्या वाचस्पति (पीएचडी) के 20 विद्यार्थी शामिल हैं। उन्होंने 13 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 02 विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया । राज्यपाल ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक एवं कृषि अनुसंधान डॉ. मंगला राय को कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्यपाल द्वारा डॉक्टर ऑफ साइंस (कृषि) की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 9 प्रकाशनों का विमोचन किया गया। इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पट्टिका का अनावरण कर स्व. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय, मंडावा (झुंझुनू) के महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में प्रारम्भ किए गए 'आपणो कृषि बाजार' का लोकार्पण भी किया गया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

- स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

किसानों के कल्याण में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसानों-पशुपालकों के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। अन्नदाता की सेवा, उन्नित और खुशहाली को एकमात्र

- **'अन्नदाता की उन्नति और खुशहाली राज्य सरकार का एकमात्र ध्येय'**
- **'किसानों के सशक्तीकरण के लिए बजट में की अहम घोषणाएं'**

ध्येय मानकर राज्य सरकार ने नीतिगत निर्णय किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के किसान कल्याण और उत्थान के संकल्प को पूरा करने में हम कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। शर्मा ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत लाभान्वित किसानों को बधाई देते हुए कहा कि योजना के तहत आज प्रदेश के 72 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1 हजार 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि 19वीं किस्त के रूप में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि आज का यह समारोह प्रधानमंत्री के किसानों को खुशहाल बनाने के संकल्प और समर्पण की एक मिसाल है। देश को प्रधानमंत्री की गारंटी पर पूरा भरोसा है।

शर्मा आज जयपुर के राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मान समारोह से वीसी के माध्यम से राष्ट्र स्तरीय कार्यक्रम से जुड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने इस बजट में अन्नदाता को संबल देने के लिए किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाकर 9 हजार रुपये करने की घोषणा की है। अब तक मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 70 लाख से अधिक किसानों को 1 हजार 355 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लगभग 46 लाख से अधिक किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये से अधिक के अल्पकालिक फसली ऋण उपलब्ध कराए हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत हमारी सरकार द्वारा योजना के तहत लगभग 3100 करोड़ रुपये के बीमा क्लेम वितरित किए जा चुके हैं।

शर्मा ने कहा कि बजट में किसानों के लिए अनेक प्रावधान किए गए हैं, ताकि किसानों की समृद्धि की राह खुल सके। बजट में करीब 34 हजार सौर संयंत्रों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता, ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई के लिए अनुदान के प्रावधान, आगामी वित्त वर्ष में 25 हजार फार्म पौंड, 10 हजार डिग्गियों, 50 हजार सौर पंप संयंत्रों तथा 20 हजार किलोमीटर सिंचाई पाइप लाइन के लिए 900 करोड़ रुपये का अनुदान के प्रावधान किए गए है। इन योजनाओं से प्रदेश के 4 लाख किसान लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान श्रीअन्न बाजरे के उत्पादन में देशभर में पहले स्थान पर है। प्रधानमंत्री के प्रयासों से इसके उत्पादन में किसानों को बहुत फायदा मिल रहा है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में मिड-डे-मील कार्यक्रम तथा मां-बाड़ी केंद्रों में पायलट आधार पर श्रीअन्न आधारित उत्पाद तथा हर जिले में मिलेट्स उत्पाद आउटलेट खोले जाएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए अगले वित्त वर्ष में ग्लोबल राजस्थान एग्री टेक मीट का आयोजन, ढाई लाख गोपालक परिवारों को ब्याज मुक्त ऋण, आगामी 2 वर्षों में शेष रहे ढाई हजार से अधिक ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर जीएसएस के साथ ही 8 नए जिलों में केवीएसएस की स्थापना भी की जाएगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों को चैक वितरित किए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उन्होंने कृषि संबंधी विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल एवं प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक, सांसद मंजू शर्मा, सचिव सहकारिता मंजू राजपाल, सचिव कृषि राजन विशाल सहित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में सोमवार को कृषि संबंधी विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टॉल एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

'प्रधानमंत्री देश के अन्नदाता को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कर रहे है कार्य'

जयपुर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार निरंतर देश-प्रदेश के किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि लगातार छठवें वर्ष जारी करते हुए पीएम मोदी ने अन्नदाता को आर्थिक संबल प्रदान करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। पीएम मोदी ने सोमवार को पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त के रूप में 2 हजार रूपए प्रत्येक किसान के खाते में डाले है। डीबीटी के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने देश के किसानों के खाते में 3.5 लाख करोड़ रूपए भेजते हुए देशभर के किसान-भाई बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं दी।

राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन किसानों की आय बढ़ाना है, इसके लिए वे निरंतर प्रयासरत है। मोदी ने डीबीटी से सीधी सहायता किसानों के खातों में पहुंचाने के साथ एमएसपी पर फसल खरीद, बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के साथ कृषि बजट तैयार कर देश के अन्नदाताओं को सशक्त बनाने और उनकी समृद्धि के लिए काम किया है। राठौड़ ने कहा कि मोदी जी ने अन्नदाताओं के लिए स्मार्ट बीज, स्मार्ट फसलें योजना के तहत अधिक उपज देने वाले बीज किस्मों की संख्या 1390 से बढ़ाकर 2900 करने के साथ जलवायु प्रतिरोधी बीज किस्मों में 228 प्रतिशत की वृद्धि करने का काम किया है।

मिलिट्री अस्पताल में मेगा मोतियाबिंद सर्जरी शिविर का उद्घाटन

मिलीट्री अस्पताल जयपुर में आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदरसिंह और सप्तशक्ति कमान की क्षेत्रीय आवा अध्यक्षा वरिंदरजीत कौर के द्वारा मेगा मोतियाबिंद सर्जरी शिविर का उद्घाटन किया गया।

जयपुर। मिलीट्री अस्पताल जयपुर में आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनजिंदरसिंह और सप्तशक्ति कमान की क्षेत्रीय आवा अध्यक्षा वरिंदरजीत कौर के द्वारा मेगा मोतियाबिंद सर्जरी शिविर का उद्घाटन किया गया। इस पहल का उद्देश्य उन लोगों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र देखभाल प्रदान करना है जिन्होंने अपना जीवन राष्ट्र सेवा के लिये समर्पित कर दिया है।

शिविर के दौरान आर्मी मेडिकल कोर के एक उच्च नेत्र सर्जन और आरएंडआर अस्पताल दिल्ली के नेत्र विभाग के प्रमुख ब्रिगेडियर संजय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में विशेषज्ञ नेत्र सर्जनों की टीम 24-28 फरवरी तक लाभार्थियों को मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी, आंखों की जांच और उपचार करेगी। इस टीम में लेफ्टिनेंट कर्नल ईशान अग्रवाल, लेफ्टिनेंट कर्नल रवि चौहान और मेजर अमृता जोशी शामिल हैं। चार दिनों की अवधि में टीम 300 से अधिक मोतियाबिंद सर्जरी तथा दिग्गजों एवं उनके परिवारों के लिये पूरी तरह से आंखों की जांच करेगी और समग्र नेत्र देखभाल के लिये चश्मे और आवश्यक दवाएं वितरित करेगी।

आर्मी कमांडर ने अपने संबोधन में कहा कि शिविर को सावधानी पूर्वक योजनाबद्ध किया गया है। इसमें प्राथमिक रूप से नेत्र देखभाल और स्वस्थ्य दृष्टि को बढ़ावा देने के लिये विशष सर्जिकल पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

कोई यह चाहे कि सदन को हाईजैक कर ले, यह बर्दाश्त नहीं होगा : देवनानी

जयपुर (वि.सं.)। विधानसभा में चल रहे गतिरोध को समाप्त करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हर संभव प्रयास किया लेकिन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की हठ धर्मिता के कारण यह प्रतिरोध समाप्त नहीं हो सका। इस पर देवनानी ने सदन में अपना बयान जारी करते हुए कहा कि सदन में गतिरोध तोड़ने के लिए हमने बहुत प्रयास किए, क्योंकि यह सदन प्रदेश के आठ करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा, "हमने विधानसभा सत्र की शुरुआत में सर्वदलीय बैठक आयोजित की थी, जिसमें सभी मुद्दों पर चर्चा होती है और सदन कैसे सुचारू रूप से चले, इस पर

- **'पिछले दिनों मंत्री की एक टिप्पणी को लेकर विपक्ष के कुछ सदस्य डायस पर चढ़ गए थे। डायस पर चढ़ना ही सदस्य का स्वतः निलंबन होता है। मजबूरी में हमने छह विधायकों का निलंबन किया'**

विमर्श होता है।"

प्रश्नकाल में खड़े होकर बोलना गलत परंपरा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि कुछ लोग प्रश्नकाल की व्यवस्था का पालन नहीं करते और बार-बार खड़े होकर प्रश्नकाल को बाधित करते हैं। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान जब मुख्यमंत्री का संबोधन था, तब भी फोन टैपिंग को लेकर गतिरोध उत्पन्न किया गया। अवरोध के बीच ही मुख्यमंत्री का संबोधन हुआ। पिछले दिनों मंत्री की एक टिप्पणी को लेकर विपक्ष के कुछ सदस्य डायस पर चढ़ गए थे। डायस पर चढ़ना ही सदस्य का स्वत: निलंबन होता है। मजबूरी में हमने छह विधायकों का निलंबन किया। इसके बाद भी गतिरोध समाप्त करने के लिए चर्चा कर हरसंभव प्रयास किए गए।

अध्यक्ष देवनानी ने कहा, "आज भी विपक्ष के प्रमुख लोगों ने आश्वस्त किया था कि सदन चलाने में सहयोग करेंगे। हमने निलंबन के बावजूद सदन में आने की अनुमति दी, लेकिन जो तय हुआ था उसका उल्टा हुआ। आज भी जब दोबारा डायस पर चढ़ने का प्रयास किया गया, तब जाकर हमें मार्शल बुलाने पड़े। मार्शल और सत्ता पक्ष ने भी संयम से काम लिया। हमने आज भी वार्ता के लिए बुलाया, लेकिन वे हठधर्मिता पर अड़े हैं। यह बर्दाश्त नहीं होगा। कोई यह चाहे कि सदन को हाईजैक कर ले, यह बर्दाश्त नहीं होगा। डायस पर चढ़ना अनुशासनहीनता है, जिसकी जितनी निंदा की जाए कम होगा।"

अयोध्या में प्रभु श्रीराम के डॉ. पूनिया ने दर्शन किये

अयोध्या। हम करोड़ों सनातनियों के आदर्श, सबके आराध्य प्रभु श्रीराम के अयोध्या में भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने धर्मपत्नी मोहिनी पूनिया के साथ दर्शन कर देशवासियों की खुशहाली की कामना की।

सतीश पूनिया ने कहा कि, सदियों के लम्बे इंतजार के बाद अयोध्या में भव्य, दिव्य और अलौकिक मंदिर में प्रभु श्रीराम को उनके स्थान पर विराजमान देख हृदय अत्यंत भावविभोर है, भगवान श्रीराम के दिव्य दर्शन मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण हैं, यह देश दुनिया में बसे हिंदुओं के लिए गर्व के क्षण हैं। प्रभु श्रीराम से राष्ट्र की निरंतर प्रगति की कामना करता हूं। सतीश पूनिया ने प्रभु श्रीराम के चरणों में वंदन कर कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कर पुरानी स्मृतियां जीवंत हुईं, 500 वर्षों का संघर्ष और लाखों लोगों का बलिदान हुआ, लेकिन बलिदान के बाद देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर की जो प्राण प्रतिष्ठा हुई वह अदभुद है।

गहलोत पहले अपने कार्यकाल में हुई कम खरीद की करे चिंता : दक

जयपुर। प्रदेश के सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन मंत्री गौतम कुमार दक ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर जवाब दिया है। दक ने कहा कि गहलोत ने किसानों के प्रति राज्य सरकार की उदासीनता और मूंगफली किसानों को नुकसान के बारे में जो बयान दिया है वह पूरी तरह झूठा और निराधार है। उन्होंने कहा कि गहलोत को पहले अपनी सरकार के कार्यकाल में हुई कम खरीद की चिन्ता करनी चाहिए। सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024-25 में प्रदेश में अब तक लगभग 3.72 लाख मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद समर्थन मूल्य पर की जा चुकी है। जो की सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि हैं और यह गत पांच वर्षों में सर्वाधिक मूंगफली की खरीद है। उन्होंने बताया कि मूंगफली खरीद के लिए 1.33 लाख से अधिक किसानों से पंजीकरण करवाया था, जिनमें से अब तक 1 लाख से अधिक किसानों से खरीद की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि अब तक लगभग 2527 करोड़ रुपये की मूंगफली खरीद की गई है और लगभग 1535 करोड़ रुपये का किसानों को भुगतान भी किया जा चुका है।

दक ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में खरीद के आंकड़े गिनाते हुए कहा कि

- **'गहलोत सरकार के चार वर्षों से दोगुनी से अधिक मूंगफली की एक वर्ष में की खरीद'**

वर्ष 2020-21 में 31,720 किसानों से 389.43 करोड़ राशि की महज 73 हजार मीट्रिक टन मूंगफली खरीदी गई थी। जबकि, वर्ष 2021-22 में 23,562 किसानों से 295 करोड़ राशि की महज 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली खरीदी गई।

इसी प्रकार, वर्ष 2022-23 में केवल 571 किसानों से 5.92 करोड़ रुपये की 1012 मीट्रिक टन मूंगफली खरीद की गई थी। वहीं, वर्ष 2023-24 में भी 19,272 किसानों से 296.23 करोड़ रुपये की महज 46 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद हुई थी।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार के कार्यकाल में चार वर्षों में जितनी मूंगफली की खरीद की गई उससे दोगुनी से ज्यादा मूंगफली की खरीद वर्तमान सरकार के कार्यकाल में एक वर्ष में ही कर ली गई है।

'निलंबित विधायकों को बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए'

जयपुर। विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस विधायकों का असभ्य आचरण बेहद शर्मनाक है। विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष आक्रामक इशारे दिखाने और जानबूझकर सदन में गतिरोध पैदा करने पर निलंबित विधायकों को बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस महज तिल का ताड़ बनाकर बजट सत्र पर बहस से भागने का प्रयास कर रही है। सरकार के मंत्री वार्ता के जरिये गतिरोध खत्म करवाने के लिए प्रयासरत है परन्तु कांग्रेस हठधर्मी रवैया छोड़ने को राजी नहीं है। राठौड़ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस के कुछ नेता यह नहीं चाहते हैं कि सदन में नेता प्रतिपक्ष का भाषण हो इसलिए ही राज्यपाल अभिभाषण के दौरान भी जानबूझकर गतिरोध पैदा करके उनका भाषण नहीं होने दिया गया था। राठौड़ ने कहा कि आज कांग्रेस का विधानसभा घेराव का प्रदर्शन भी पूरी तरह से फ्लॉप है जिससे यह साफ है कि कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा ही नहीं है।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की कार्रवाई : मानसरोवर थाना इलाके में पकड़ा सट्टेबाजी का कारोबार

महादेव बैटिंग एप पर खेला रहे थे 70 से अधिक ऑनलाइन गेम्स पर सट्टा

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मानसरोवर थाना इलाके के नारायण विहार क्षेत्र स्थित एक मकान में दबिश देकर सट्टेबाजी का बड़े कारोबार का भंडाफोड़ किया है। मौके से पुलिस ने दो आरोपियों रोबिन कुमार (32) निवासी गोठडा जिला झून्झनू हाल नारायण सागर एबीसी एवं रवि गौदारा (31) निवासी सुरजगढ जिला झून्झनु को गिरफ्तार किया है जो महादेव बैटिंग एप पर 70 से अधिक ऑनलाइन गेम्स पर सट्टा खिला रहे थे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एजीटीएफ) दिनेश एमएन बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से पुलिस ने लाखों रुपये की भारतीय एवं विदेशी मुद्रा 10 मोबाइल, तीन पासपोर्ट, यूनाइटेड अरब अमीरात के रेजिडेंट कार्ड एवं मकान के बाहर खड़ी चार लग्जरी गाड़ियां रेंजरोवर, डिफेंडर, वॉल्वो एवं स्कार्पियो जब्त की है। आरोपी महादेव बैटिंग ऐप पर 70 से अधिक ऑनलाइन गेम्स पर सट्टेबाजी कर रहे थे। आरोपी बैंक खाता किराए पर लेकर अज्ञात लोगों के नाम से ली गई मोबाइल सिम का उपयोग कर ऑनलाइन गेम्स का प्रलोभन देकर करोड़ों रुपए का ट्रांजैक्शन कर रहे थे।

एजीटीएफ को सूचना मिली कि मानसरोवर थाना इलाके के नारायण विहार क्षेत्र में मकान नंबर बी 58 नारायण सागर एबीसी में कुछ युवक बड़े पैमाने पर ऑनलाइन सट्टेबाजी करवा रहे हैं। इस पर एसएचओ मानसरोवर को सूचना देकर पीएचक्यू से एएसआई शंकर दयाल शर्मा, हैड कांस्टेबल सुरेश कुमार, नरेन्द्र सिंह, कमल सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार, रतिराम, चालक सुरेश कुमार को मौके पर रवाना किया गया।

दोनों टीमों द्वारा उक्त मकान पर छापा मारा गया। मकान के अन्दर बने हॉल में सोफे पर दो युवक रोबिन कुमार जाट निवासी झुन्झनू हाल प्लाट नम्बर बी-58, नारायण सागर एबीसी एवं रवि गौदारा निवासी सुरजगढ जिला झुंझुनू मोबाइल चलाते हुए मिले। दोनों आरोपी महादेव बैटिंग एप पर ऑनलाइन गेम्स पर सट्टेबाजी का धंधा कर रहे थे। जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जिनके पास कुल 10 मोबाइल, 3 पासपोर्ट, यूनाइटेड अरब अमीरात के 2 रेजिडेंट कार्ड, 3 एटीएम कार्ड, 1,50,350 भारतीय रुपये, 10 नोट 100 यूएस डॉलर के, इण्डोनेशियाई मुद्रा के 1 लाख के 8 नोट, 5000 के 7 नोट, 2000 का 1 नोट, यूनाइटेड अरब अमीरात मुद्रा के 1000 के 4 नोट, 100 का एक नोट, 5 के 20 नोट, 50 के 6 नोट, 10 के 26 नोट एवं 20 के 4 नोट मिले।

आरोपियों ने बताया कि उन्होंने ऑनलाईन साईट एमडी पैनल (महादेव) से ऑल नाम की पेनल आईडी ले रखी है। इस पैनल की मास्टर आईडी पार्टनर मुकेश मीणा निवासी हरमाडा जयपुर एवं महेश पुनिया निवासी गांव बीपर फतेहपुर जिला सीकर के पास है। युआरएल.सर्च करने पर ऑल नाम की पेनल आईडी खुलती है जिसमें वे अपने स्वयं की कस्टमर आईडी तथा पासवर्ड लगाकर चालू करते हैं।

उनके साथी महेश पुनिया इस पैनल पर कस्टमर आईडी बनाकर ग्राहकों को देता है। महेश ही इन आईडी पर किराये पर लिए बैंक खाता लगाता है। एमडी पैनल पर उनके खाते का क्यू आर कोड लगाते है, जिस पर खेलने वाला व्यक्ति रकम लगाते है, उक्त रकम किराये के खातें में आ जाती है। जिसे ये अपने इन्टरनल खातों में ट्रांसफर कर हार-जीत होने के बाद एमडी पैनल पर विड्रॉल करते है। यह सब काम ऑनलाईन और प्रतिदिन होता है, जिसका हिसाब ऑनलाइन ही रहता है। इस सम्पूर्ण काम का रिकार्ड महेश पुनिया के पास है। ऑनलाईन 20-20 तीन पत्ती आईसी, बॉलीवुड कसीनो, मिनी सुपर ओवर, गॉल, लकी 15, गोल्डन रौलेट, 32 कार्ड्स, वन कार्ड वन डे सहित कुल 70 प्रकार के ऑनलाइन गेम खिलवाते है।

एजीटीएफ के उप निरीक्षक सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में की गई इस संपूर्ण कार्रवाई में एएसआई शंकर दयाल शर्मा व हैड कांस्टेबल कमल सिंह की विशेष भूमिका तथा हेड कांस्टेबल सुरेश कुमार, नरेन्द्र सिंह, कांस्टेबल नरेश कुमार, रतिराम व चालक सुरेश कुमार का सराहनीय योगदान रहा। कार्रवाई में मानसरोवर थाने से उप निरीक्षक अशोक कुमार, हैड कांस्टेबल अशोक कुमार, कांस्टेबल नवीन कुमार, भरत लाल, विष्णु शामिल थे।

एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय ने मानसरोवर थाना इलाके के नारायण विहार क्षेत्र स्थित एक मकान में दबिश देकर सट्टेबाजी का बड़े कारोबार का भंडाफोड़ कर दो आरोपी गिरफ्तार किये है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस अफसरों को डी.जी.पी. ने सम्मानित किया

जयपुर। राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) में सोमवार को राजस्थान पुलिस अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को केंद्रीय गृह मंत्री पदक,डीजीपी डिस्क, अति उत्कृष्ट सेवा पदक व उत्कर्ष सेवा पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

परेड में चतुर्थ एवं पांचवी बटालियन आरएसी, जयपुर आयुक्तालय की महिला पुलिसकर्मी, आयुक्तालय जयपुर के पुरुष पुलिस कर्मी व यातायतकर्मी, हाड़ी रानी महिला बटालियन, अजमेर, ईआरटी पांचवी बटालियन आरएसी, जयपुर एवं राजस्थान पुलिस अकादमी से एक-एक कुल आठ प्लाटून सम्मिलित हुई।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी आने वाले समय में और अधिक जोश में ऊर्जा के साथ अपने कार्य क्षेत्र में प्रदत्त कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा के साथ पालन करें।

केंद्रीय गृह मंत्री पद से सम्मानित होने वालों में उप महानिरीक्षक पुलिस गौरव यादव, पुलिस उपायुक्त अमित कुमार,सहायक पुलिस उपायुक्त गुमानाराम, पूर्व पुलिस निरीक्षक अमित सिहाग (मरणोपरांत) ,पुलिस निरीक्षक सज्जन कँवर एवं पूनम चौधरी,सहायक पुलिस निरीक्षक मदनलाल मीणा, हेड कांस्टेबल पूसाराम शामिल है। कार्यक्रम में मरणोपरान्त गृह मंत्री पदक से सम्मानित अमित सिहाग की पत्नी संतोष चौधरी ने सम्मान प्राप्त किया।

डीजीपी डिस्क से सम्मानित होने वालों में महानिदेशक (एसीबी) डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा,महानिदेशक (इंटेलिजेंस) संजय अग्रवाल, महानिदेशक (जेल) गोविंद गुप्ता, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (सिविल राइट्स एंड एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) मालिनी अग्रवाल, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कानून एवं व्यवस्था) विशाल बंसल, अतिरिक्त महानिदेशक (एटीएस एवं एसओजी) विजय कुमार सिंह, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विपिन कुमार पांडे, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (जेल) रुपिंदर सिंघ,अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (आरपीए) लता मनोज कुमार, महानिरीक्षक प्रफुल्ल कुमार, राजेश मीणा,गौरव श्रीवास्तव, एस.प्रमिला,ओमप्रकाश, जयनारायण शेर एवं कैलाश चंद्र जाट (सेवानिवृत्त),उप महा निरीक्षक हरेंद्र कुमार महावर, राहुल कोटोकी, डॉक्टर राहुल जैन, राजेंद्र प्रसाद, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप,उप महानिरीक्षक प्रदीप मोहन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त डॉ रामेश्वर सिंह, पुलिस अधीक्षक गौरव यादव, अरशद अली, चूनाराम जाट एवं सुधीर चौधरी शामिल हैं।

महानिदेशक, एसीबी डॉ रवि प्रकाश मेहरडा, महानिदेशक एससीआरबी हेमंत प्रियदर्शी, महा निरीक्षक पुलिस रवि दत्त गौड़, पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह, महानिरीक्षक पुलिस जय नारायण, महानिरीक्षक पुलिस सत्येंद्र सिंह, महानिरीक्षक पुलिस (सेवानिवृत्त) सवाई सिंह गोदारा , उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश, उप महानिरीक्षक (सेवानिवृत्त) समीर कुमार सिंह , उपमहानिरीक्षक जगदीश चंद्र शर्मा, उप महानिरीक्षक पुलिस राजेंद्र प्रसाद गोयल शामिल है।

सम्मानित होने वाले अधिकारियों में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अनिल पालीवाल,पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसेफ, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस बिनीता ठाकुर, संजीव कुमार, विशाल बंसल,विजय कुमार सिंह शामिल है।

- **केंद्रीय गृहमंत्री पदक से सम्मानित हुए 8 पुलिस अधिकारी**

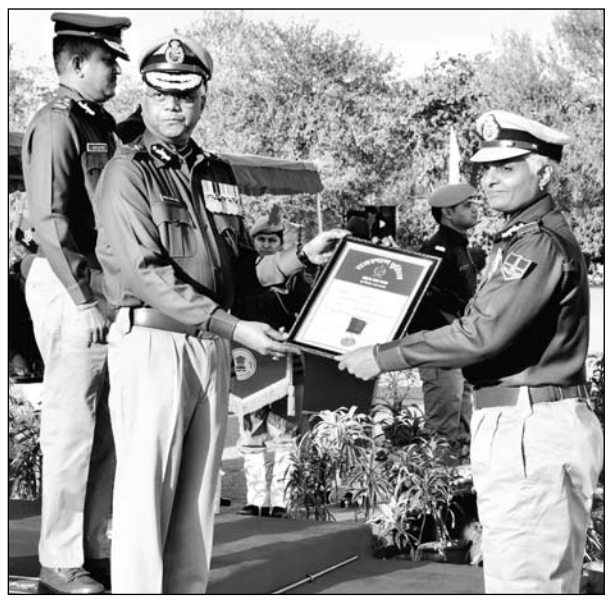

पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को केंद्रीय गृह मंत्री पदक,डीजीपी डिस्क, अति उत्कृष्ट सेवा पदक व उत्कर्ष सेवा पदक प्रदान कर सम्मानित किया।

राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा के लिए नियंत्रण कक्ष की स्थापना

जयपुर। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा दिनांक राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट-2024) का आयोजन 27 फरवरी एवं 28 फरवरी को तीन पारी में जयपुर शहर के 233 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी जिसमें कुल 2 लाख 70 हजार 18 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। जिला परीक्षा संचालन समिति के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) गोपाल सिंह शेखावत ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिये कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। नियंत्रण कक्ष का संचालन 25 फरवरी प्रात: 6 बजे से 28 फरवरी को परीक्षा समाप्ति पश्चात परीक्षा सामग्री जिले से रीट कार्यालय अजमेर के लिए रवाना होने तक निरंतर कार्य करेगा। उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम श्री राजेश जाखड़ (मोबाइल नंबर-9414674073) को नियंत्रण कक्ष प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने बताया कि जयपुर स्थित परीक्षा केन्द्रों के लिए नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर 0141-2209910 एवं 0141-2209908 रहेगा।

चार साथियों सहित हार्डकौर अपराधी पकड़ा

कार डेंटल के संचालक के मारा था चाकू

भीलवाड़ा। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने कार डेंटल के संचालक अनिल यादव को उनके ऑफिस में घूसकर चाकू मारने के मामले में हार्डकौर अपराधी जयप्रकाश उर्फ टेणिया को उसके 4 साथियों सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

थाना प्रभारी सुरजीत सिंह ने बताया कि कर्मचारी कॉलोनी, पटेलनगर निवासी अनिल यादव कार किराये पर देते हैं। यादव की फर्म के नाम से अज्ञात लोगों ने इंस्टाग्राम व फेसबुक पर फेक आईडी बना रखी है, जो ग्राहकों से आईडी के जरिये एडवांस पैसे ले लेते और ग्राहकों को कार किराये लेने के लिए परिवादी अनिल के ऑफिस भिजवा देते थे। इसके चलते ठाहक अनिल के ऑफिस आने लगे। अनिल ने इसके बारे में जानकारी की तो उनके यहां इन ग्राहकों की कोई बुकिंग नहीं थी। इसे लेकर अनिल ने फेक आईडी बनाने वाले अज्ञात लोगों की जानकारी करने की कोशिश की तो उसे पता चला कि आर्यन सिंह के नाम के लड़के ने यह फेक आईडी चला रखी है। अनिल ने आर्यन सिंह का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन पता नहीं चला। इसके पश्चात 21 फरवरी की शाम साढ़े सात बजे अनिल के पन्नाधाय सर्किल के पास स्थित ऑफिस पर अचानक प्रकाश टेणिया व उसके साथी आये और आते ही फेक आईडी को लेकर झगड़ा व गाली-गलौच करने लगे। प्रकाश टेणिया ने अपनी जेब से चाकू निकालकर अनिल पर जानलेवा हमला कर दिया। चाकू का वार अनिल के पेट में लगा, जिससे वह घायल हो गया। अनिल को एमजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। पुलिस ने अनिल के बयान पर केस दर्ज कर जांच शुरु करते हुये आरोपितों की तलाश कर उन्हें डिटेन कर पूछताछ की। इनमें लेबर कॉलोनी निवासी जयप्रकाश उर्फ टेणिया पुत्र भंवरलाल रावल, युद्धवीर सिंह उर्फ कानसिंह उर्फ कान्हा पुत्र दुर्गासिंह राठौड, राजूसिंह पुत्र अभयसिंह राठौड़, महावीर प्रजापत पुत्र कन्हैयालाल प्रजापत और गायत्रीनगर निवासी आर्यन उर्फ काका पुत्र हरदीप सिंह उर्फ बंटी सरदार सिख जाट शामिल पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

भीलवाड़ा पुलिस ने 4 साथियों सहित हार्डकौर अपराधी को गिरफ्तार किया।

लूट का प्रयास करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर । बावलवाडा थाना पुलिस ने राह चलते पीडित के साथ मारपीट कर लूट का प्रयास करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। श्प्रकरण के अनुसार 8 फरवरी को मणीलाल पुत्र मगनलाल निवासी सुलई बावलवाड़ा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि 4 फरवरी सवेरे मैं बाइक पर नीलकंठ महादेव मंदिर दर्शन कर वापस घर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते छाणी से जावली रोड़ पर पहुंचाने पर जावली गाव के पास बाइक पर आए नकाबपोश तीन बदमाशों ने बीच रोड़ बाइक खड़ी कर दी। साईड से निकलने पर लठ्ठ से हमला कर दिया। इसके बावजूद भागने पर बदमाशों ने मेरा पीछा किया। इस पर भाणदा गांव में बाइक छोड़ कर एक दुकान में घुस कर अपनी जान बचाई। इसके बावजूद बदमाशों ने दुकान मे घुस कर बाहर निकाल मेरे साथ मारपीट की। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन में बावलवाड़ा थानाधिकारी गणपतसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर चुन्नीलाल पुत्र कावाराम निवासी भाटडिया पहाड़ा तथा अपिल पुत्र रणछोड़ निवासी सकलाल पहाड़ा को गिरफ्तार किया। जबकि एक साथी फरार है जिसकी तलाश जारी है। आरोपियों के खिलाफ गोवर्धन विलास, जावरमाइंस सहित अन्य थानो के प्रकरणों में वांछित है।

घर से लाखों के गहने और नकदी चोरी

नारायणपुर कस्बे के जयपुर रोड स्थित भारत नगर में बीती रात चोरों ने एक सूने घर से चोरी की।

नारायणपुर । कस्बे के जयपुर रोड स्थित भारत नगर में बीती रात चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया और लाखों रुपये के आभूषण व नकदी लेकर फरार हो गए।

- **बीमार सास से मिलने गए, लौटे तो टूटा मिला ताला**

पीड़ित सुखबीर गोठवाल जो कि एक सरकारी स्कूल में अध्यापक हैं,अपने परिवार के साथ23फरवरी को अपनी बीमार सास से मिलने अलवर गए थे। इसी दौरान चोरों ने घर में सेंध लगाकर वारदात को अंजाम दिया। चोर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर के अंदर घुसे और अलमारियों में रखे सोने-चांदी के गहनों व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। चोरी गए सामान में करीब 10 तोला सोने के आभूषण, जिनमें चूड़ी, नथ, टीका, टोपस, बाला और मंगलसूत्र शामिल थे, वहीं आधा किलो चांदी के गहने जिनमें पायजेब और कमरबंद थे, इसके अलावा घर में रखी लगभग50हजार रुपये की नकदी भी गायब मिली। सोमवार की शाम करीब7बजे जब परिवार घर लौटा,तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो पूरा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारी में रखी नकदी और गहने गायब थे।

परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद एएसआई कृष्ण कुमार मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस चोरी की घटना के बाद भारत नगर में दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस प्रशासन से गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों को पकड़ने की मांग की है।

शराब चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

टोंक। थाना घाड क्षेत्र में गैरोली मोड के करीब खेत में रखे शराब से भरे हुए लोहे कन्टेनर के ताले तोड़कर शराब की 40 पेटियां चोरी किये जाने के मामले में दो जने गिरफ्तार किये गये है। देवली वृताधिकारी रामसिंह के निर्देशन में घाड थानाधिकारी हरिराम वर्मा द्वारा किये गये अनुसंधान में वांछित आरोपी दिपक पुत्र छित्तरलाल रेदास उम्र 21 साल निवासी तितरिया थाना नासिरदा एवं अंकित पुत्र रमेश रेदास उम्र 21 साल निवासी बाबाजी का बरडा थाना हिण्डोली जिला बून्दी को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से एक चौपहिया वाहन व ताला तोडने के सामान भी बरामद किये है, वहीं पूछताछ में सामने आया कि इन आरोपियों द्वारा थाना डिग्गी के ग्राम चौसला के पास व रामाज होटल के पास थाना निवाई सदर के करीब से भी लोहे के कन्टेनर से भी शराब चोरी करना सामने आया है। उक्त कार्यवाही में अनुसंधान जारी है।

चोरों ने दुकान में लगाई सेंध

अजमेर, (कासं)। शहर में सक्रिय चोर गिरोह वारदात दर वारदात अंजाम देकर पुलिस की गश्त पर सवालिया निशान लगा रहा है। अलवर गेट थाना क्षेत्र में चोरों ने एक किराना दुकान में सेंधमारी कर तेल के पीपे, खाने-पीने का सामान सहित नगदी पर हाथ साफ कर फरार हो गए। चोरों की यह कारस्तानी दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। पीडित दुकानदार ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

- **तेल के पीपे, 70 हजार का सामान व नगदी पर हाथ साफ**
- **सीसीटीवी में कैद घटना, पुलिस जुटी जांच में**
- **दुकानदार की सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना किया**

अलवर गेट थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अजय नगर निवासी हरीश हरवानी थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में हरीश ने बताया कि उसकी नगरा मुख्य मार्ग पर मुकेश तेल भंडार के नाम से दुकान है। अज्ञात चोरों ने दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम दी है।

सोमवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो शटर पर लगे ताले टूटे मिले। दुकान के अंदर से तेल के पीपे भी गायब थे, चोर दुकान से करीब 70 हजार रुपए का माल पर हाथ साफ कर फरार हो गए। दुकानदार की सूचना पर पुलिस ने दुकान का मौका मुआयना किया है। पास ही दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज चेक की गई, जिसमें एक मिनी ट्रक में 3 से 4 चोर आते हुए दिखाई दिए हैं। सीसीटीवी के आधार पर चोरों की तलाश कर रही है।

निर्माणाधीन भवन में भी हुई चोरी : हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में भी चोरों ने एक निर्माणाधीन भवन को निशाना बनाया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार यूसुफ मोहम्मद व्यक्ति ने थाने पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। ठेकेदार ने शिकायत देकर बताया कि वह कोटडा में मकान का निर्माण करवा रहा है, देर रात चोरों ने ताले तोडकर कॉपर पाइप और कॉपर वायर चोरी कर फरार हो गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे में श्रमिक की मौत

उदयपुर। गोवर्धन विलास हाइवे पर हुए हादसे में बाइक सवार श्रमिक की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार रात में गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र काया हाईवे ब्रीज पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी थी। हादसे में बाइक चालक पाल लिम्बोदा सराड़ा निवासी हरिशचंद्र मीणा (34) पुत्र शिवराम मीणा गंभीर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई।

हरिशचंद्र उदयपुर में मजदूरी करता था एवं रात में बाइक पर शहर से घर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते हादसा हो गया। सूचना मिलने पर देवेन्द्रपुरी गोस्वामी ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

दुकान से मोबाइल व नकदी चोर

उदयपुर । शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में स्थित दुकान से चोर मोबाइल व नकदी चुरा ले गए।

- **चोर छत पर चढ़ जंगले के सरिये काट नीचे दुकान में घूसे**

पुलिस के अनुसार पीडित अरूण जैन पुत्र छगनलाल जैन निवासी लेक गार्डन सोसायटी गोवर्धन विलास ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि मेरी सेक्टर 14 मेन रोड़ पर मोबाईल की दुकान हैं 23 फरवरी रात में अज्ञात चोर छत पर चढ़ जंगले के सरिये काट नीचे दुकान में उतर तीन पुराने मोबाईल, स्मार्ट वॉच तथा 1लाख 50 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। दूसरे दिन दुकान पर पहुंचने के बाद इसका पता चलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच हेडकांस्टेबल जितेन्द्र कुमार कर रहे है। इसके अलावा शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश पीडित का मोबाईल लूट ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरजपोल थानाक्षेत्र उदियापोल बस स्टेण्ड के पीछे वाले रास्ते पर29 जनवरी रात में बाइक सवार तीन बदमाश पीडित उदपुरिया जागिर सराड़ा सलूम्बर निवासी लोकेश पुत्र कानजी मीणा के हाथ से मोबाईल छीन ले गए। घटना वाली रात में लोकेश पैदल उदियापोल से कुम्हारों का भट्टा की तरफ जा रहा था। जहां बीच रास्ते बदमाश वारदात कर फरार हो गए। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

यात्रियों का सामान चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

पाली , (नि.सं.)। बस में चढ रहे यात्रियों का ध्यान भटकाकर उनके गहने और सामान चोरी करने की वारदात को अंजाम देने के लिए बस डिपो के आस-पास घूम रहे दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एक आरोपी के खिलाफ इस तरह के पहले से कई मुकदमे है वही दूसरे आरोपी का पुलिस ने आपराधिक रेकार्ड मंगवाया है। औद्योगिक थाने के जसंवतसिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के मिलगेट बस स्टैंड के पास दो संदिग्ध सवारियों का ध्यान भटका उनके बैग, अटैची, गहने चोरी करने के प्रयास में घूम रहे थे। पुलिस ने हापुड हाल श्याम नगर मजिद नगर लिसारी गेट (निसाडी गेट) मेरठ निवासी 28 वर्षीय अजमात पुत्र असद अहमद और 49 साल के असलम पुत्र नसीबुद्दीन मसुरी को गिरफ्तार किया है।

छबड़ा में विशाल ऋण मेले का आयोजन

छबड़ा। कस्बे में बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के तत्वावधान में विशाल ऋण मेले का आयोजन किया गया। यहां भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऋण स्वीकृत एवं वितरण किया गया।

क्षेत्रीय प्रबंधक सत्यनारायण बैरवा ने बताया कि छबड़ा एवं छीपाबडौद क्षेत्र के लोगो को कुल 4.50 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए गए। इन योजनाओं में किसान क्रेडिट कार्ड, सरल कृषि ऋण, एवं पशुपालन योजनाओं में 2.50 करोड़, स्वयं सहायता समूह (राजविका एसएचजी) को 0.48 करोड़, नमस्ते स्कीम में 0.22 करोड़ एवं अन्य योजनाओं में 1.30 करोड़ रुपये का ऋण वितरण किया गया। बैरवा ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम जनता, व्यवसायियों, किसानों और उद्यमियों को किफायती और सरल ऋण सुविधा उपलब्ध कराना है। यह आयोजन उन लोगों के लिए फायदेमंद साबित होगा, जो अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं, चाहे आप नया घर खरीदना चाहते हों, व्यापार शुरू करना चाहते हों, कार लेना चाहते हों या फिर उच्च शिक्षा के लिए लोन लेना चाहते हों। गृह ऋण, वाहन ऋण, व्यवसाय ऋण, शिक्षा ऋण, व्यक्तिगत ऋण आदि से सभी अपनी जरूरतों को पूर्ण कर सकते हैं। शाखा प्रबंधक विशालसिंह चौधरी ने कहा कि बैंक ने यह सुनिश्चित किया है कि ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया को तेज और सरल बनाया जाए ताकि ग्राहकों को तुरंत लाभ मिल सके। इस आयोजन के दौरान सरल दस्तावेज़ीकरण और विशेष छूट की सुविधा दी गई। साथ ही शाखा प्रबंधक दीपक वर्मा ने कहा कि हमारा लक्ष्य अधिक से अधिक ग्राहकों को लाभान्वित करना है।

डम्पर व दो ट्रॉली पकड़ी

कोटा, (निसं)। खातौली पुलिस व माईनिंग टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध बजरी का परिवहन करते हुए एक डम्पर व दो ट्रोली को जप्त किया है। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि ग्रामीण इलाकों में अवैध खनन व परिवहन के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि अभियान के अंतर्गत इटावा पुलिस उपअधीक्षक शिवम जोशी के सुपरविजन में खातौली थाने के उपनिरिक्षक थानाधिकारी मनसीराम के नेतृत्व में गठित टीम व माईनिंग टीम के फोरमैन प्रथम गोविंद प्रसाद शर्मा मय टीम ने संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए रेत (बजरी) से भरे एक डंपर व दो ट्रैक्टर ट्रोली बजरी का अवैध रूप से परिवहन करते हुए ग्राम कैथूदा से जप्त किये। कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि मामले में माईनिंग विभाग द्वारा आगे की कार्यवाही की जायेगी।

ब्लैकमेल कांड के विरोध में फूटा आक्रोश

बिजयनगर । शहर का बहुचर्चित नाबालिग बालिकाओं को प्रेमजाल में फंसाकर शोषण करने के मामले में जन आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोमवार को बिजयनगर शहर एव ठ्ठामीण क्षेत्र के सर्व समाज संगठनों के कार्यकताओं के साथ सैकडो की संख्या मे एकजुट होकर मातृशक्ति ने शहर के प्रमुख मार्गो से आक्रोश जुलूस निकालते हुए विरोध प्रदर्शन किया ।

- **शहर के प्रमुख मार्गो से हो होते हुये किया विरोध प्रदर्शन**

सोमवार प्रात:कृषि उपज मंडी समिति परिसर में ग्राम बरल द्वितीय, बाडी, आसन, सथाना, शिखरानी, बडली, नगर, हनुतिया सहित आस-पास के ठ्ठामीण क्षेत्र के सर्व हिन्दु समाज संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता व ग्रामीण इकठ्ठा हुए तत्पश्चात आरोपियों को फांसी हो हिंदू बेटियों की रक्षा हो लव जिहादियों का इलाज हो नाबालिक पीड़ितों को न्याय दो बुलडोजर की कार्रवाई हो जैसे नारों के साथ विरोध प्रदर्शन करते हुए जुलूस के रूप में शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए विवेकानंद सर्किल पहुंचे । विवेकानंद सर्किल पर बिजयनगर तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया ।

मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित ज्ञापन में बताया कि मुस्लिम युवको के द्वारा हिन्दू समुदाय की नाबालिग स्कूली छात्राओ के साथ दुष्कर्म कर अश्लील विडियो बनाकर ब्लैकमेल करने एवं जबरन धर्म परिवर्तन करने के लिए दबाव डालने वाले आरोपियो एवं इसमें लिप्त गैंग के खिलाफ केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सी.बी.आई.), स्पेशल केस स्कीम ऑफिसर से गहन निष्पक्ष जॉच करने, पीडिताओ व उनके परिजनो को प्रकरण में लिप्त आरोपियो को दण्डित किये जाने तक पीड़ित परिवारों को सुरक्षा प्रदान करने, आरोपियो के विरूद्ध दर्ज मुकदमो में विशेष रूप से इस प्रकार के मुकदमो की पैरवी के लिए अनुभवी अधिवक्ता को पीडित पक्ष की पैरवी हेतु नियुक्त करते की मांग का ज्ञापन सौपा । विवेकानंद सर्किल पर आयोजित सभा को पालिका अध्यक्ष अनीता मेवाड़ा, शिखरानी सरपंच सुरेंद्र सिंह राठौड़, भाजपा नेता कैलाश गुर्जर, राजेश जोशी, अमर सिंह राठौड़ सथाना, आरडी जाट, हरि प्रकाश शर्मा, कविता सेन व ज्योति सहित सर्व समाज के वक्ताओं ने संबोधित किया ।

इस दौरान दातार सिंह नरूका, शेर सिंह राठौड़, महेंद्र सिंह राठौड़, श्रवण लाल गुर्जर, जयदीप सिंह, सत्यनारायण वैष्णव, बजरंग लाल बेरवा, कीर्तिपाल सिंह, जीवराज जाट, कमलेश गुर्जर, हीरालाल, राधेश्याम, नोरतमल, टीकम जैन, अजय जोशी, मेवाराम, नोरत शर्मा व द्वारका प्रसाद सहित सैकड़ो की संख्या में नागरिक एवं मातृशक्ति मौजूद रही । बहुचर्चित नाबालिग बालिकाओं के मामले में बिजयनगर नगर पालिका प्रशासन ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए पालिका अधिशासी अधिकारी प्रताप सिंह भाटी , पालिका कर्मियो के साथ शिखरानी रोड पर स्थित कब्रिस्तान पर पहुंचे और कब्रिस्तान के अतिक्रमण के हिस्से को सीज किया।

अंबेडकर भवन की तरफ खुलता है उसे सील कर कार्रवाई की । बिजयनगर शहर की नाबालिग स्कूली छात्राओं को प्रेमजाल फंसाकर ब्लैकमेल करने के मामले में शहर के विभिन्न समाज में गुस्सा बढ़ रहा है। बिजयनगर माहेश्वरी समाज, अठावाल समाज, ब्राह्मण समाज, कृषि मंडी व्यापार संघ श्री प्राज्ञ जैन युवा मंडल माली सैनी समाज सहित कई समाज एवं सामाजिक संगठनो ने ज्ञापन सौंपकर आरोपियों को फांसी देने की मांग करते हुए सम्पूर्ण मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है । पुलिस प्रशासन के वृत्त अधिकारी सी ओ सज्जन सिंह थाना अधिकारी करण सिंह खंगारोत व्यापक बंदोबस्त के साथ मौजूद रहे ।

चंदन पेड़ चोर गिरफ्तार

उदयपुर। खेत से चंदन पेड़ काट कर चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत एक बाल अपचारी को डिटेन किया। प्रकरण के अनुसार आकोदड़ा झालों का गुड़ा वल्लभनगर निवासी करणसिंह पुत्र पर्वतसिंह ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 21 फरवरी रात में अज्ञात चोर मेरे खेत से दो चंदन पेड़ काट कर चुरा ले गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजेन्द्रसिंह जैन के सुपरविजन में वल्लभनगर थानाधिकारी दिनेश पाटिदार के नेतृत्व में हेडकांस्टेबल भेरूलाल मय टीम ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर चंदन पेड़ चोरी करने वाले रघुनाथपुरा सिधियों का खेड़ा कपासन निवासी कालुलाल पुत्र भेरूलाल जटिया को गिरफ्तार किया तथा विधी से संघर्षरत एक बाल अपचारी को डिटेन किया।

महिला की गला रेतकर हत्या के मामले का खुलासा, एक गिरफ्तार

सरवाड़, (निसं)। निकटवर्ती बोराडा के ग्राम पाण्डरवाडा में अज्ञात व्यक्ति द्वारा एक महिला का गला रेतकर हत्या करने की घटित घटना को लेकर आस पास के क्षेत्र में सनसनी फेल गई जिससे घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अजमेर द्वारा तत्काल घटना स्थल पर पहुंचकर घटना स्थल का जायजा लेकर अलग-अलग टीमें गठित कर तत्काल आरोपीगण की तलाश के निर्देश फरमाये गये ।

इस पर वन्दिता राणा के निर्देशन में डॉ. दीपक कुमार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अजमेर, अभिषेक प्रशिक्षु सहायक पुलिस अधीक्षक वृत किशनगढ शहर नेतृत्व में व उमेश गोतम वृताधिकारी वृत किशनगढ ग्रामीण के निकटतम सुपरविजन में दौराने अनुसंधान व तलाश आरोपीगण करते हुए घटना का खुलासा कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। ग्राम पाण्डरवाडा में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा युवती का गला रेतकर हत्या करने की सूचना जगदीश प्रसाद उप निरीक्षक थानाधिकारी बोराडा द्वारा प्राप्त होने पर मन पुलिस अधीक्षक जिला अजमेर द्वारा घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल मौके पर पहुंच घटना स्थल का जायजा लिया गया तथा घटना स्थल पर मौजूद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अजमेर सहायक पुलिस अधीक्षक वृत किशनगढ़ शहर व पुलिस उप अधीक्षक किशनगढ ठ्ठामीण व थानाधिकारी पुलिस थाना बोराडा को आवश्यक निर्देश दिये जाकर एफएसएल टीम एमओबी टीम डॉग स्कवायड डीएसटी टीम साईबर सेल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य संकलित करवाये गये मृतका के पिता छोटूलाल पुत्र लालाराम बैरवा उम्र 45 साल निवासी पाण्डरवाडा थाना बोराडा जिला अजमेर द्वारा अज्ञात मुल्जिमान की विरूद्ध अपनी लडकी रोशन उम्र 20 साल की गला रेतकर हत्या करने की रिपोर्ट थाना बोराडा पर प्रस्तुत करने पर प्रकरण संख्या 22/2025 धारा 103 (1) बीएनएस 2023 दर्ज होकर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया मृतका रोशन की लाश का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द की जाकर अज्ञात मुल्जिमान की पतारसी की गई अलग अलग टीमें गठित कर घटना स्थल के आस पडौस के करीब 3-4 किलोमीटर एरिया की सर्च की जाकर कुओं, खान के गडडो में भरे पानी को निकलवाकर सर्च की गई घटना के संबंध में गोपनीय रूप से आसूचना एकत्रित की गई घटना स्थल से बीटीएस उठवाया जाकर विश्लेषण किया गया थानाधिकारी बोराडा अराई, रूपनगढ, बान्दरसिन्दरी नसीराबाद सदर, गेगल, साईबर सैल, डीएसटी की टीमें गठित कर घटना के कारण व आरोपी की तलाश व मालुमात करवाई गई तो सामने आया कि मृतका का पडौसी चेतन बलाई मृतका से एक तरफा प्यार करता था।

महिला की गला रेतकर निर्मम हत्या के मामले में सरवाड पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

कार रैली से सामाजिक समरसता का संदेश दिया

कोटा, (निसं)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कमला उद्यान कोटा मै शिवरात्रि महोत्सव मनाया गया जिसमे पूरे शहर में कार रैली निकाली गई। सभी 25 कारों के ऊपर आकर्षक झांकी से सजे हुए शिवलिंग स्थापित किए गए थे। मुख्य अतिथि राजेश कृष्ण बिरला प्रदेश अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी राजस्थान व बतौर विशिष्ठ अतिथि विवेक राजवंशी नेता प्रतिपक्ष दक्षिण नगर निगम रहे। कोटा संभाग प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उर्मिला ने आए हुए अतिथियों को शिव मोमेंटो प्रदान किए व शाल पहनाकर अभिनंदन किया। बिरला ने कहा कि आध्यात्म से जुड़ने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा मिलती हैं इससे जीवन में सफलता सहज हो जाती हैं। शुभारंभ अतिथि द्वारा शिव ध्वज लहराकर किया गया। इसके अंतर्गत मुख्य शिव दर्शन रैली का आयोजन आकर्षण का केंद्र रहा। समापन तलवंडी में किया गया जिसमे विशिष्ट अतिथि विवेक राजवंशी उपस्थित थे। राजवंशी ने कहा कि कार रैली एक अनुकरणीय पहल हैं, जो सामाजिक सुरक्षा का भाव प्रकट करती है।

'संस्कारवान, नशामुक्त आदर्श युवा ही सच्चे राष्ट्र निर्माता'

छबड़ा। अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा आयोजित 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के तीसरे दिन शांतिकुंज हरिद्वार की टोली व कथा व्यास सूरतसिंह अमृते के सानिध्य में यज्ञ एवं पुंसवन, विद्याराम संस्कार एवं गायत्री महामंत्र से गुरू दीक्षा संस्कार सम्पन्न हुआ। कथा प्रसंग में अमृते महाराज ने कहा कि मनुष्य के जीवन में दु:ख सुख का कारण उसकी अपनी सोच होती है, उसके अपने विचार होते हैं।

- **मनुष्य के जीवन में दु:ख सुख का कारण उसकी अपनी सोच होती है, उसके अपने विचार होते हैं**
- **गुरु दीक्षा संस्कार सम्पन्न हुआ**

संत इमर्शन कहते हैं मनुष्य की एक मुट्ठी में स्वर्ग है और एक मुट्ठी में नर्क है। अगर वह पॉजिटिव सोचता है तो उसका घर स्वर्ग बन जाता है और नेगेटिव सोचता है तो उसका जीवन नर्क होता हुआ चला जाता है। इसलिए तुलसीदास जी ने लिखा है स्वर्ग नरक अब वर्ग नसैनी। जब मनुष्य अचिंत चिंतन करता है तो उसके जीवन में वह बेचैन हो जाता है। अगर मनुष्य को सुखी रहना है तो अपनी सोच को बदलना होगा। जितने भी महान व्यक्ति हुए हैं, वह सब अपनी सोच के कारण हुए। स्वामी विवेकानंद ने कहा कि दुनिया में भगवान और देवियां कहीं नहीं है, हमारा दृष्टिकोण अच्छा है तो दुनिया की हर नारी के अंदर नौ देवियां है। वही, कर्म के फल से ना आज के समय में को सेठ बच सकता है ना कोई साहूकार बच सकता है। कथा व्यास अमृते महाराज ने कहा आज छोटे-छोटे बच्चे नशा कर रहे हैं। नशा से उनको मुक्त कराना है क्योकि नशा नाष का कारण होता हैं। इस अवसर पर यहां 11 व्यक्तियों ने नषे को त्यागने का संकल्प लिया। महाराज के प्रवचनो से प्रभावित हो कईयों ने महाराज को तम्बाकू, गुटखे आदि के पैकेट महाराज को सौंप दिए। हरिद्वार से आए आचार्य श्रवण कुमार मिश्रा, अभय राज सिंह, नीरज विश्वकर्मा एवं कपूरचंद यादव ने यज्ञ कर्मकांड संपन्न करवाया। यहां दो दर्जन के गांव के लोग मौजूद थे।

यह एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या है जिसे सही जीवनशैली का विकल्प चुनकर और सक्रिय, स्वस्थ और फिट रहने का विकल्प चुनकर समाप्त किया जा सकता है। **- मीराबाई**

पूर्व विश्व चैम्पियन भारोत्तोलक, मोटापे के खिलाफ लड़ाई में जागरूकता फैलाने के लिए पीएम मोदी द्वारा नामित किए जाने पर बहुत खुशी है।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

जैसमीन वालिया

रविवार को दुबई में भारत और पाकिस्तान के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 बेहद रोमांचक मैच खेला गया। इस मैच को देखने के लिए फैंस केसाथ कई बड़ी सितारे भी स्टेडियम में पहुंचे। इसमें ब्रिटिश सिंगर जैसमीन वालिया का ना भी शामिल है। जिन्होंने पिछले कुछ समय से हार्दिक पंड्या के कारण क्रिकेट जगत में सुर्खियां बटोर रखी हैं। दरअसल, पिचले साल इन दोनों ने कुछ तस्वीरें शेयर की थी, जिसमें लोकेशन सेम थीफैंस का मानना था कि हार्दिक पंड्या ने नताशा स्टेनकोविक को तलाक देने के बाद, जैसमीन का हाथ थाम लिया है दोनों साथ में वेकेशन पर हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टी-20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप का पहला शतक (117 रन)क्रिस गेलने 2007 में प्रथम आईसीसी विश्व ट्वेंटी-20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाया था।

हरि सिंह के ऑलराउंडर प्रदर्शन से इंसपायर जीती, सेहरा की गेंदबाजी से सिंग्नेचर की आसान जीत

जयपुर, 24 फरवरी। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सिग्नेचर क्रिकेट ग्राउण्ड सांगानेर पर खेले गये पूल-ए के मैचों में इन्सपायर क्रिकेट एकेडमी ने हरिसिंह 23 रन व 18 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा अमन सिंह शेखावत 52 रन नाबाद के बदोलत बिमल क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर दो अंक अर्जित किये। पूल-ए के अन्य मैच में सिंग्नेचर क्रिकेट एकेडमी में राम शर्मा 71 रन (5 चौके 6 छक्के) तथा अरूण सहरा 7 रन पर 4 विकेट तथा नरेश सैनी 2 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदोलत बारवाल क्रिकेट एकेडमी को 112 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

राजस्थान यूथ ने सबा क्लब को हराया

जयपुर, 24 फरवरी। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में राजस्थान यूथ ने सबा क्लब को 5 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में सबा क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए आयुष आमेरिया के 19 रन, अमन खिलजी के 25 रन, यथार्थ भारद्वाज के 43 रन, वरदान शर्मा के 30 रन, आदित्य वाधवा के 25 रन, मेहुल सिंह के 14 रनों से 46.4 ओवर में 187 रन बनाकर आउट हो गई। राजस्थान यूथ के लिए आदित्य झाला ने 41 पर 3, अनुज मीणा ने 37 पर 2, रोहन सिंह ने 38 पर 3, जतिन सैनी व कैफ गुडएज ने 1 - 1 विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी की। जवाबी पारी में राजस्थान यूथ ने आर्यमन कटारिया के 36 रन, भुवनेश शर्मा के 11 रन, जयंत ताम्बी के नाबाद 71 रन, आदित्य झाला के 36 रन, रिहान अली के 12 रन व कुणाल गौतम के नाबाद 15 रनों से 30.2 ओवर में 5 विकेट पर 190 रन बनाकर मैच जीत लिया। सबा क्लब के लिए आदित्य वाधवा ने 59 पर 2, सार्थक त्यागी, आयुष आमेरिया व नीतीराज ने 1 - 1 विकेट लिया।

अखिल भारतीय डाक क्रिकेट प्रतियोगिता में राजस्थान परिमंडल बना विजेता

उदयपुर, 24 फरवरी। 35वीं अखिल भारतीय डाक क्रिकेट प्रतियोगिता-2025 का आयोजन वडोदरा (गुजरात) में हुआ, जिसमे राजस्थान डाक परिमंडल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरी बार विजेता बना है। फ़ाइनल मुक़ाबला राजस्थान एवं महाराष्ट्र डाक परिमंडल के मध्य हुआ जिसे राजस्थान परिमंडल द्वारा 87 रनों से जीत लिया। फ़ाइनल मुक़ाबले मे उदयपुर मण्डल से राजस्थान परिमंडल टीम मे चयनित सौरभ चौहान, चन्द्रपाल सिंह चुंडावत, रजत छापरवाल द्वारा उच्च कोटी का प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। उक्त प्रदर्शन के लिए प्रवर अधीक्षक अक्षय गाड़ेकर द्वारा सोमवार को यहां तीनों कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

मैं अभी अच्छी लय में हूं, जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी अच्छी गेंबाजी करूंगा : यादव

दुबई, 24 फरवरी। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव को लगता है कि चोट से वापसी करने के बाद उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में वह हर मैच में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। कुलदीप ने पाकिस्तान के खिलाफ डेथ ओवरों में तीन विकेट लिए और वह एक समय हैट्रिक लेने की स्थिति में भी थे। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले साल स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी कराई थी, जिसके कारण वह तीन महीने से अधिक समय तक खेल से दूर रहे थे। कुलदीप ने पत्रकारों से कहा, "चोटों को ठीक होने में छह महीने लगते हैं। मैंने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेले। उनमें मेरी लय अच्छी थी। " कुलदीप चैंपियंस ट्रॉफी में बांग्लादेश के खिलाफ पहले मैच में विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा, "लेकिन स्वाभाविक है कि आप हमेशा विकेट हासिल करने की तलाश में रहते हैं। आज जब मैंने अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे लगा कि मैं बेहतर लय में हूं। मैं आरामदायक स्थिति में हूं।" कुलदीप ने कहा, "मुझे लगता है कि मैं इससे भी बेहतर गेंदबाजी कर सकता हूं। मैंने चोट से वापसी करने के बाद अभी तक तीन-चार मैच खेले हैं।

इंदिरा गांधी कॉलेज ने जीता इंटर कॉलेज महिला हैडबॉल का खिताब

नई दिल्ली, 24 फरवरी। दिल्ली विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान की महिला हैंडबॉल टीम ने जीसस एंड मेरी कॉलेज को हराकर इंटर कॉलेज चैंपियनशिप 2024-25 का खिताब अपने नाम किया। जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज में आयोजित हैंडबॉल टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल मुकाबले में इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान ने जीसस एंड मेरी कॉलेज को 15-8 के स्कोर से हराया। कप्तान आकांशा के नेतृत्व में इंदिरा गांधी टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण कौशल, समन्वय और दृढ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित खिताब हासिल किया।

सेबेस्टियन बेज ने जीता रियो ओपन का खिताब

रियो डी जेनेरियो, 24 फरवरी। अर्जेंटीना के टेनिस खिलाड़ी सेबेस्टियन बेज ने फाइनल मुकाबले में फ्रांस के एलेक्जेंडर मुलर हराकर रियो ओपन का अपना खिताब को बरकरार रखा। जॉकी क्लब ब्रासीलीरो के आउटडोर क्ले पर रविवार को एक घंटे 27 मिनट तक चले मुकाबले में सेबेस्टियन बेज ने एलेक्जेंडर मुलर को 6-2, 6-3 से हराकर लगातार दूसरी बार रियो ओपन का खिताब अपने नाम किया। यह उनका सातवां एटीपी टूर खिताब है।

बांग्लादेश को 5 विकेट से हराकर न्यूजीलैंड चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

रावलपिंडी, 24 फरवरी। माइकल ब्रेसवेल (चार विकेट) और विलियम ओरूर्क (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद रचिन रविंद्र (112) की शतकीय और टॉम लेथम (55) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने सोमवार को चैंपियंस ट्रॉफी के छठे मुकाबले में बंगलादेश को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

बंगलादेश के 236 के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 15 के स्कोर पर दो विकेट गवां दिया। विल यंग (शून्य) और केन विलियमसन (पांच) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद डेवन कॉन्वे भी (30) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। रचिन रविंद्र और टॉम लेथम की जोड़ी ने न्यूजीलैंड की लड़खड़ाती पारी को संभाला।

दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी हुई। 39वें ओवर में रिशाद हुसैन ने रचिन रविंद्र को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। रचिन रविंद्र ने 105 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (112) रनों की पारी खेली। 42वें ओवर में लेथम रनआउट हुये। लेथम ने 76 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए (55) रन बनाये। न्यूजीलैंड ने 46.1 ओवर में 240 रन बनाकर पांच विकेट से मुकाबला जीत लिया। माइकल ब्रेसवेल (11) और ग्लेन फिप्लिस (21) रन बनाकर नाबाद रहे। बंगलादेश की ओर से तसकीन अहमद, नाहिद राणा, मुस्तफिजुर रहमान और रिशाद हुसैन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने टॉस जीतकर

गेंदबाजी का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की तंजिद हसन और कप्तान नजमुल शान्तो की सलामी जोड़ी ने संभल कर खेलते हुए रन बनाने का प्रयास किया। नौवें ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने तंजिद हसन (24) को आउटकर बंगलादेश को पहला झटका दिया। इसके बाद नियमित अंतराल पर बंगलादेश के विकेट गिरते रहे।

हालांकि इस दौरान नजमुल शान्तो एक छोर थामे खड़े रहे। 12वें ओवर में बंगलादेश का दूसरा विकेट मेहदी हसन मिराज (13) के रूप में गिरा। इसके बाद ब्रेसवेल ने मो. तौहीद हृदोय (सात), मुशफिकुर रहीम (दो) और महमुदउल्लाह (चार) को जल्द ही आउटकर पवेलियन भेज दिया। 38वें ओवर में विलियम ओरूर्क ने नजमुल शान्तो को आउटकर बंगलादेश को बड़ा झटका दिया।

नजमुल शान्तो ने 110 गेंदों में नौ चौके लगाते हुए (77) रनों की पारी खेली। 44वें ओवर में मैट हेनरी ने रिशाद हुसैन (26) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 49वें ओवर की पहली गेंद पर लेथम ने जाकेर अली को रनआउट कर बंगलादेश के चुनौतीपूर्ण स्कोर की उम्मीदों को झटका दिया। जाकेर अली ने 55 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (45) रनों की पारी खेली।

तसकीन अहमद (10) नौवें विकेट के रूप में आउट हुये। बंगलादेश ने नौ विकेट पर 236 रन का स्कोर बनाया। न्यूजीलैंड की ओर से माइकल ब्रेसवेल ने चार विकेट, विलियम ओरूर्क ने दो विकेट लिये। मैट हेनरी और तसकीन अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आरयूएएफसी ने रियल कश्मीर को 4-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की

जयपुर, 24 फरवरी। आई-लीग मुकाबले में आरयूएएफसी ने रियल कश्मीर को 4-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत से ही आरयूएएफसी ने आक्रामक खेल दिखाया और विरोधी टीम पर दबाव बनाए रखा। टीम के स्टार खिलाड़ी मैकॉल काब्रेरा ने दो शानदार गोल दागे, जबकि एलेन और गौतम वीरवानी ने भी एक-एक गोल कर टीम को शानदार बढ़त दिलाई। आरयूएएफसी के जर्सी नंबर 20 मैकॉल काब्रेरा ने इस मैच में बेहतरीन प्रदर्शन किया और दो गोल दागे। उनकी तेज गति और रणनीतिक खेल ने रियल कश्मीर की डिफेंस को पूरी तरह भेद दिया। वहीं, जर्सी नंबर 10 एलेन और गौतम वीरवानी ने भी अपनी टीम के लिए एक-एक गोल दागा, जिससे आरयूएएफसी ने बड़ी जीत दर्ज की। पूरे मैच के दौरान आरयूएएफसी ने डिफेंस और अटैक में शानदार तालमेल दिखाया। टीम की रणनीति इतनी प्रभावी रही कि रियल कश्मीर के खिलाड़ी कोई वापसी नहीं कर सके।

मैच के दौरान आरयूएएफसी ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार गोल के मौके बनाए। कैबिनेट मंत्री सुरेश रावत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। साथ ही, रीजनल प्रोग्रामर हेड अजय सिंह राठौड़, जोजो, आरजे अभी और धर्मवीर सिंह शेखावत (सदस्य, ऐडहॉक कमेटी, आरसीए) गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में उपस्थित रहे।

देवांश की हैट्रिक से जयपुर 6-1 से जीता

जयपुर, 24 फरवरी। चौगान स्टेडियम जयपुर में आज राजस्थान राज्य अंदर 20 बॉयज फुटबॉल प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। प्रथम दिन उद्घाटन समारोह में हवामहल विधानसभा के विधायक बालमुकुंदाचार्य पधारे और उन्होंने प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। उद्घाटन समारोह में राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत महिला विंग की चेयरमैन रोशनी टॉक, सहयोग सचिव सुनील राव, जयपुर जिला संचालन समिति के संयोजक डॉक्टर दिलीप सिंह चुंडावत, अब्दुल जब्बार, मनोज शर्मा और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जसवंत सिन्हा भी उपस्थित रहे। आज प्रतियोगिता के पहले दिन 6 मैच खेले गए। पहला मैच भीलवाड़ा और झुंझुनू के बीच खेला गया जिसमें ट्राईब्रेकर में भीलवाड़ा ने झुंझुनू को 3-2 से पराजित किया। दूसरा मैच कोटा और जयपुर के बीच खेला गया जिसमें जयपुर ने एक तरफा मुकाबले में देवांश राजावत की शानदार हैट्रिक की मदद से 6 -1 से कोटा को पराजित किया। तीसरा मैच सीकर और उदयपुर के बीच रहा। जिसमें सीकर ने उदयपुर को 2-1 से पराजित किया। चौथे मैच में नागौर ने डूंगरपुर को 4-2 से पराजित किया। पांचवें मैच में चित्तौड़गढ़ ने राजसमंद को 2 - 0 से पराजित किया।

पाक का सफर खत्म, कप्तान मो. रिजवान ने कबूला

दुबई, 24 फरवरी। पाकिस्तान की टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लीग मैचों में न्यूजीलैंड और भारत से मिली हार को स्वीकार किया है। उन्होंने ये भी माना है कि ये दोनों टीमें अच्छा खेलीं और वे कप्तान के तौर पर इन चीजों को पसंद नहीं करते कि टीम दूसरों के भरोसे सेमीफाइनल में पहुंचे। पाकिस्तान की टीम के लिए सेमीफाइनल के रास्ते लगभग बंद हो गए हैं। क्योंकि न्यूजीलैंड को बाकी के दो मैचों में से एक में भी जीत मिल जाती है तो पाकिस्तान की टीम के लिए टूर्नामेंट खत्म हो जाएगा। उनका एक मैच बांग्लादेश से है, उसमें भी जीत मिलना कोई मायने नहीं रखता।

सिटी पैलेस में द इंडियन पोलो अवार्ड्स का हुआ भव्य आयोजन

जयपुर, 24 फरवरी। द इंडियन पोलो अवार्ड्स (टीआईपीए) का चौथा सीजन जयपुर के प्रतिष्ठित सिटी पैलेस में पूरी भव्यता के साथ आयोजित किया गया, जिसमें पोलो खेल के चमकते सितारों को सम्मानित किया गया। महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह और ला पोलो के एडीटर इन चीफ, मनिंदर एस. सेठी ने इस आयोजन की संयुक्त मेजबानी की। इस अवसर पर शहर के जाने-माने लोगों के साथ-साथ खेल समर्थक, संरक्षक और प्रतिष्ठित पोलो खिलाड़ी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम का संचालन पोलो कमेंटेटर शरद सक्सेना और मॉडल और अभिनेत्री दीप्ति गुजराल ने किया। इस शाम का मुख्य आकर्षण दो नई पुरस्कार श्रेणियों की शुरूआत थी: द एरीना पोलो क्लब ऑफ द सीज़न और द जूनियर टीम, जो भारतीय पोलो में मान्यता के दायरे को व्यापक बनाने के लिए इस आयोजन की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टीआईपीए के इस सीजन के विजेताओं के नाम और पुरस्कार की श्रेणियां इस प्रकार थे: गुलाम मुस्तफा (बड़ौदा द ट्रेडिशनल पोलो प्लेयर); मुकेश सिंह (अलवर द पोलो ट्रेनर -सिविल); एचवी बिट्टू और एनके रिसालदार अब्बास अली (अलवर द पोलो ट्रेनर -सेना); आरिफ खान (द पोलो ठाूम); डॉ शिवांगी जय सिंह (ला मार्टिना द लेडी पोलो प्लेयर); विश्वरूपे बजाज (ला मार्टिना द यंग पोलो प्लेयर); सापो (ग्वालियर द बेस्ट पोलो पोनी); राजस्थान पोलो क्लब (भोपाल पटौदी द बेस्ट पोलो ग्राउंड); जिंदल पोलो और इक्वेस्ट्रियन फाउंडेशन (द पोलो क्लब ऑफ द सीजन); हैदराबाद पोलो एंड राईडिंग क्लब (द एरीना पोलो क्लब ऑफ द सीजन); लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान (जम्मू और कश्मीर द आर्मी पोलो प्लेयर); साविर मेहराज गोदारा (द प्रोमिसिंग पोलो प्लेयर); जयपुर पोलो टीम (एमर्जिंग पेटरन); शरद सक्सैना (द पोलो कमेन्टेटर ऑफ द सीजन); 61वीं कैवेलरी (कंट्रीब्यूशन टू पोलो); उदार पोलो (द बेस्ट जूनियर टीम); जयपुर रॉयल फैमिली (ला पोलो लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड); अचीवर्स (जयपुर द पोलो पेटरन); आर्मी सर्विस कॉर्प्स (द बेस्ट टीम- लो गोल); अचीवर्स (द बेस्ट टीम- हाई गोल); सैंटियागो मारम्बियो (पटियाला द इंटरनेशनल पोलो प्लेयर) और अभिमन्यु पाठक (जिंदल पैंथर, द मोस्ट वैल्यूएबल पोलो प्लेयर)।

कोहली कोहिनूर है, वह अभी दो-तीन साल तक और खेलेंगे : सिद्धू

नई दिल्ली, 24 फरवरी। पिछले छह महीनों में विराट कोहली की दृढ़ता और चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ उनके नाबाद शतक को देखकर पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू को लगता है कि भारत का यह स्टार बल्लेबाज अगले दो से तीन साल तक खेलना जारी रखेगा। कोहली ने फॉर्म में वापसी करते हुए वनडे में अपना 51वां शतक जमाया, जिससे भारत ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर छह विकेट से जीत हासिल करके चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

"चरित्र किसी संकट में नहीं बनता है, यह प्रदर्शित होता है। वह जुनूनी खिलाड़ी है और यह शतक देखने के बाद मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि वह अगले दो से तीन साल तक और खेलेगा तथा 10 या 15 शतक और लगाएगा।" उन्होंने कहा, " किसी के लिए भी अंतिम अग्निपरीक्षा यह है कि वह प्रतिकूल समय से कैसे गुजरता है, वह प्रतिकूल परिस्थितियों को कैसे स्वीकार करता है। पिछले छह महीनों से इतना कुछ चल रहा था कि उन्होंने अपना क्षण चुना। पाकिस्तान के खिलाफ उनके इस शतक को लोग वर्षों तक याद रखेंगे।" सिद्धू ने कहा, "विराट कोहली जैसे क्रिकेटर एक पीढ़ी में एक बार ही पैदा होते हैं। वह कोहिनूर हैं।

पाकिस्तान की हार पर भड़के वसीम अकरम

नई दिल्ली, 24 फरवरी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के खिलाफ मुकाबले में मिली हार के बाद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम काफी गुस्से में हैं। उन्होंने अपनी टीम में कई बड़े बदलाव करने की सलाह दी है। उनका कहना है कि ऐसा करने से आप अगले 6 महीने तक हारते रहेंगे। लेकिन आपको अभी से ही टी20 वर्ल्ड कप 2026 की तैयारी करनी होगी। इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों को भी जमकर लताड़ा है। वसीम अकरम के अनुसार पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों को वनडे क्रिकेट खेलने वाली 14 टीमों में दूसरा सबसे खराब है। वसीम अकरम ने ड्रेसिंग रूम शो में कहा कि, कठोर कदम उठाने की जरूरत है। हम सदियों से सफेद गेंद से पुरानी क्रिकेट खेल रहे हैं। इसमें बदलाव की जरूरत है। निडर क्रिकेटरों, युवा खिलाड़ियों को टीम में शामिल करें। अगर आपको पांच-छह बदलाव करने हैं तो प्लीज करें। उन्होंने आगे कहा कि, आप अगले 6 महीने तक हारते रहेंगे। ये ठीक है, लेकिन अभी से 2026 टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम बनाना शुरू कर दीजिए।वसीम अकरम ने पाकिस्तान की गेंदबाजी की भी आलोचना की क्योंकि उनका वनडे क्रिकेट में दूसरा सबसे खराब औसत है। उन्होंने कहा कि, बस बहुत हो गया। आपने उन्हें स्टार बना दिया है। पिछले पांच वनडे मैचों में पाकिस्तान के गेंदबाज 60 की औसत से 24 विकेट लेने में सफल रहे हैं।

जयपुर पोलो सीजन 2025, एसएमएस गोल्डवास कप जयपुर यूएसपीए 8-3 के स्कोर से आरपीसी से जीता

जयपुर, 24 फरवरी। जयपुर पोलो सीजन 2025, एसएमएस गोल्ड वास कप (4 गोल) का टूर्नामेंट का पहला मैच सोमवार को रामबाग पोलो ग्राउंड पर आरपीसी ओर जयपुर यूएसपीए के बीच खेला गया जिसमें जयपुर यूएसपीए ने आरपीसी को 8-3 के स्कोर से हराया। आरपीसी की ओर से विजयश्री शक्तावत/ आर्यन सिंह, मयूरद्वाज सिंह ओर लांस वाट्सन ने 1-1 गोल किये। विजयश्री शक्तावत मैच के तीसरे चक्कर मे घोड़े से स्लिप हो गई जिससे उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया। जानकारी के अनुसार उनके शोल्डर में कुछ प्रॉब्लम आयी है। मैच में उनकी जगह आर्यन सिंह को खिलाया गया। इसी टीम के खिलाड़ी लांस वाट्सन की जगह कुलदीप सिंह मैच में खेले। आर्यन सिंह एम्पायर थे उनकी जगह एलन माइकल को एम्पायर बनाया गया। जयपुर यूएसपीए की ओर से विक्रमादित्य सिंह ने 1, पदमनाभ सिंह और शुभम गुप्ता ने 2-2, डिनो धनखड़ ने 3 गोल कर टीम को जीताया।

पाक में विदेशी टीमों और फैंस पर मंडराया खतरा, आतंकी संगठन ने दी किडनैपिंग की धमकी

नई दिल्ली, 24 फरवरी। पाकिस्तान में खेली जा रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बीच एक बडी खबर सामने आई है। इस टूर्नामेंट पर आतंकी साया मंडरा रहा है। टूर्नामेंट के बीच में आई इस रिपोर्ट ने सनसनी मचा दी है क्योंकि अभी इस टूर्नामेंट के कई मुकाबले खेले जाने हैं। आतंकी हमले के साथ ही किडनैपिंग के भी प्लान बनाए जा रहे हैं ऐसा इस रिपोर्ट में दावा किया गया है। एक बड़े न्यूज चैनल के एक्सीक्यूटिव एडिटर ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इस बात की जानकारी दी है। उनका कहना है कि टूर्नामेंट पर मंडरा रहा खतरा पाकिस्तान के साथ भारत की खुफिया एजेंसियो को भी जानकारी मिली है।

नेपाल के पूर्व कप्तान और ऑल नेपाल प्लेयर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष उपेंद्र मान सिंह जयपुर आए

नेपाल की फुटबॉल के गिरते स्तर के लिए पोलिटिकल दखल जिम्मेदार : उपेन्द्र मान सिंह

जयपुर, 24 फरवरी। नेपाल फुटबॉल कप्तान, खिलाड़ी और गोलकीपर रहे उपेंद्र मान सिंह लगभग 15 वर्षो तक देश के लिए खेले। उपेंद्र मान सिंह उर्फ काले के नाम से प्रसिद्ध फुटबॉल कोच, 19.7.1973 को जन्मे, सिंह फुटबॉल में निम्न क्लब से खेले : अन्नपूर्णा, रानीपोखरी कॉर्नर टीम (आरसीटी), फ्रेंड्स क्लब, न्यू रोड टीम (एनआरटी), थ्री स्टार क्लब, सिंघा तामरॉन्ग (थाईलैंड), सालगांवकर्स (गोवा), डेम्पो (गोवा), रहमद-गंज (बांग्लादेश), ब्रदर्स यूनियन (बांग्लादेश), एमएमसी। उपेन्द्र सिंह ने के क्लब में कोच के रूप में बच्चों को प्रशिक्षित किया जिनमे : हिमालयन शेरपा क्लब, मध्यपुर यूथ एसोसिएशन, नेपाली फुटबॉल राष्ट्रीय टीम के गोलकीपिंग कोच रहे। बचपन के बारे में बोलते हुए उपेन्द्र ने कहा कि मेरे पिताजी एक इंस्पेक्टर के पद पर थे। ओर मैं जिस स्कूल में था वहां का मैदान फुटबॉल खेलने लायक था। स्कूल में बच्चों को खाना अच्छा मिलता था तो मुझे खेलने कोई दिक्कत नही आई। मुझे स्कूल में पढ़ाई के दौरान नेशनल खेलने का मौका मिल गया था। आगे चलकर उपेंद्र मान सिंह नेपाली फुटबॉल के औपचारिक कप्तान और राष्ट्र के औपचारिक स्टार थे। वे राष्ट्र के स्टार गोलकीपर थे जिन्होंने 1993 के एसएएफ खेलों में भारत के खिलाफ एक महत्वपूर्ण शॉट बचाकर स्वर्ण पदक जीता था। वे बीएस में टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने के लिए यारिस कार जीतने वाले पहले खिलाड़ी थे। वे मध्यपुर यूथ एसोसिएशन के संस्थापक और कोच भी थे। 1993 के एसएएफ खेलों में स्वर्ण पदक जीतना। नियमित समय में यह 2-2 से ड्रॉ था और स्पॉट किक में उसने एक महत्वपूर्ण शॉट बचाया जिससे नेपाल ने फाइनल में भारत को 4-3 से हराकर खिताब जीता। ए डिवीजन लीग 2062 बीएस (2005) में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी होने के

लिए पहली टोयोटा यारिस कार प्राप्त करना। 1997 की पहली सैफ चैम्पियनशिप में हम बहुत मजबूत टीम थे लेकिन हम दोनों लीग मैच पाकिस्तान से 2-0 और श्रीलंका से 3-1 से हारे। उनके साथ/विरुद्ध खेले गए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ीयों में मणि शाह दाई। वह एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी थे जिनमें गेंदों को परफेक्शन के साथ डालने की कला और शानदार बायां पैर था। हमने नेपाली फुटबॉल में अब तक ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा है। मणि दाई, अजार अधिकारी और लोक बहादुर शाही उनके स्कूल के मैदान में नियमित रूप से खेला करते थे, उन्होंने उनका अनुसरण करने की कोशिश की। सिंह के जर्मन कोच होल्गर ओवरमैन, अंडर-16 टीम के साथ जर्मनी जाने से पहले ओवरमैन ने उन्हें यह कहकर प्रेरित किया कि उनमें एक शीर्ष गुणवत्ता वाला गोलकीपर बनने के गुण हैं। उन्होंने अपने कॉलेज में मिले 1000 रुपए की छात्रवृत्ति से अपने दोस्तों को एक ट्रीट दी। पूर्व राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान उपेंद्र मान सिंह ने ऑल नेपाल फुटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पद के लिए राष्ट्रीय खेल परिषद की नौकरी छोड़ दी थी। सिंह खेल की शासी संस्था में सहायक कोच के पद पर कार्यरत थे। सिंह एनएससी की नौकरी छोड़ने वाले पहले व्यक्ति बन गए जबकि 30 से अधिक लोग पहले ही विभिन्न संघों से इस्तीफा दे चुके थे। ओलंपियन संगिना बैद्य और दीपक बिस्टा ने नेपाल ताइक्वांडो एसोसिएशन से इस्तीफा दे दिया था जबकि बिस्टा एनटीए में सचिव थे, बैद्य कार्यकारी समिति के सदस्य थे। सिंह 1918 से 22 तक वाईस प्रेसिडेंट के पद पर रहे। उपेन्द्र सिंह ने नेपाल में फुटबॉल के गिरते स्तर के लिए क्रिकेट को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि हमारे यहां 14 क्लब थे लेकिन फाइनेंस की परेशानी की वजह से अधिकांश बंद हो गए। मध्यपुर में हमारा क्लब ही वहां के खिलाड़ियों को खेलने में मदद करता है। नेपाल में पिछले 3 वर्षो में एक फुटबॉल लीग हुई है, क्योंकि क्रिकेट लीग ने पैर पसार लिये है, जिसमे स्पॉन्सर बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते है मगर फुटबॉल को कोई स्पॉन्सर नही मिलता है। नेपाल में पोलिटिकल दखल ज्यादा होने की वजह से फुटबॉल बर्बाद हो रहा है। भारत आने के मकसद के बारे में सिंह ने कहा कि भारत मे प्रोफेशनल खिलाडी बनने के अवसर, आई लीग का होना, खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के कई अवसर मिलते है।

बगड़ की जीत में हनी प्रताप का सिक्सर

जयपुर, 24 फरवरी। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 4 नन्हें खा मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग में आज संस्कार ग्राउंड पर खेले गए मैच में बगड़ एकेडमी झुंझुनू ने जयपुर ब्लूज को 9 विकेट से हराया। टॉस जीतकर बगड़ एकेडमी ने जयपुर ब्लूज को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। बगड़ एकेडमी के युवा तेज गेंदबाज हनी प्रताप सिंह की घातक गेंदबाजी में 36 पे 6 विकेट के सामने मात्र 26 ओवर में 124 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। दर्शील 49, पंकज गुप्ता 24 रन बनाए। बगड़ एकेडमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए हनी प्रताप 6, अजय कुमार गुर्जर 2, शुभम सिंह, मोहम्मद इरफान ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बगड़ एकेडमी के देवेन्द्र सिंह 55, ऋतिक राठौर 51, गौरव तोड़ावत 12 नाबाद रनों के सहयोग से 10 ओवर में 1 विकेट पर 125 रन बनाकर जीत दर्ज की। जयपुर ब्लूज़ की ओर से गौरव डूडी ने 1 विकेट लिया। आज के मैन ऑफ़ द मैच हनी प्रताप सिंह रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रदेश में क्रियान्वयन के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित किया।

'आपराधिक गतिविधियों से अर्जित संपत्तियों के प्रकरणों में सख्त कार्रवाई हो'

तीन आपराधिक कानूनों के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक में मु.मंत्री ने कहा

जयपुर, 24 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा नए कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में आवश्यक संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रदेश में क्रियान्वयन के संबंध में गृह विभाग की उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को सुरक्षा एवं त्वरित न्याय देना राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है, जिसके क्रम में राज्य सरकार ने कई नीतिगत निर्णय लिए हैं। साथ ही, गृह विभाग को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राज्य बजट 2025-26 में कई प्रावधान भी किए गए हैं।

- **प्रभावी निगरानी के लिए गिरफ्तार व्यक्ति के फिंगरप्रिंट्स लिए जाएं - मुख्यमंत्री**

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गृह विभाग से जुड़े शत प्रतिशत कार्मिकों को नए कानूनों के बारे में प्रशिक्षण देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आपराधिक गतिविधियों से संपत्तियां अर्जित करने वाले अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्तियां जब्त की जाए, जिससे उनके हौंसले पस्त हों। उन्होंने प्रत्येक गिरफ्तार व्यक्ति के फिंगरप्रिंट लेने एवं ई-सम्मन की प्रभावी तामील कराने के निर्देश दिए, ताकि अपराधियों पर सतत् निगरानी के साथ प्रभावी नियंत्रण भी रहे। उन्होंने कहा कि नवीन कानूनों में पहली बार के अपराधी की एक तिहाई सजा पूर्ण होने पर रिहा करने का प्रावधान है। ऐसे मामलों में संवेदनशीलता रखते हुए शीघ्र निर्णय लिया जाए।

शर्मा ने गृह विभाग में रिक्त पदों को शीघ्र भरने एवं पदोन्नित करने के निर्देश दिए, ताकि पर्याप्त मानव संसाधन के नियोजन से प्रदेश के हर क्षेत्र में अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगे। उन्होंने कहा कि गृह विभाग आगामी वर्षों में रिक्त होने वाले पदों का भी पूर्ण विवरण तैयार करे, ताकि कार्मिक के सेवानिवृत्त होते ही तुरंत भर्ती प्रक्रिया शुरू की जा सके।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि गत दिनों केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं केन्द्रीय गृह सचिव द्वारा ली गई बैठकों में दिए गए निर्देशों के अनुसार नए कानूनों के क्रियान्वयन की कार्यवाही की जा रही है। पुलिस के कुल 84 प्रतिशत से अधिक कार्मिकों को नवीन कानूनों का प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा 98.5 प्रतिशत जांच अधिकारी भी प्रशिक्षण ले चुके हैं। नए कानूनों के तहत प्रदेश में अब तक 1 लाख 12 हजार से अधिक एफआईआर दर्ज हुई हैं, जिनमें से 75 हजार से अधिक का निस्तारण भी किया जा चुका है। इस दौरान विधि विज्ञान प्रयोगशाला के सुदृढ़ीकरण, ज़ीरो एफआईआर, ई-साक्ष्य जैसे विषयों पर भी गहन चर्चा की गई।

बैठक में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनंद कुमार, प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़, प्रमुख शासन सचिव विधि एवं विधिक कार्य ब्रजेन्द्र कुमार जैन, पुलिस महानिदेशक यू.आर. साहू, पुलिस महानिदेशक कारागार गोविंद गुप्ता सहित पुलिस, अभियोजन, फॉरेंसिक एवं कारागार विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) परीक्षा 2022 पेपरलीक के आठ अभियुक्तों की दूसरी जमानत याचिका भी खारिज

गत गहलोत सरकार के कार्यकाल में अजमेर स्थित, लोकसेवा आयोग, द्वारा द्वितीय श्रेणी वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) परीक्षा 2022 आयोजित की गई थी

जयपुर, 24 फरवरी। जोधपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट ने द्वितीय श्रेणी वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) परीक्षा 2022 के पेपरलीक से जुड़े आठ अभियुक्तों की दूसरी जमानत याचिका खारिज कर दी।

गत गहलोत सरकार के कार्यकाल में अजमेर स्थित लोकसेवा आयोग द्वारा द्वितीय श्रेणी वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) परीक्षा 2022 आयोजित की गई थी। परंतु गहलोत सरकार के कार्यकाल के दौरान आयोजित अन्य परीक्षाओं की तरह इस परीक्षा में भी पेपरलीक हो गया था।

इस प्रकरण से जुड़े 8 व्यक्ति, पुखराज पुत्र रघुनाथाराम विश्नोई, राजीव कुमार पुत्र स्व. प्रेमलाल उपाध्याय, गमाराम खिलेरी पुत्र पुनमाराम खिलेरी विश्नोई, रामगोपाल पुत्र जगदीश नारायण मीणा, अनिता कुमारी मीणा पत्नी डॉ. प्रभुसिंह मीणा,

- **इस प्रकरण से जुड़े 8 व्यक्ति, पुखराज, राजीव कुमार, गमाराम खिलेरी, रामगोपाल मीणा, अनिता कुमारी मीणा, गोपाल सिंह, विजयराज वर्मा तथा राजीव विश्नोई की जमानत याचिका खारिज हुई।**

गोपाल सिंह पुत्र स्व. लक्ष्मण सिंह कपरूवान राजपूत, विजयराज वर्मा पुत्र वरिंगाराम वर्मा, राजीव विश्नोई पुत्र भगवानाराम विश्नोई की जमानत याचिका खारिज हुई।

एस.ओ.जी. के ए.डी.जी., वी.के. सिंह के अनुसार अभियुक्त पुखराज विश्नोई ने लैपटॉप एवं प्रिन्टर के माध्यम से सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक विषय के पेपरों के प्रिन्टआउट तैयार कर उदयपुर के एक होटल में सात अभ्यार्थियों को परीक्षा से पहले उपलब्ध कराये। इसके अलावा, उसने एक बस में 41 परीक्षार्थियों को भी ऐसे ही पेपर प्रिन्टआउट अभियुक्त पीराराम विश्नोई के माध्यम से उपलब्ध करवाये थे। अभियुक्त रवि कुमार ने अभियुक्त भूपेन्द्र सारण की मदद से जयपुर के एक होटल में अभियुक्तों को लीक पेपर उपलब्ध करवाये थे। अभियुक्त गमाराम खिलेरी पटवारी के पद पर नियोजित थे।

एस.ओ.जी. की रिपोर्ट के अनुसार, भूपेन्द्र सारण के माध्यम से अभ्यर्थी सुनील को एक बस में पेपर उपलब्ध करवाये थे। गमाराम खिलेरी के विरुद्ध ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल करवाने के आरोप में कनिष्ठ लेखाकार एवं राजस्व लेखाकार भर्ती परीक्षा के संबंध में वर्ष 2015 में राजसमंद, गोगुन्दा, कांकरोली एवं एस.ओ.जी. जयपुर में भी प्रकरण पंजीबद्ध हुये थे एवं इन प्रकरणों में इसे गिरफ्तार किया गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी अनिता मीणा जयपुर में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में उप प्रबंधक के पद पर नियोजित थी। अनिल कुमार मीणा द्वारा पेपरलीक से अर्जित अवैध धन (19.50 लाख रुपये) का निवेश अनिता मीणा के नाम चल-अचल संपत्ति में किया गया था। राजीव विश्नोई अध्यापक के पद पर नियोजित था।

इसने पेपरलीक गिरोह के सक्रिय सदस्य ओमप्रकाश ढाका परीक्षार्थी महेन्द्र प्रजापत एवं नागराज को बेकरिया बस में पेपर उपलब्ध करवाने में मदद की थी। इसे उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 पेपर लीक प्रकरण में भी गिरफ्तार किया था।

विजेन्द्र गुप्ता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। अध्यक्ष के लिए दूसरा प्रस्ताव कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्रराज सिंह ने किया, जिसका मंत्री प्रवेश वर्मा ने समर्थन किया। भाजपा विधायक कुलवंत राणा ने भी गुप्ता के लिए अध्यक्ष पद के दोनों प्रस्तावों का समर्थन किया।

प्रोटेम स्पीकर अरविंदर लवली ने गुप्ता का नाम अध्यक्ष के लिए सदन के समक्ष रखा, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया।

गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने गुप्ता को अध्यक्षीय आसान तक पहुंचाया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

'आप के 32 विधायक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नुकसान के बाद, आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली के कपूरथला हाउस में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित, पार्टी विधायकों की मीटिंग बुलाई है।

ज्ञातव्य है कि आप को उस समय जबरदस्त धक्का लगा था, जब 10 साल सत्ता में रहने के बाद, वह दिल्ली विधानसभा चुनावों में बहुमत हासिल नहीं कर पाई थी। इन चुनावों में, जहाँ भाजपा को 48 सीटें मिली थीं, वहीं आप 22 सीटों पर सिमट गई थी। दिल्ली विधानसभा चुनावों में आपकी पराजय की पृष्ठभूमि में, सब की नज़रों में इस मीटिंग को बुलाये जाने को लेकर उत्सुकता एवं बेचैनी है। भाजपा ने कहा है कि इस मीटिंग का उद्देश्य मान को मुख्यमंत्री पद से हटाना है। इस बीच, आप ने कहा है कि इस मीटिंग का एजेंडा पार्टी की कमियों का विश्लेषण करना है। कांग्रेस, पंजाब में सत्तारूढ़ आप के अंदरूनी तनाव एवं विभाजन पर जोर देते हुये, पार्टी पर दबाव पैदा करने की कोशिश कर रही है। ज्ञातव्य है कि दिल्ली की सत्ता खोने के बाद, आप की लोकप्रियता में लगातार कमी आ रही है। सूत्रों का कहना है कि कई आप विधायक, जो पिछले विधानसभा चुनावों से पहले अपनी पार्टी छोड़कर आप में शामिल हुये थे, मुख्यमंत्री मान की कार्यशैली से असंतुष्ट हैं। उनका कहना है कि मान की अपनी अलग ही सनकें एवं दिलचस्पियाँ हैं।

दिल्ली विधानसभा में पहले दिन ही भारी हंगामा

नई दिल्ली, 24 फरवरी। दिल्ली विधानसभा में सत्र के पहले ही दिन सोमवार को जबरदस्त हंगामा देखने को मिला। दिल्ली की आठवीं विधानसभा के पहले सत्र में तीन बार के भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता को स्पीकर चुना गया। सदन में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने विजेंद्र गुप्ता को बधाई देते हुए भाजपा पर निशाना साधा और मुख्यमंत्री कार्यालय से बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह की तस्वीरें हटाने का आरोप लगाया।

उन्होंने भाजपा को दलित और सिख विरोधी बताया। वहीं, गुप्ता ने आतिशी के बयान की निंदा की और उन पर माहौल खराब करने का आरोप लगाया। इस दौरान सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने विजेंद्र गुप्ता को शुभकामनाएं देते हुए भाजपा पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा, "यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली विधानसभा का नेतृत्व एक ऐसी पार्टी कर रही है जो दलित और सिख विरोधी है।

स्टालिन ने मोदी से सीख ली: अभी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वादों को पूरा करने पर है। सोमवार को एम.के. स्टालिन ने राज्यभर में एक हज़ार मुख्यमंत्री फार्मेसी लॉन्च कीं, जिनके द्वारा जनता को रियायती दरों पर दवा मिलेगी।

इस पहल का यह पहला भाग है, बाद में अन्य मैडिकल सेवाओं के लिए भी ऐसी योजनाएं लाई जाएंगी। मध्यम वर्ग को लुभाने के लिए बनाई गई इस योजना का लक्ष्य है, उन लोगों को सस्ती दवा उपलब्ध करवाना, जो निजी अस्पतालों में इलाज करवाते हैं। सब्सिडाइज़्ड फार्मेसी लॉन्च, अन्ना सैन्टिनेरी लाइब्रेरी कैम्पस में हुआ। स्टालिन ने डायबिटीज़ व हाइपरटैंशन जैसी क्रॉनिक बीमारियों के इलाज के लिए दी जाने वाली दवाओं की ऊँची कीमतों को देखते हुए कहा था कि इसके लिए वे एक विशेष कार्यक्रम शुरु करेंगे।

अब इन मुधालवर मरुन्धगाम में जैनरिक व आवश्यक दवाएं कम दाम पर मिलेगी। इन फार्मेसी को चलाने वाले फार्मासिस्ट व कोऑपरेटिव सोसायटीज़ को सरकार 3 लाख रुपए तक की सब्सिडी देगी। इसके अलावा, दवाएं 75 प्रतिशत कम दाम पर मिलेगी, जिससे हैल्थ सेवा ज्यादा सरल हो जाएगी।

नई शुरु की गई 1000 फार्मेसीज़ में से 500 का प्रबंध कोऑपरेटिव सोसायटी देखेंगी तथा 500 अन्य का प्रबंधन प्रशिक्षित फार्मासिस्ट व व्यवसायी करेंगे।

स्टालिन ने दोहरया कि द्रमुक सरकार हैल्थ और एजुकेशन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, चाहे जितनी भी आर्थिक मुश्किलें क्यों न हों।

उन्होंने कहा, ये योजनाएं सिर्फ तमिलनाडु की जनता की भलाई के लिए हैं। केन्द्र सरकार के प्रतिबंधों के बावजूद इन्हें रोका नहीं जाएगा।

स्टालिन का इरादा साफ है, अपनी सरकार के लिए समर्थन जुटाना, साथ ही वे यह समझाना भी चाहते हैं केन्द्र सरकार राज्य की मदद नहीं कर रही है बल्कि प्रतिबंध लगाकर विकास में अड़ंगे लगा रही है।

उन्हें व उनकी पार्टी और सरकार को पर्याप्त मीडिया समर्थन मिल रहा है, इसलिए, कांग्रेस के विपरीत, उनके लिए भाजपा व केन्द्र विरोधी कथानक पेश करना आसान है।

'मखाना सुपरफूड, मैं 300 दिन खाता हूँ'

पटना, 24 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को बिहार की एकदिवसीय यात्रा पर सिल्क सिटी के रूप में मशहूर भागलपुर पहुंचे। उन्होंने भागलपुर में आयोजित पीएम किसान सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए जहां बिहार को केन्द्रीय बजट में दिए गए मखाना बोर्ड की चर्चा की, वहीं मखाना को सुपर फूड बताते हुए इसे दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने की बात कही। प्रधानमंत्री मोदी ने देश भर के किसानों को खुशियों की सौगात देते हुए पीएम किसान सम्मान योजना की 19वीं किस्त जारी की। इस समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने जहां किसानों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं को गिनाया।

सोमवार को कई चर्चित हस्तियों ने महाकुंभ में स्नान किया

महाकुंभ मेला खत्म होने में मात्र दो ही दिन बचे हैं

महाकुम्भनगर, 24 फरवरी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई दिग्गज हस्तियों ने सोमवार को त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री पंकजा गोपीनाथ मुंडे तथा राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने भी सोमवार को त्रिवेणी संगम पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई। वहीं, बॉलीवुड एक्ट्रेस रवीना टंडन और उनकी बेटी राशा थडानी भी सोमवार को महाकुम्भ मेला क्षेत्र पहुंचीं, जहां उन्होंने परमार्थ निकेतन के शिविर में चिदानंद सरस्वती और अन्य साधु-संतों से मुलाकात की। भोजपुरी सुपरस्टार, सीनियर एक्टर व गोरखपुर से भाजपा सांसद रवि किशन ने भी परिवार समेत त्रिवेणी संगम में आस्था की पवित्र डुबकी लगाई। अक्षय कुमार, अभिनेत्री कैटरीना कैफ, प्रीति जिंटा और सोनाली बेन्द्रे ने भी संगम में स्नान किया।

- **सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे, राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के उदय उपेन्द्र कुशवाहा प्रयागराज आए।**
- **सोमवार को कई बॉलीवुड हस्तियों ने भी महाकुंभ स्नान किया। अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ, प्रीति ज़िटा, सोनाली बेन्द्रे, रवीना टंडन, भोजपुरी स्टार व सांसद रविकिशन आदि, सपरिवार कुंभ स्नान करने आए।**

कैटरीना ने परमार्थ निकेतन शिविर में स्वामी चिदानंद सरस्वती और साध्वी भगवती सरस्वती का आशीर्वाद भी लिया। कैटरीना ने कहा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैं इस समय यहां पर आईं। मैं बहुत खुश हूं। ये बहुत ही सुंदर जगह है। उन्होंने शिविर में भजन संध्या भी की।

संगम स्नान करने के बाद, अक्षय कुमार ने कहा, मैंने खूब आनंद लिया। इस बार की व्यवस्था बहुत शानदार है। मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इतनी बेहतरीन व्यवस्था करवाई। 2019 के कुम्भ में लोगों को काफी दिक्कतें हुईं थीं, लेकिन इस बार सब कुछ बहुत सुव्यवस्थित है।

एकनाथ शिंदे सपरिवार प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे वीआईपी घाट पहुंचे। यहां उन्होंने परिवार समेत विधिवत स्नान और पूजा-अराधना की। उन्होंने महाकुम्भ 2025 को विश्व का सबसे बड़ा आयोजन बताते हुए कहा कि प्रयागराज पवित्र भूमि है, यहां सभी एक समान हैं। कोई बड़ा-छोटा नहीं, सभी को एक जैसा सम्मान मिलता है। यहां श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे यह महाकुम्भ दिव्य और भव्य बन रहा है और इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं।

इससे पूर्व, उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने तीर्थराज प्रयागराज आगमन पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का स्वागत किया और उन्हें कुंभ कलश प्रदान कर उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उनका अभिनंदन किया।

महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री पंकजा गोपीनाथ मुंडे ने त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया और योगी सरकार द्वारा किये गये महाकुम्भ मेले के प्रबंधन को सराहा।

फड़नवीस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ सप्ताहों से शिंदे मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई महत्वपूर्ण सरकारी बैठकों से नदारद रहते हैं।

शिंदे कटाक्ष करने में भी पीछे नहीं हैं। हाल ही में नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि "मुझे हल्के में न लिया जाए। पिछली बार मुझे हल्के में लिया गया था तो 2022 में मैंने सरकार गिरा दी थी और जनता की इच्छा के अनुसार, डबल इंजन सरकार लाया था। मैं साधारण कार्यकर्ता हूँ, पर बाला साहेब ठाकरे का अनुयायी हूँ, लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए।"

पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर शिंदे ने अपनी टिप्पणी, "मुझे हल्के में न लें" को मामूली बात बताते हुए कहा कि यह टिप्पणी दो साल पहले हुई एक घटना के बारे में थी।

संभल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सभी तरह कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। मस्जिद समिति ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश सरकार क्षेत्र में प्राचीन कुओं को पुनर्जीवित करने के प्रयास में धार्मिक अनुष्ठान कर रही है और यह कुआं मस्जिद के अंदर है। मस्जिद ने यह भी कहा था कि इस तरह के प्रयासों से हिंसा भड़क सकती है।

राहुल गांधी को बाजवा पर नज़र रखने की नसीहत दी आप ने

चंडीगढ़, 24 फरवरी। पंजाब आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने कांग्रेस नेता प्रताप बाजवा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि उनका भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाना लगभग तय है। अरोड़ा ने सोमवार को कहा कि बाजवा ने पहले ही भाजपा के साथ अपनी 'एडवांस बुकिंग' पक्की कर ली है। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी से आग्रह करता हूं कि वह बाजवा से सवाल करें कि उन्होंने हाल ही में बेंगलुरु में भाजपा के किन वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। ऐसा लगता है, जैसे उनकी 'स्क्रिप्ट' भाजपा कार्यालय में तैयार की गयी है, बिल्कुल उनके भाई की तरह, जो पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

नाबालिग आदतन अपराधी को सुप्रीम कोर्ट का जमानत से इन्कार

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और आर महादेवन की बैंच ने नाबालिग के अपराधिक इतिहास पर गौर करने के बाद यह फैसला लिया

नयी दिल्ली, 24 फरवरी। उच्चतम न्यायालय ने बार-बार अपराध करने के आरोपी एक नाबालिग को जमानत से इनकार करते हुए सोमवार को कहा कि उसकी उम्र के कारण ही उसे कानून से छूट नहीं मिल जाती। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने नाबालिग के आपराधिक इतिहास पर गौर किया और बताया कि उसके खिलाफ चार समान मामले दर्ज हैं। पीठ ने पहले से ही तीन अन्य मामलों में जमानत पर चल रहे याचिकाकर्ता से कहा कि किशोर अपनी उम्र की आड़ में बार-बार नतीजों से बच नहीं सकते। वह सुधारने लायक नहीं है! वह सुधारने लायक नहीं है।

जबरन वसूली और आपराधिक धमकी के मौजूदा मामले में राजस्थान उच्च न्यायालय ने उसे जमानत देने से इनकार कर दिया। वर्तमान मामले के संदर्भ में यह स्वीकार करते हुए कि आरोपी किशोर कानून के तहत अधिकतम तीन साल की सजा के आधे से अधिक (एक वर्ष और आठ महीने) से हिरासत में है, न्यायालय राहत देने के लिए सहमत नहीं हुआ। पीठ ने इसके अलावा, गवाहों की गैर-मौजूदगी के कारण मुकदमे की कार्यवाही में देरी पर ध्यान दिया और किशोर न्यायालय के पीठासीन अधिकारी को उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने शीघ्र सुनवाई का आदेश देते हुए निचली अदालत को निर्देश दिया कि यदि आवश्यक हो तो रोजाना सुनवाई करके चार महीने के भीतर अदालती कार्यवाही पूरी की जाए।

गतिरोध नहीं टूटा, कांग्रेस ने बायकॉट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सदन से बाहर जाने को कहा। हंगामे के कारण कई बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। देर शाम को विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

कहा जा रहा है कि जब गतिरोध टूटने वाला था, तब डोटासरा ने माफी मांगने से इन्कार कर दिया, तो अध्यक्ष ने आधे घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित की।

जब सदन की कार्यवाही स्थगित हुई, उस वक्त धरने के दौरान डोटासरा ने स्पीकर के लिए अपशब्दों का प्रयोग किया। उसे किसी विधायक ने रिकॉर्ड करके स्पीकर को सुना दिया। इससे बात और ज्यादा बिगड़ गई। आधे घंटे बाद जब फिर सदन शुरू हुआ तो स्पीकर ने बिना गतिरोध खत्म किए ही सदन की कार्यवाही को चलाने का फैसला किया। इससे कांग्रेस विधायकों की निलंबन बहाली अटक गई।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि डोटासरा अध्यक्ष के चेंबर में हुई बात से मुकर गए। वे अपने वरिष्ठ सदस्यों की बात नहीं मान रहे। इससे साफ जाहिर है कि उनको जनता के मुद्दों से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई में कौन किस दांव से किसको चित करेगा, इस बात पर उनका दिमाग लगा हुआ है। बेढम ने कहा कि आज सदन में बार-बार नेता प्रतिपक्ष आहत से होकर बोलते नजर आए। उनकी बॉडी लैंग्वेज से लग रहा था कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उनकी अनदेखी कर रहे हैं। वरिष्ठ नेताओं की बात को अनदेखी करके कांग्रेस में घमासान पैदा करने की साजिश रच दी, इससे पूरा विपक्ष भी परेशान लग रहा है।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि इनको जनता की चिंता नहीं है। डोटासरा तो, दिल्ली में अपने नंबर बढ़ाने के लिए अपने इस प्रदर्शन और नाटक को गलत ट्रैक पर लेकर चले गए हैं। पूरे राजस्थान की जनता इन पर थूक रही है।

विधानसभा परिसर में आज कांग्रेस विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सचिन पायलट, गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में विधायकों ने विधानसभा में "इंदिरा जी का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान" के नारे लगाए।

हजारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने विधानसभा का घेराव कर विरोध-प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हुई। बाद में पुलिस ने कांग्रेसजनों को हिरासत में ले लिया।

कांग्रेसजनों ने विधानसभा में कांग्रेस विधायकों के निलम्बन को निरस्त कराने की मांग को लेकर बड़ी संख्या में विधानसभा के समीप सहकार मार्ग पर एकत्रित होकर सभा की। सभा को सांसद मुरारी लाल मीणा, हरीश मीणा,भजनलाल जाटव, उम्मेदाराम बेनीवाल सहित प्रताप सिंह खाचरियावास ने भी संबोधित किया।

कांग्रेसजनों ने विधानसभा की ओर घेराव करने के लिए पैदल मार्च किया। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर हल्का लाठीचार्ज किया और वॉटर कैनन चलाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास किया ,लेकिन पुलिस ने उसे विफल कर दिया। प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद, विधायक प्रत्याशी, जिलाध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि सहित हजारों कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं नेता शामिल हुये।

'करतारपुरा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार को यहां से अतिक्रमण हटाने को लेकर की गई कार्रवाई की प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जनहित याचिका में कहा गया कि करतारपुरा नाले में जगह-जगह अतिक्रमण हो गया है और नाला पक्का भी नहीं है।

मानसून में यहां कई लोगों की जान तक जा चुकी है। नाले की कई जगह तो चौड़ाई अतिक्रमण के चलते कुछ फीट ही रह गई है। ऐसे में इसे पक्का कर अतिक्रमण हटाया जाए।

विधानसभा का घेराव करने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का मुक्की हुई। इस दौरान पुलिस ने नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर हल्का लाठीचार्ज किया और वॉटर कैनन से पानी डालकर उन्हें रोकने का प्रयास किया।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908